{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 06 जनवरी 2026
माघ कृष्ण 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 105
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

बठिंडा कोर्ट में फिर पेश नहीं हुई कंगना

बठिंडा। बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनोट एक बार फिर बठिंडा कोर्ट में पेश नहीं हुईं। उनके अदालत में उपस्थित न होने के चलते कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 15 जनवरी की तारीख तय कर दी है। इस संबंध में दूसरे पक्ष बेबी महिंदर कौर के वकील रघबीर सिंह बहनीवाल ने बताया कि कंगना रनोट को आज अदालत में पेश होना था। हालांकि, उनकी ओर से उनके वकील वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कोर्ट में पेश हुए और एक बार फिर हाजिरी से छूट और माफी की अर्जी दाखिल की। वकील रघबीर सिंह बहनीवाल ने बताया कि बेबी महिंदर कौर की ओर से इस अर्जी का विरोध किया गया है। उनका कहना है कि कंगना रनोट इससे पहले भी कई बार हाजिरी से छूट की अर्जी दाखिल कर चुकी हैं। पहली बार उन्होंने जरूरी काम का हवाला दिया था, जिसे स्वीकार किया गया था।

उमर खालिद-शरजील को जमानत नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया। हालांकि 5 अन्य आरोपियों को 12 शर्तों के साथ जमानत दे दी है। दिल्ली में फरवरी, 2020 में हिंसा भड़की थी। इसमें 53 लोगों की मौत हुई थी। 250 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। 750 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उमर और शरजील एक साल तक इस मामले में जमानत याचिका दाखिल नहीं कर सकते हैं। दरअसल, उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद दिल्ली दंगों के आरोप में 5 साल 3 महीने से तिहाड़ में हैं। इन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में उन्हें गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत जमानत देने से इनकार किया गया था।

अब लंगूर की हूबहू आवाज निकालने पर दिल्ली सरकार देगी नौकरी!

नई दिल्ली। अगर आप लंगूर की हूबहू आवाज निकाल सकते हैं तो यह हुनर आपको दिल्ली सरकार के साथ काम करने का मौका दे सकता है। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग ने दिल्ली विधानसभा परिसर को बंदरों के आतंक से मुक्त करने के लिए एक बेहद अनोखा टेंडर जारी किया है। अधिकारियों के मुताबिक दिल्ली विधानसभा और उसके आसपास के इलाकों में बंदरों की संख्या काफी बढ़ गई है। बंदरों के झुंड अक्सर विधायकों, सरकारी कर्मचारियों और वहां आने वाले आगंतुकों के लिए परेशानी का सबब बनते हैं। बंदरों को डराने के लिए परिसर में लंगूर की मूर्तियां और पुतले लगाए गए थे लेकिन बंदर अब इनसे नहीं डरते।

रूस से भारत का तेल आयात घटने पर ट्रम्प बोले

मोदी ने यह मुझे खुश करने के लिए किया, वे जानते थे मैं नाखुश था

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के रूस से तेल आयात कम करने को लेकर बयान दिया है। ट्रम्प ने कहा है कि भारत ने यह फैसला उन्हें खुश करने के लिए लिया।

ट्रम्प ने कहा, वे मुझे खुश करना चाहते थे। प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे इंसान हैं। वह जानते थे कि मैं खुश नहीं था, इसलिए मुझे खुश करना जरूरी था। हम व्यापार करते हैं और उन पर टैरिफ बढ़ा सकते हैं।

यूक्रेन युद्ध के बाद भारत रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार बन गया था। अमेरिकी अधिकारियों ने आरोप लगाया था कि भारत रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन पर हो रहे हमलों को फंड कर रहा है। इसे लेकर ट्रम्प प्रशासन ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ भी लगाया था।

भारतीय राजदूत ने 25 प्रतिशत टैरिफ हटाने की अपील की

अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा है कि वह करीब एक महीने पहले भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के घर गए थे। उस मुलाकात में सबसे ज्यादा चर्चा भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद कम करने को लेकर हुई थी।

उन्होंने बताया कि भारतीय राजदूत ने उनसे राष्ट्रपति ट्रम्प तक यह संदेश पहुंचाने को कहा था कि भारत पर लगाया गया एक्स्ट्रा 25 प्रतिशत टैरिफ हटाया जाए।

लिंडसे ग्राहम के मुताबिक, भारत अब पहले के मुकाबले रूस से काफी कम मात्रा में तेल खरीद रहा है। इस मुद्दे को बातचीत में प्रमुख रूप से उठाया गया।

भारत ने 4 साल बाद रूस से तेल आयात कम किया

भारत ने 2021 के बाद पहली बार रूस से कच्चे तेल का आयात घटाया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रूसी तेल आयात नवंबर में करीब 17.7 लाख बैरल प्रति दिन था, जो दिसंबर में घटकर लगभग 12 लाख बैरल प्रति दिन रह गया है। आने वाले समय में यह 10 लाख बैरल प्रति दिन से भी नीचे जा सकता है। जनवरी में आने वाले आंकड़ों में भारत के रूसी तेल आयात में बड़ी गिरावट दिख सकती है। नवंबर 21 से रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू हुए हैं। इसके बाद भारत का रूस से तेल आयात घटने लगा है।

रूस ने डिस्काउंट देना कम किया

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने 20-25 डॉलर प्रति बैरल सस्ता क्रूड ऑयल बेचना शुरू किया। तब अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल थी, ऐसे में ये छूट भारत के लिए किफायती थी।

हालांकि अब अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत 63 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। रूस ने भी अपनी छूट घटाकर 1.5 से 2 डॉलर प्रति बैरल कर दी है। इतनी कम रियायत में भारत को पहले जैसा फायदा नहीं मिल रहा, ऊपर से रूस से तेल लाने में शिपिंग और बीमा खर्च भी ज्यादा पड़ता है। इसी वजह से भारत अब दोबारा सऊदी, UAE और अमेरिका जैसे स्थिर और भरोसेमंद सप्लायर्स से तेल खरीद रहा है, क्योंकि अब कीमत में पहले जैसा बड़ा अंतर नहीं बचा।

भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा चुका अमेरिका

अमेरिका अब तक भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा चुका है। इसमें से 25% 'रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ' और 25 प्रतिशत टैरिफ रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाया गया है। इसके चलते भारत को अमेरिका में अपना सामान बेचने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा रहा है, जिसका असर भारत के निर्यात पर पड़ रहा है। दोनों देशों के बीच टैरिफ विवाद को निपटाने के लिए ट्रेड डील पर बातचीत भी चल रही है।

भारत चाहता है कि उस पर लगाए गए कुल 50% टैरिफ को घटाकर 15% किया जाए और रूस से कच्चा तेल खरीदने पर जो एक्स्ट्रा 25% पेनाल्टी लगाई गई है, उसे पूरी तरह खत्म किया जाए। दोनों देशों के बीच चल रही इस वार्ता से नए साल में कोई ठोस फैसला निकलने की उम्मीद है।

प्रदेश में घने कोहरे का अलर्ट; 19 जिलों में स्कूलों की छुट्टी

भोपाल। वातावरण में नमी बढ़ने से मध्य प्रदेश के अधिकतर शहर कोहरे की चपेट में हैं। रात के साथ दिन में भी ठिठुरन बढ़ गई है। भोपाल में सोमवार को सुबह 6 से 7 बजे के बीच इतना घना कोहरा था कि 20 मीटर बाद कुछ दिखाई नहीं दिया। सुबह 11 बजे तक कोहरा छाया रहा। पचमढ़ी में गाड़ियों की सीट पर बर्फ की परत जमी मिली। छतरपुर का नौगांव सबसे ठंडा रहा। यहां सोमवार को तापमान 1 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। ठंड के कारण 19 जिलों में स्कूली की छुट्टी कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर, शाजापुर, विदिशा, ग्वालियर, अशोकनगर, रायसेन, आगर मालवा, भिंड, टीकमगढ़, हरदा, नीमच, रतलाम, राजगढ़, मंडला, जबलपुर, दमोह और डिंडोरी में प्राइमरी स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। खजुराहो, गुना, नर्मदापुरम, रायसेन, दमोह, सागर, जबलपुर, नौगांव, दतिया, धार, ग्वालियर, इंदौर, राजगढ़, रतलाम, उज्जैन, रीवा, सतना, श्योपुर, बालाघाट, उमरिया, सीधी, मंडला, छिंदवाड़ा समेत कई जिलों में कोहरे का असर देखा गया।

कोहरे की वजह से बड़वानी जिले में सोमवार सुबह सांची दूध का टैंकर पलट गया। हादसे में हेल्पर कन्हैयालाल मुजाल्दे (35) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ड्राइवर अमजद अहमद शेख (35) गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, दिल्ली से आने वाली ट्रेनों की टाइमिंग पर असर पड़ा है। मालवा, सचखंड, शताब्दी समेत कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से लेट चल रही हैं। मालवा एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 3 घंटे से ज्यादा देरी से चल रही है। सर्द हवाओं की वजह से सर्दी भी तेज हो गई है। ज्यादातर जिलों में पारा 10 डिग्री से नीचे आ गया है। दतिया में 4.4 डिग्री, राजगढ़-खजुराहो में 5.4 डिग्री, मलाजखंड में 5.5 डिग्री, उमरिया में 5.7 डिग्री, मंडला-पचमढ़ी में 5.8 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों में भोपाल में 6.8 डिग्री, इंदौर में 8.6 डिग्री, ग्वालियर में 6.4 डिग्री, उज्जैन में 9.5 डिग्री और जबलपुर में 9 डिग्री रहा।

मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

मुंबई। मुंबई स्थित टाटा मेमोरियल अस्पताल को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। अस्पताल प्रशासन को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें अस्पताल परिसर में बम रखे होने का दावा किया गया। सूचना मिलते ही प्रशासन ने तुरंत मुंबई पुलिस को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गईं।

रिपोर्ट के अनुसार, धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस की कई टीमें, बम निरोधक दस्ता (बम स्क्वॉड) और अन्य सुरक्षा इकाइयां अस्पताल परिसर में पहुंचीं। इसके बाद पूरे अस्पताल में सघन सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। बम स्क्वॉड द्वारा हर कोने की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके। पुलिस ने बताया कि फिलहाल किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन एहतियात के तौर पर सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया गया है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि धमकी भरा ईमेल किसने भेजा, उसका उद्देश्य क्या था और यह किसी शरारत का मामला है या किसी बड़ी साजिश का हिस्सा। इस दिशा में मुंबई पुलिस की साइबर सेल ईमेल की तकनीकी जांच कर रही है, ताकि भेजने वाले की पहचान की जा सके। गौरतलब है कि इससे पहले भी मुंबई में इस तरह की बम धमकियों के मामले सामने आ चुके हैं। 18 दिसंबर को बांद्रा कोर्ट और 1 दिसंबर को सांताक्रूज इलाके के एक स्कूल को भी इसी तरह धमकी मिली थी।

'भगवान को भी नहीं छोड़ा', सबरीमाला सोना चोरी मामले में कोर्ट की सख्त टिप्पणी; ये याचिका खारिज

नई दिल्ली। केरल के प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर से जुड़े सोना चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के पूर्व सदस्य के.पी. शंकर दास की याचिका खारिज करते हुए तीखी टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि आपने भगवान को भी नहीं छोड़ा।

यह मामला सबरीमाला मंदिर में द्वारपालक देवताओं की मूर्तियों और श्रीकोविल के दरवाजों से सोना चोरी होने से जुड़ा है। के.पी. शंकर दास ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर केरल हाईकोर्ट की उन टिप्पणियों को हटाने की मांग की थी, जिनमें कहा गया था कि वह और के. विजयकुमार आपराधिक साजिश के आरोपों से नहीं बच सकते। सुप्रीम कोर्ट ने इस मांग को मानने से इनकार कर दिया।

जवाबदेही से नहीं बच सकते

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि देवस्वोम बोर्ड के सदस्य होने के नाते शंकर दास की भी जवाबदेही बनती है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मंदिर जैसी पवित्र जगह पर हुई चोरी के मामले में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकते।

अब तक 10 लोग गिरफ्तार

इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल यानी एसआईटी बनाई गई थी। अब तक इस केस में दो पूर्व देवस्वोम बोर्ड अध्यक्षों समेत कम से कम 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हाईकोर्ट के निर्देश पर एसआईटी को हाल ही में जांच पूरी करने के लिए छह महीने का अतिरिक्त समय भी दिया गया है।

जांच में दखल का आरोप

मामले को लेकर केरल की राजनीति भी गरमा गई है। विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने मुख्यमंत्री कार्यालय पर आरोप लगाया है कि एसआईटी पर जांच धीमी करने का दबाव डाला जा रहा है। विपक्ष का दावा है कि स्थानीय निकाय चुनाव से पहले सरकार राजनीतिक नुकसान से बचने की कोशिश कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने जूडिशियल अधिकारी की बर्खास्तगी को किया रद्द, नौकरी होगी बहाल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के उस न्यायिक अधिकारी की बर्खास्तगी को सोमवार को रद्द कर दिया जिस पर आरोपियों को जमानत देने में अलग-अलग मापदंड अपनाने और भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप था। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की खंडपीठ ने एक न्यायिक अधिकारी को 27 साल तक न्यायपालिका में 'बेदाग' सेवा रिकॉर्ड के साथ काम करने के बावजूद समुचित प्रक्रिया का पालन किए बिना सेवा से हटाया गया।

पीठ ने अधीनस्थ न्यायपालिका के न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ पीड़ित पक्षों के कहने पर तुच्छ आरोप लगाए जाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई और ऐसे अधिकारियों की सुरक्षा की जरूरत पर जोर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस कारण अधीनस्थ न्यायपालिका के अधिकारी जमानत देने से हिचकते हैं और हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट पर जमानत याचिकाओं का बोझ बढ़ जाता है। उसने साथ ही कहा कि भ्रष्ट आचरण में लिप्त न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जानी चाहिए। पीठ ने यह भी कहा कि बार के सदस्य भी न्यायपालिका के सदस्यों के खिलाफ तुच्छ आरोप लगाने में लिप्त रहते हैं और उसने ऐसे खिलाफ अवमानना की कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी।

पीठ की ओर से फैसला लिखने वाले जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि हाईकोर्ट को केवल परस्पर विरोधी न्यायिक आदेशों के कारण न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। जस्टिस पारदीवाला ने फैसले से सहमति जताते हुए न्यायमूर्ति विश्वनाथन द्वारा लिखे फैसले की सराहना की और कहा कि यह 'बहुत साहसिक फैसला' है, जो ईमानदार न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा करने में मदद करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश के न्यायिक अधिकारी निर्भय सिंह सुलिया को उनकी सेवानिवृत्ति तक पूर्ण मौद्रिक लाभ देने का निर्देश दिया और सितंबर 2015 के बर्खास्तगी के आदेश और उनकी सेवा समाप्ति को बरकरार रखने संबंधी हाईकोर्ट के आदेश को भी रद्द कर दिया।

मोहम्मद शमी को चुनाव आयोग का नोटिस

कोलकाता। चुनाव आयोग ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी को नोटिस भेजा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शमी और उनके भाई मोहम्मद कैफ के एसआईआर फॉर्म में गड़बड़ियां मिली हैं, इसलिए दोनों को बुलाया गया है। हालांकि शमी या चुनाव आयोग की ओर से अभी तक इस पर कोई बयान नहीं आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार शमी के एन्यूमरेशन फॉर्म में प्रोजेनी मैपिंग और सेल्फ-मैपिंग से जुड़ी गड़बड़ियां मिली हैं। इसके बाद साउथ कोलकाता के वार्ड नंबर 93 से नोटिस जारी किए गए, जिसमें उन्हें असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर के सामने पेश होने को कहा गया है।

शमी कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन वार्ड नंबर 93 में वोटर के रूप में रजिस्टर्ड हैं, जो रासबिहारी असेंबली सीट के अंदर आता है। 2024 में हुए लोकसभा चुनाव तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने उत्तर प्रदेश के अमरोहा में स्थित अपने पैतृक गांव में वोटिंग की थी। पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद 16 दिसंबर को बंगाल की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पब्लिश हुई थी, जिसमें 58.21 लाख लोगों के नाम काटे गए थे। इसके बाद दावा, आपत्ति और सुनवाई की प्रक्रिया चल रही है।

कुछ ना कहना

अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस के घर पर हमला

खिड़कियां टूटीं; हिरासत में संदिग्ध आरोपी

ओहायो। अमेरिका के सिनसिनाटी में उप राष्ट्रपति जेडी वांस के घर पर रात (स्थानीय समय) में हमला किया गया, जिसमें कई खिड़कियां टूट गईं। इस घटना के बाद सीक्रेट सर्विस और स्थानीय पुलिस ने प्रतिक्रिया दी। सीक्रेट सर्विस के एजेंट सोमवार की सुबह जल्दी ईस्ट वालनट हिल्स स्थित घर पर पहुंचे। एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। हालांकि अधिकारियों ने यह पुष्टि नहीं की है कि उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज किया गया है या नहीं। पुलिस ने स्थानीय टेलीविजन चैनल डब्ल्यूसीपीओ को बताया कि संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। लेकिन

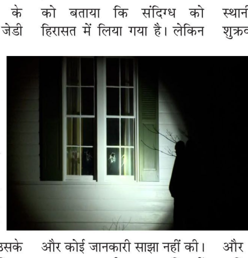

और कोई जानकारी साझा नहीं की। इस बात की तत्काल पुष्टि नहीं हो सकी कि घटना के समय वेंस घर पर थे या नहीं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उन्हें शुक्रवार को फ्लोरिडा में देखा गया था, जहां उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ वेस्ट पाम बीच में राष्ट्रपति के गोल्फ क्लब में समय बिताया था। वेंस और ट्रंप ने वेनेजुएला पर अमेरिकी हमलों और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाने की योजना पर चर्चा की थी। हालांकि, सुरक्षा कारणों के चलते वेंस ट्रंप और अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मार-ए-लागो में सैन्य अभियान का सीधा प्रसारण देखने नहीं गए।

वेतन सीमा में संशोधन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा निर्देश, केंद्र सरकार को चार महीने में निर्णय लेने का आदेश

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत आने वाले करोड़ों कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को ईपीएफओ योजना के लिए वेतन सीमा (वेज सीलिंग) को बदलने पर विचार करने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने सरकार को इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए चार महीने की समय सीमा तय की है। गौरतलब है कि पिछले 11 वर्षों से ईपीएफओ की वेतन सीमा में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिसके कारण बड़ी संख्या में कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा के दायरे से बाहर हैं। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एएस चंदुरकर की पीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता नवीन प्रकाश नौटियाल की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। पीठ ने याचिका का निपटारा करते हुए याचिकाकर्ता को निर्देश दिया है कि वह दो सप्ताह के भीतर केंद्र सरकार के समक्ष अपना अभ्यावेदन और कोर्ट के आदेश की प्रति प्रस्तुत करें। इसके बाद, केंद्र सरकार को इस मामले पर चार महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। याचिकाकर्ता ने अपनी दलील में कहा कि वर्तमान में ईपीएफओ योजना उन कर्मचारियों को कवरेज से बाहर रखती है जिनका मासिक वेतन 15,000 रुपये से अधिक है। यह सीमा आखिरी बार 2014 में संशोधित की गई थी।

क्या है ईपीएफओ में 15000 रुपये की सीमा?

ईपीएफओ नियमों में ?15,000 की सीमा अनिवार्य सदस्यता और स्वैच्छिक सदस्यताके बीच की विभाजक रेखा है। ईपीएफ योजना, 1952 के पैरा 2(द्व) के तहत एक अपवर्जित कर्मचारी वह है, जिसका %वेतन% (बेसिक + डीए) नौकरी ज्वाइन करते समय निर्धारित वैधानिक सीमा (वर्तमान में ?15,000) से अधिक है। जो पहले से ही फंड का सदस्य नहीं है। इसका अर्थ यह है कि यदि किसी कर्मचारी का मूल वेतन और डीए ?15,001 है, तो उसे क्का का सदस्य बनना कानून अनिवार्य नहीं है। हालांकि, वह पैरा 26(6) के तहत नियोक्ता की सहमति के साथ स्वैच्छिक रूप से सदस्य बन सकता है।

वैनगंगा नदी का पानी रोकने 10 लाख रूपये होंगे खर्च

अंग्रेजों के जमाने के छोटे पुल पर बनेगा स्टाप डेम
नपा ने जारी किया टेंडर, करीब 10 लाख रु में किया जाएगा कार्य

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पदमेश न्यूज और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार की खबर का असर एक बार फिर देखने को मिला है।जहां खबर का संज्ञान लेते हुए नपा प्रबंधन द्वारा अंग्रेजों के जमाने के छोटे पुल पर स्टाप डेम बनाने टेंडर जारी कर दिया है।बताया गया कि करीब 10 लाख रु की लागत से यह स्टॉप डेप बनाया जाएगा।जिससे अब गर्मी में वैनगंगा नदी का दामन पानी से भरा रहेगा।वही नगर सहित आसपास के करीब दर्जनों गांवो में भीषण गर्मी के दिनों में भी पानी की किल्लत उठानी नहीं पड़ेगी।ज्ञात हो कि इस मामले को लेकर हमने 26 दिसंबर 2025 को पीएमजी ग्रुप(पदमेश न्यूज और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार)में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। इस दौरान छोटे पुल के नीचे पक्के डेम का निर्माण करवाए करवाए जाने का मुद्दा उठाया गया था।जिंसमे वर्ष 2017 में नगर मे गहराए भीषण जल संकट का हवाला देते हुए, तत्काल डेम बनाए जाने की बात कही थी। जहां खबर का प्रकाशन होते ही संबंधित विभाग व अधिकारी हरकत में आए और उन्होंने डेम बनाने के लिए टेंडर जारी कर दिए, जिसका टेंडर भी अब खुल चुका है। बताया गया कि करीब 10 लाख रुपए में स्टाप डेम बनाने का टेंडर हुआ है और जल्द ही अब वैनगंगा नदी के छोटे पुल पर स्टाप डेम बनाने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

डेम बनाकर जल संचय का किया जाएगा काम

ग्रीष्म काल में उत्पन्न होने वाली पेयजल समस्या से निपटने इस बार भी नगरपालिका राहत के स्टॉप डेम का निर्माण करवाएगी। वैनगंगा नदी के अंग्रेजों के जमाने के छोटे पुल के नीचे लोहे की प्लेट लगाकर जल संचय का कार्य किया जाएगा। शहर की नपा परिषद ने इसके लिए बकायदा टेंडर जारी किए हैं। विभागीय जानकारी के अनुसार करीब 10 लाख की लागत से इस कार्य को अंजाम दिया जाएगा।

चैनल प्लेट लगाकर रोका जाएगा पानी

छोटे पुलिया पर पानी रोकने डेम बनाने वाले कर्मचारियों ने बताया कि प्रतिवर्ष इस सीजन में छोटे पुलिया पर डेम बनाया जाता है। ताकि पानी में पर्याप्त पानी बचा रहे और गर्मी के दिनों में नपा फिल्टर प्लांट से पानी सप्लाई कर सकें। बताया गया कि छोटे पुलिया के नीचे करीब साढे 400 प्लेट लागकर पानी को आगे बहने से रोका जाता है। पिछले वर्ष भी डेम बनाया गया था। इस वर्ष 25 जनवरी से कार्य प्रारंभ किए जाने की बात कर्मचारियों द्वारा बताई गई है।

पानी की ना हो बर्बादी

नगरपालिका जनप्रतिनिधियों के अनुसार जल संरक्षण करना केवल नपा या किसी संस्थान की जवाबदेही नहीं बल्कि आम नागरिकों को भी इसे लेकर प्रयास करना चाहिए। जल संरक्षण के महत्व तथा पानी की उपयोगिता को समझना होगा। बताया गया कि नपा बालाघाट द्वारा शहरवासियों को उतना जलप्रदाय किया जा रहा है, जितना कि वर्ष 2035-2040 में आवश्यकता होगी। नगरवासियों से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम जरूर लगाने का आग्रह किया गया है, ताकि भूजल स्तर बढ़ा सकें।

राहत का डेम बनाने, जल्द शुरू किया जाएगा काम- सीएमओ

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी बीडी कतरोलिया ने बताया कि वैनगंगा नदी के छोटे पुल पर डेम बनाने के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है।टेंडर पास भी हो गया है।जल्द ही राहत का डेम बनाने का कार्य शुरू करवाया जाएगा।

कलाकारों ने दी करमा शैला, सुआ, बिहाव ददरिया आदि नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुति

नूतन कला निकेतन में करमा नृत्म आयोजन सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से प्रदत्त अनुदान द्वारा सौरभ ग्रामीण विकास शिक्षा एवं जन कल्याण समिति ने चार दिवसीय स्वर्गीय श्री शेषमणि पाण्डेय स्मृति करमा नृत्म का आयोजन नूतन कला निकेतन बालाघाट में किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत 4 जनवरी को की गई जिसमें आंचलिक धरोहर नृत्य दल द्वारा करमा शैला, सुआ, बिहाव ददरिया आदि नृत्यों की प्रस्तुति,दी गई। नृत्य दूल के मुखिया बरकत सिंह मेरावी एवं दल के 18 साथियों ने इस मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। संस्था द्वारा विलुप्त होती संस्कृति को सहेजने हेतु किये जा रहे प्रयासों में ये एक सार्थक कदम उठाया गया जिससे आने वाली पीढी हमारी संस्कृति से रू-ब-रू हो सके एवं ग्रामीणांचल क्षेत्र के रहन-सहन एवं उनके द्वारा मनाए जाने वाले उत्सव में किस प्रकार वो उत्साहित हो कर अपना आभार व्यक्त करते हैं, तथा विशेष अवसरों जैसे-विवाह, दशहरा, दीपावली, नया चांद दर्शन, नई फसल जैसे अवसरों में एकत्रित होकर नृत्य करते हैं एवं विशेष वाद्ययंत्रों का उपयोग करते हैं। इन बातो को संस्था द्वारा दिखाने एवं संस्कृति एवं सभ्यता को सहेजने हेतु एक सार्थक कदम उठाया गया।आंचलिक धरोहर बाहेरखार द्वारा प्रस्तुत लोक नृत्य के निर्देशक बरकत सिंह मेरावी के निदेशन में महेश मेरावी, अग्नू सिंह मरकाम, योगेश कुमार व्याम, सरवन कुमार टेकाम, संदेश मेरावी, बिसेन धुर्वे, पहल सिंह धुर्वे, कु. कोटा मरकाम, धनेश्वरी कुशराम, सुलेखा धुर्वे, प्रतिभा धुर्वे, हिरोंदी धुर्वे, साहबत धुर्वे, डुले सिंह व्याम, बुधराम परते, सुनील कुमार धुर्वे और रतिराम मोरवी आदि कलाकारों ने अपनी सहभागिता दी।

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना अंतर्गत रतनारा रोड पर सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक युवक घायल हो गया। घायल युवक रूपेश पिता हनसलाल कारसर्पे 22 वर्ष ग्राम हट्टा निवासी है जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रूपेश अपने परिवार के साथ मजदूरी करता है। 5 जनवरी को रूपेश की बड़ी मम्मी का निधन होने से शाम को रूपेश अपनी मां को मोटरसाइकिल में ग्राम रतनारा छोड़कर घर लौट रहा था। तभी हट्टा और देवी टोला के बीच सामने से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने रूपेश की मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। जिससे रूपेश मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गया। खबर मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे और घायल रूपेश को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किए हैं।

जिला सीनियर सिटीजन फोरम बालाघाट द्वारा विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्व. त्रिलोकचंद कोचर की स्मृति में जिला सीनियर सिटीजन फोरम एवं श्री विचक्षण जैन हास्पिटल (प्यूरिटी सर्विसेज नागपुर) द्वारा संयुक्त रूप से श्री विचक्षण जैन हास्पिटल मोतीनगर बालाघाट में नि:शुल्क विशाल चिकित्सा परीक्षण एवं निदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. ए.के. जैन, डॉ. जेड.एच. भारमल, डॉ. शिखरचंद बाघरेचा, डॉ. श्रेयांश सेठिया, डॉ. ओम बघेले, डॉ. अरोरा, डॉ. मीरा अरोरा, डॉ. आर.के. पंड्या, डॉ. प्रवीण जयराजन, डॉ. छाया राहंगडाले एवं प्यूरिटी सर्विसेज नागपुर के प्रबंधक श्री शरद लूटे एवं श्री विक्रम चैधरी एवं चिकित्सा कर्मचारियों ने मरीजों का नि:शुल्क परीक्षण किया एवं रोगानुसार दवाऐं भी नि:शुल्क वितरित की गई। सीनियर सिटीजन फोरम के पदाधिकारी श्रीमति लता हरिनखेड़े कार्यकारी अध्यक्ष, युवराज धुवारे वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डी.पी. राहंगडाले कोषाध्यक्ष, अभय सेठिया, महेन्द्र सुराना, शेरसिंह बिसेन उपाध्यक्ष, नानाजी बिसेन उपाध्यक्ष, केवलचंद धुवारे सहसचिव, इंजी. सुभाष पटेल, युवराज टेम्भरे, श्रीमति भारमल, डॉ. बापट, सुभाष गुप्ता, आलम खान, युनुश खान, धनराज पटले, पी. आर. तुमसरे, दशाराम बामनथडे, भारद्वाज, राकेश वर्मा ताम्रकार एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने भरपूर सहयोग प्रदान किया। इस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में लगभग 122 नागरिकों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर शिविर का लाभ प्राप्त किया। इसके साथ ही 18 आयुष्मान कार्ड भी नि:शुल्क बनाये गये।

कीटनाशक का सेवन करने से युवती की मौत

बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा थी लता सैयाम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाने क्षेत्र में आने वाले ग्राम मालूमझोला में इसी ग्राम की 20 वर्षीय युवती लता पिता दोलु सैयाम 20 वर्ष ने कीटनाशक सेवन कर ली। जिसकी जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो गई। इस युवती ने किस वजह से जहरीली वस्तु का सेवन की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवती का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मालूमझोला मंडई निवासी दोलु सैयाम खेती किसानी करते हैं। जिनके परिवार में पत्नी और चार बेटी हैम जिनमें बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है और तीन बेटी बालाघाट में रहकर पढ़ाई करती हैं। जिनमे लता सैयाम हॉस्टल में रहकर यहां के कॉलेज में बीए सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रही थी और उसकी बड़ी बहन रेखा सैयाम एम ए और छोटी बहन भी यही पढ़ाई कर रही है। बताया गया है कि 30 दिसंबर को लता सैयाम अपने घर मालूमझोला गई थी। और घर में ही थी। 4 जनवरी की रात्रि में लता सैयाम ने अपने माता-पिता के साथ खाना खाई और सो गई थी।5 जनवरी को सुबह 4:00 बजे करीब लता सैयाम अपने घर में उल्टी करने लगी थी और उसके मुंह से कीटनाशक की दुर्गंध आ रही थी। लता सैयाम को उसके माता-पिता ने तुरंत ही बिरसा के अस्पताल में ले जाकर भर्ती किए थे। जहां उपचार के दौरान लता सैयाम को बिरसा के अस्पताल से जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। 108 एंबुलेंस से लता सैयाम को दोपहर में जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिए। लता सैयाम की जिला अस्पताल बालाघाट लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। जिला अस्पताल पुलिस ने शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात लता सैयाम का शव पोस्टमार्टम करवरकर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। लता सैयाम ने किस वजह से जहरीली वस्तु का सेवन की अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। जिला अस्पताल पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना बिरसा भिजवा दी है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्री गुरु गोबिंद सिंघ महाराज का 359 वॉ प्रकाश पर्व

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सिक्ख समुदाय द्वारा सिक्खों के दसवें गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंघ का 359 वॉ प्रकाश पर्व सोमवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां नगर के गुरुद्वारे में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जो भोर सुबहा से देर रात तक चलते रहे।इस दौरान ज्ञानी गुरुओ और उनके साथियों ने अरदास, भजन, कीर्तन कर श्री गुरु गोबिंद सिंघ महाराज की जीवनी पर प्रकाश डाला,तो वहीं उन्होंने उनके पराक्रम ,कार्यशैली और उनके साहस आदि की जानकारी देकर समूह साध संगत को निहाल किया।वहीं सिख समुदाय द्वारा मत्था टेककर श्री गुरु गोबिंद सिंघ को याद कर गुरूवाणी का बखान किया गया।श्री गुरु गोबिंद सिंघ महाराज के इस प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारे में सुबह से ही श्रद्धालुओं का ताता लगा रहा जहां सिक्ख समुदाय के लोगों ने मत्था टेककर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।वहीं इस प्रकाश पर्व पर सुबह से शुरू हुआ लंगर सेवा का कार्यक्रम देर शाम तक चलता रहा।जहां रात्रि करीब 11 बजे फूलों की वर्षा और भव्य आतिशबाजी कर प्रकाश पर्व का समापन किया गया।

धर्म और न्याय की रक्षा के लिए स्वयं दिया बलिदान

बताया जाता है कि श्री गुरू गोबिंद सिंघ जी एक महान शख्सियत थी। जिनकी एक बड़ी विशेषता यह भी है कि वे स्वयं गुरू तो थे ही, उन्होने अपने शिष्यों से अमृतपान करके, शिष्यों को गुरू के बराबर सम्मान दिया।जिसके कारण ही उन्हें आपे गुरू-आपे चेला भी कहा जाता है।सिक्खो के दसवें गुरू होने से उन्हें दशमेश पिता भी कहा जाता है। जिन्होंने धर्म और न्याय की रक्षा के लिए स्वयं भी बलिदान दिया था।बताया गया कि श्री गुरु गोबिंद सिंघ के 359 वे प्रकाश पर्व पर बाहर से जत्था आया हुआ है जो श्री गुरु गोबिंद सिंघ महाराज के बारे में कथा सुना रहे हैं बताया गया कि श्री गुरु गोबिंद सिंघ महाराज ने 35 वर्ष की उम्र तक युद्ध कर हिंदू धर्म की रक्षा की है,वे एक अच्छे कवि होने के साथ-साथ एक अच्छे तलवारधारी थे।जिनके इस प्रकाश पर्व पर जत्था, सुबह शाम लंगर की सेवा, कथा, कीर्तन सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। रात में भी विशेष प्रोग्राम की प्रस्तुति के साथ आरती, व ग्रंथ साहिब पर देर रात्रि फूलों की वर्षा व आतिशबाजी कर प्रकाश पर्व का समापन किया गया।

2 जनवरी से रोजाना किए जा रहे विभिन्न आयोजन

श्री गुरु गोबिंद सिंघ के इस 359 वे प्रकाश पर्व पर 2 जनवरी से रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे है।जहां 2 जनवरी की शाम नगर कीर्तन निकाला गया जिसमें शब्द कीर्तन के साथ साथ अमृतसर से आए वीरो द्वारा गतका प्रदर्शन, तवप्रसाद शस्त्र विद्या अखा?ा का प्रदर्शन किया। शाम 7 बजे नगर कीर्तन संपूर्णताई के बाद लंगर की सेवा की गई। इसी तरह 3 जनवरी को प्रात: 8 बजे अखंड पाठ साहिब की आरंभता सेवा हुई, जबकि दोपहर 2 से 5 बजे तक बच्चो द्वारा गुरू गोबिंद सिंघ जी महाराज की जीवनी पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। वही 4 जनवरी को सायंकाल 7 से 8 बजे तक साध संगत जी का शबद कीर्तन, रात्रि 8 से 9 बजे तक बालाघाट के हुजुरी जत्था भाई मनप्रीतसिंघ जी का शबद कीर्तन, रात्रि 9.30 से 10 बजे तक लंगर की सेवा की गई।वही आज 5 जनवरी को प्रात: 8.30 बजे अखंड पाठ साहिब की संपूर्णताई, प्रात: 10 से 11 बजे तक साध संगत जी का शबद कीर्तन, प्रात: 11 से दोपहर 12.30 बजे तक इंदौर से पहुंचे भाई अमृतपाल सिंघ जी का शबद कीर्तन और दोपहर 1 से 1.30 बजे तक लंगर की सेवा की गई। जिसके उपरांत देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमो के आयोजन किए गए।

श्री गुरु गोबिंद सिंह के बलिदान को किया जा रहा याद- सुरजीत छाबड़ा

वरिष्ठ सामाजिक बन्धु सुरजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि श्री गुरु गोबिंद सिंह का जन्मदिन समस्त समाजों द्वारा मिलजुल कर मनाया जा रहा है। उन्होंने अपनी व अपने बच्चों की कुर्बानी दी थी, जिसे याद किया जा रहा है, उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प सामाजिक बन्धुओ द्वारा लिया गया है। देश व धर्म के लिए उन्होंने जो कुर्बानियां दी है उसी को याद करते हुए उनके बताए हुए मार्ग पर चलने की प्रेरणा ली गई है, क्योंकि देश ब समाज के लिए निस्वार्थ कुर्बानी देना और कमजोर वर्ग के साथ खड़े होना उन्होंने हमें सिखाया है।उन्होंने ना केवल नि: स्वार्थ अपने पिता व चार साहबजादो की कुर्बानी दी थी, बल्कि धर्म की रक्षा के लिए स्वयं भी कुर्बान हो गए थे उनकी याद कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।इस दौरान प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष हीरासिंघ भाटिया, उपाध्यक्ष हरमिंदर सिंघ अतालिया, नरेन्द्रसिंघ छाबड़ा, गुरूदयालसिंघ भाटिया, महेन्द्रपाल सिंघ गांधी, गुरदीपसिंघ सौंधी, मनमीतसिंघ पसरिचा, हरमिंदरसिंघ कैथ, जसमीत सिंघ छाबड़ा, राज गांधी, अमरजीत कौर अतालिया, शीतल पसरिचा, महेन्दर कौर सचदेवा, सुरेंद्र पाल सिंह कौशल, सुरजीत सिंह छाबड़ा, दर्शन कौर, हरभजन सिंघ गांधी, पूरनसिंघ भाटिया, सतनामसिंघ सलूजा, गुरूदयालसिंघ सौंधी, दिलीप कौर छाबड़ा, परमजीत कौर गांधी, दर्शनसिंघ ढिल्लो, प्रितपालसिंघ सौंधी, जितेन्द्र गांधी, राजेश गांधी, अमरिकसिंघ सौंधी सहित खालसा सेवादल के अन्य पदाधिकारी सदस्य व सामाजिक बंधु

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

मकान खाली करने के नोटिस पर रहवासियों का विरोध

पूरी आर्थिक भरपाई के बिना घर खाली करने से किया इनकार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के आकाशवाणी क्षेत्र और वेटनरी कॉलोनी में रह रहे रहवासियों को प्रशासन द्वारा मकान खाली किए जाने के नोटिस

जारी किए गए हैं। इस संबंध में रहवासियों ने मीडिया के माध्यम से अपना पक्ष सामने रखा है। रहवासियों का कहना है कि वे अपने घर छोड़कर कहीं नहीं जाना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक उन्हें उनके पूरे मकान और प्लॉट के मूल्य के अनुरूप उचित आर्थिक मुआवजा नहीं दिया जाता, तब तक वे किसी भी स्थिति में मकान खाली नहीं करेंगे। रहवासियों ने बताया कि उन्होंने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत तहसील कार्यालय से कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त की हैं। इन जानकारियों के आधार पर उनका मानना है कि उन्हें नियमानुसार मुआवजा दिए बिना मकान खाली कराया जाना उचित नहीं है। इसी विषय पर पुष्पा बाई और संगीता बाई ने बताया कि बीते दिनों जनप्रतिनिधियों और नगर पालिका द्वारा उन्हें आश्वासन दिया गया था कि उन्हें शासन की योजना के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाएगा। हालांकि, अब उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य सभी आश्वासनों को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि वे अब किसी भी स्थिति में अपना मकान खाली कर कहीं नहीं जाएंगी। महिलाओं ने कहा कि उन्होंने बीते 30 वर्षों में अपनी जमा पूंजी लगाकर यह मकान बनाया है, और अब प्रशासनिक कार्रवाई के चलते उसे छोड़ना उनके लिए संभव नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यदि प्रशासन को सड़क निर्माण करना था, तो पक्का रोड बनाने से पूर्व ही इसकी स्पष्ट सूचना और प्रक्रिया बतानी चाहिए थी।

आदिवासियों की निजी भूमि पर वन विभाग का अवैध कब्जा

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं विधायक संजय उईके ने उठाए गंभीर सवाल

**सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।**

बैहर विधायक संजय उईके ने आदिवासियों की निजी भूमि पर वन विभाग द्वारा किए जा रहे कथित अवैध कब्जों को लेकर स्थानीय कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित की। इस दौरान उन्होंने वन विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आदिवासी किसानों की वैध और निजी जमीनों पर जबरन कब्जा किया जा रहा है, जो न केवल कानून के विरुद्ध है बल्कि आदिवासी समाज के अधिकारों का खुला उल्लंघन भी है। विधायक श्री उईके ने बताया कि वर्तमान में वन विभाग और राजस्व विभाग के अभिलेखों में जमीनों को लेकर भारी विसंगतियां सामने आ रही हैं। इन रिकॉर्डग अंतर के कारण आदिवासी परिवार वर्षों से अपनी ही भूमि पर असुरक्षा और भय के माहौल में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि दोनों विभागों के बीच समन्वय की कमी का खामियाजा सीधे तौर पर आदिवासी किसानों को भुगतना पड़ रहा है, जिसे तत्काल दूर किया जाना आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन से मांग की हैं की यदि वन विभाग द्वारा आदिवासियों की जमीनों से अवैध कब्जा शीघ्र नहीं हटाया गया, तो वे प्रभावित किसानों के साथ मिलकर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराएंगे।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बैहर विधायक संजय उईके ने वन विभाग पर आदिवासियों की निजी भूमि पर दशकों से अवैध कब्जा किए जाने के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि वर्ष 1966, 1969 एवं 1971 से लगभग 150 आदिवासी परिवारों की निजी भूमि, कुल 103 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर, वन विभाग द्वारा बिना किसी वैधानिक अधिग्रहण प्रक्रिया, बिना पूर्व सूचना एवं बिना मुआवज़ा दिए कब्जा कर लिया गया है। विधायक ने इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि आज़ादी के इतने वर्षों बाद भी आदिवासी समाज को अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। संजय उईके ने कहा कि वन विभाग की यह कार्यवाही न केवल संविधान के अनुच्छेद 244, पंचायती राज अधिनियम तथा वन अधिकार अधिनियम 2006 की मूल भावना के विपरीत है, बल्कि यह आदिवासियों के साथ किया गया खुला अन्याय भी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह भूमि पीढ़ियों से आदिवासी समुदाय की आजीविका, कृषि और जीवनयापन का मुख्य आधार रही है, जिसे उनसे छीनना किसी भी दृष्टि से न्यायसंगत नहीं है। विधायक उईके ने मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1957 की धारा 327 का उल्लेख करते हुए कहा कि निस्तार प्रयोजनों—जैसे चराई, जल, लकड़ी, श्मशान, रास्ता आदि के लिए भूमि कलेक्टर के नियंत्रण में रहती है, न कि किसी विभाग को निजी , विभागीय स्वार्थ के लिए उस पर कब्जा करने का अधिकार है। इसके बावजूद जिले में वन विभाग द्वारा 90,823.920 हेक्टेयर निस्तार भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि ग्रामीणों और किसानों के अधिकारों पर सीधा हमला भी है। निस्तार भूमि पर अवैध कब्जे के कारण स्थानीय लोगों को चराई, जल, लकड़ी एवं कृषि संबंधी आवश्यक संसाधनों तक समुचित पहुंच नहीं मिल पा रही है।

भूमि रिकॉर्ड में गंभीर विसंगति

प्रेस वार्ता में विधायक उईके ने जिले के भूमि रिकॉर्ड में भारी गड़बड़ी की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 9229.44 वर्ग किलोमीटर है। राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में निजी एवं शासकीय भूमि का क्षेत्रफल 4569.67 वर्ग किलोमीटर दर्ज है, जबकि वन विभाग का क्षेत्रफल 4921.18 वर्ग किलोमीटर बताया गया है। दोनों विभागों के रिकॉर्ड को जोड़ने पर कुल क्षेत्रफल 9490.85 वर्ग किलोमीटर निकलता है, जो वास्तविक भौगोलिक क्षेत्रफल से 261.42 वर्ग किलोमीटर अधिक है। विधायक ने इसे गंभीर प्रशासनिक चूक बताते हुए कहा कि जब तक इन विसंगतियों को दूर नहीं किया जाता, तब तक आदिवासी और किसान अपने अधिकारों के लिए परेशान होते रहेंगे।

धान की लोडिंग,जलाशय निर्माण कार्य, कोदो कुटकी खरीदी और संबल योजना के डेटा रिपोर्ट पर कार्यवाही के निर्देश

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 05 जनवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

धान की लोडिंग एवं वेयर हाउस में अनलोडिंग का कार्य तेजी से करने के निर्देश

बैठक में सर्वप्रथम समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान के परिवहन की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने खरीदी केंद्रो से धान का तेजी से परिवहन करने के निर्देश दिये। विशेषकर लालबर्रा क्षेत्र में धान का कम परिवहन होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और कहा कि लालबर्रा क्षेत्र से प्रतिदिन 4500 मीट्रिक टन धान के परिवहन की व्यवस्था की जाए। उन्?होंने सहकारी समितियों में धान की लोडिंग एवं वेयर हाउस के गोदाम व केप में अनलोडिंग का कार्य तेजी से करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारी एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाओं को निर्देशित किया कि किसानों से खरीदे गए धान के बोरो की सिलाई का कार्य तेजी से किया जाए। बोरो की सिलाई न होने के कारण धान के परिवहन में व्यवधान नही आना चाहिए।

सातनारी जलाशय के निर्माण कार्य में लाए गति

बैठक में राजस्व अधिकारियों को धारा-421 के प्रकरणों में निर्धारित वसूली शीघ्रता से करने के निर्देश दिये गए। स्वरोजगार योजनाओं में लक्ष्य के अनुरूप हितग्राहियों को ऋण वितरण का कार्य समय सीमा से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री को सातनारी जलाशय का कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराने के लिए तेजी से कार्य करने के निर्देश दिये गए। परसवाडा एसडीएम श्रीश प्यासी को हर सप्ताह सातनारी जलाशय के कार्य का निरीक्षण कर प्रगति पर निगरानी रखने के निर्देश दिये गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को प्रसूति सहायता के प्रकरणों में हितग्राहियों को राशि का शीघ्रता से वितरण करने के निर्देश दिये गए। इसके साथ ही औषधि निरीक्षक को मेडिकल स्टोर्स एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को होटल, रेस्टारेंट एवं खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों का नियमित रूप से निरीक्षण करने एवं रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए।

15 जनवरी तक समर्थन मूल्य पर कोदो कुटकी का अधिक से अधिक उपार्जन करे सुनिश्चित

बैठक में उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया गया कि 15 जनवरी तक समर्थन मूल्य पर कोदो कुटकी का अधिक से अधिक उपार्जन किया जाए। कोदो कुटकी विक्रय के लिए पंजीयन कराने वाले सभी किसानों से उनकी उपज समर्थन मूल्य पर खरीदी जाना सुनिश्चित करें। इस दौरान बताया गया कि समर्थन मूल्य पर कोदो कुटकी विक्रय के लिए जिले के 693 किसानों ने पंजीयन कराया है, इसमें से 67 किसानों से 488 क्विंटल कोदो कुटकी की खरीदी की जा चुकी है।

संबल योजना के 03 साल के डेटा की रिपोर्ट 01 सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश

बैठक में संबल योजना के हितग्राहियों को अनुग्रह राशि वितरण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस योजना में जिले में अधिक संख्या में राशि का वितरण हो रहा है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने जनपद पंचायतों के सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि संबल योजना में पंजीकृत श्रमिकों की जांच करे और अपात्र लोगो के नाम न जोड़े। अधिकारियों को इस योजना के 03 साल के डेटा की रेंडमली जांच कर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए।

न्यायालय के अवमानना प्रकरण में संज्ञान नही लेने पर जपं परसवाड़ा सीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी

बैठक में राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिले के वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तन किये जाने की कार्यवाही में तेजी लाए। बैठक में जिले के सभी विधायकों के कार्यालय में वीडियों कांफ्रेंस रूम निर्माण की समीक्षा की गई और निर्देशित किया गया कि इस कार्य को शीघ्रता से पूर्ण किया जाए। सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान इन प्रकरणों का तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार सड़क दुर्घटना में सहायता राशि वितरण के लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये गए। न्यायालय के अवमानना प्रकरण में संज्ञान नही लेने पर जनपद पंचायत परसवाड़ा के सीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी बालाघाट को स्मार्ट फिश पार्लर का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिये गए। फिश पार्लर के लिए मत्स्योद्योग विभाग द्वारा नगर पालिका को राशि आवंटित की जा चुकी है।

म.प्र महिला स्टेट हॉकी टूर्नामेंट

कल खेला जाएगा क्वार्टर फाइनल मैच, 9 को होगा फाइनल मुकाबला

बैतूल, बड़वानी, रायसेन, और सागर ने जीते मैच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वर्गीय दीवान बहादुर एम.एम मुलना साहब की स्मृति में 4 जनवरी से जारी

हॉकी मध्यप्रदेश महिला स्टेट हॉकी टूर्नामेंट में रोजाना ही रोमांचक मुकाबले देखे जा रहे है।नगर के स्थानीय शहीद चन्द्रशेखर एस्टोटर्फ मैदान में आयोजित इस टूर्नामेंट के दूसरे दिन 4 मैच खेले गये। जिसमें अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बैतूल, बड़वानी, रायसेन, और सागर ने मैच जीतकर अगले चक्र में प्रवेश किया। इस टूर्नामेंट में प्रदेश की करीब 20 टीमो ने भाग लिया है।जिसका समापन फाईनल मैच के उपरांत 9 जनवरी को किया जाएगा।

मैदान में महिलाओं ने दिखाया कलाइयों का जादू

आयोजित प्रतियोगिता के दूसरे दिन दिन का पहला मैच बैतूल बनाम दमोह के बीच खेला गया। इसमें बैतूल टीम की महिला खिलाड़ियों ने अपनी कलाइयों का जादू दिखाते हुए 4-3 गोल से दमोह को मात दी।जहा मैच जीतकर बैतूल ने प्रतियोगिता के अगले चरण में प्रवेश किया। प्रतियोगिता में दिन का दूसरा मैच काफी रोमांचक रहा और दोनों ही टीमों के खिलाडियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। दूसरा मैच शाजापुर बनाम बड़वानी के मध्य खेला गया। इसमें बड़वानी टीम के खिलाडियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुये 3-1 गोल से विजय प्राप्त कर प्रतियोगिता के अगले चरण में प्रवेश किया।तो वहीं दिन का तीसरा मैच रायसेन बनाम देवास के मध्य खेला गया। इसमें रायसेन की टीम ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक तरफ जीत हासिल की। जिन्होंने प्रतिद्वंदी टीम देवास को 11-0 से हराकर प्रतियोगिता के अगले चरण में प्रवेश किया। सोमवार का अंतिम मैच खरगोन बनाम सागर के बीच खेला गया। इसमें मध्यांतर तक दोनों ही टीम ने कोई गोल नहीं किया। लेकिन मध्यांतर के बाद दूसरे हॉफ में सागर के खिलाडियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुये 2-1 गोल से जीत दर्ज कर अगले चक्र में प्रवेश किया। इस मैच में अतिथि के रूप में पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी मौजूद रहे।

आज इनके बीच होगा मुकाबला

टूर्नामेंट के तीसरे दिन मंगलवार को 2 मैच खेले जाएंगे। इनमें पहला मैच सुबह 11 बजे से होशंगाबाद बनाम बड़वानी के मध्य होंगा तो वही दूसरा मैच 12:30 बजे से सिवनी और सागर के मध्य खेला जाएगा।जानकारी के मुताबिक 7 जनवरी से टूर्नामेंट का क्वाटर फाइनल मैच व 9 जनवरी को फाइनल मैच खेला जाएगा। जहां फाइनल मैच के साथ प्रतियोगिता का समाप्त होगा ।आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

दि बुध्दिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया की आवश्यक बेठक 11 को

त्यागमूर्ति माता रमाई आंबेडकर जयंती समारोह आयोजन की बनाई जाएगी रूपरेखा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। त्यागमूर्ति माता रमाई आंबेडकर जी की जयंती समारोह का आयोजन दिनांक 7 फरवरी 2026 को लता ताई तायडे महाराष्ट्र राज्य संगठक एवं वरिष्ठ केंद्रीय शिक्षिका भुसावल के मुख्यातिथि में,अशोक कुमार मेश्राम जिलाध्यक्ष (बीएसआई) की अध्यक्षता में, किया जाएगा।इस समारोह के प्रमुख अतिथि डॉ. चरनदास ढेंगरे अध्यक्ष मप्र राज्य शाखा एवं केंद्रीय शिक्षक,आर के कठाने प्रदेश सचिव एवं केंद्रीय शिक्षक सहित अन्य पदाधिकारीयो के आतिथ्य में सम्पन्न किया जाएगा। ,इस अवसर पर माता रमाई,बोधिसत्व डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर जी की जीवनी एवं धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया पर आधारित धम्म ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया है,उक्त समारोह गरिमामई रूप से सम्पन्न किए जाने एवं संगठन के धम्म कार्यों को सुचारू रूप से निरंतर जारी रखने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाने हेतु प्रतिमाह की बैठक के एजेंडे पर आवश्यक बैठक का आयोजन दिनांक 11 जनवरी दिन रविवार को समय दोपहर 1 बजे से संस्था के जिला कार्यालय बूढी रेलवे फाटक के बालाघाट मप्र में आहुत की गई है।धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया के जिला उपाध्यक्ष खुशियाल मेश्राम द्वारा उक्त जानकारी प्रेसविज्ञप्ति के माध्यम से देते हुए जिला शाखा, सभी तहसील, नगर, सर्कल एवं अन्य शाखाओं के पदाधिकारियो से अनिवार्य रूप से निर्धारित समय पे बैठक में उपस्थिति की अपील की गई है।

बालाघाट जोन के नाम से 2 टीम बनाकर भेजा गया सागर

मप्र अंतर जोन जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता कराकर खिलाडियों का किया गया चयन, सागर में राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का होगा चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मप्र राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन, सागर जिले में 06 से 9 जनवरी तक किया गया है। उसमें बालाघाट जोन की टीम भी शामिल होंगी।आयोजित उक्त प्रतियोगिता के लिए जिले की टीम बनाने और बेहतर खिलाड़ियों का चयन करने के लिए सोमवार को नगर के मुलना स्टेडियम खेल मैदान में मप्र अंतर जोन जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।आयोजित इस प्रतियोगिता में बैतूल, छिंदवाड़ा कार्पोरेशन, बालाघाट ए, और बालाघाट बी, ऐसी 4 टीम शामिल हुई।जिनके बीच आपसी प्रतियोगिता कराकर, अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 24 खिलाडियों का चयन किया गया। जिसमें बालाघाट जोन (ए) और बालाघाट जोंन (बी) नाम से दो टीम बनाई गई, इन दोनों ही टीमों को मैनेजर अजय उइके के नेतृत्व में सागर में 6 से 9 जनवरी तक आयोजित मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए बालाघाट से रवाना किया गया है।

सागर में, नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का किया जाएगा चयन

बताया गया कि खिलाडियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों के चयन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में

शामिल होने के लिए खिलाड़ी सागर के लिए रवाना हो चुके हैं। जहां सागर में आयोजित मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में विभिन्न जोन से आने वाली टीमों के बीच आपसी प्रतियोगिता कराई जाएगी। जहां पर उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा।सोमवार को आयोजित इस जिला स्तरीय चयन कबड्डी प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी अनुराग चतुरमोहता, जितेंद्र कोचर, और खेल कल्याण अधिकारी राहुल बारेशाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, तो वही जिला कबड्डी संघ सचिव रामकिशोर रहांगडाले, महासचिव रमेश दीक्षित ,सहसचिव भीमराज ठाकरे, सदस्य सुधांशु तिवारी, खेमलाल वरकडे, लव पटले, स्वदेशी राम मंच जिला संयोजक ललित ऐड़े और भूतपूर्व वरिष्ठ खिलाड़ी एंव रेफरी, बलराम सोलंकी की प्रमुख उपस्थिति में अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन कर, पृथक से खिलाड़ियों की टीम बनाई गई है। जहां दोनों ही टीमों को देर रात सागर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए रवाना किया गया है।

हमें उम्मीद है नेशनल प्रतियोगिता में खेलेंगे बालाघाट के खिलाड़ी- दीक्षित

आयोजित प्रतियोगिता को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान जिला कबड्डी संघ महासचिव रमेश दीक्षित ने बताया कि आगामी समय में कोलकाता में नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है, वही सतना में 6 जनवरी से 9 जनवरी तक राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इन दोनों ही प्रतियोगिताओं के पूर्व 5 जनवरी को बालाघाट में जिला स्तरीय जोन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमे आए खिलाड़ियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन कर ,दो टीमें बनाई गई है जिन्हें सागर में आयोजित प्रतियोगिता में भेजा गया और वहां पर एक टीम का गठन कर कोलकता में आयोजित नेशनल कबडडी प्रतियोगिता में टीम को शामिल किया जाएगा।हमें उम्मीद है कि बालाघाट जिले से करीब 8-10 खिलाड़ियों का चयन नेशनल प्रतियोगिता में हो सकता है।

नकाबपोश लुटेरों ने मिरेगांव में पूर्व सरपंच के घर की लूटपाट

जान से मारने की कोशिश कर नगदी एवं जेवरात लेकर हुए फरार, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा थानांतर्गत आने वाले ग्राम मिरेगांव में बीती रात्रि में अज्ञात नकाबपोश लुटेरों ने पूर्व सरपंच के घर को अपना निशाना बनाते हुए सोने का मंगल सूत्र एवं नगद राशि पर हाथ साफ कर फरार हो गये। वहीं विरोध करने में अज्ञात लुटेरों ने पूर्व सरपंच का गला दबाकर उन्हे जान से मारने का प्रयास भी किया है। शोर मचाने के कारण पूर्व सरपंच की जान बाल-बाल बची। लेकिन इस सनसनी वारदात से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है। वहीं पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे है। घटना के बाद से पूर्व सरपंच के परिवार सहमा हुआ है। पीड़ित पूर्व सरपंच छोटेलाल गौतम ने पुलिस प्रशासन से ग्रामीण क्षेत्रों में भी रात्रि गश्त कर अज्ञात चोरों को पकड़कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

विरोध करने पर गला दबाने का प्रयास

प्राप्त जानकारी के अनुसार मिरेगांव निवासी पूर्व सरपंच छोटेलाल गौतम कृषि कार्य करते है। जिनका मकान हाईवे रोड से 100 मीटर दूर वैनगंगा बड़ी नहर किनारे स्थित है जिनके बच्चें बाहर रहते है और वह अपनी पत्नि के साथ रहता है। रविवार की रात में श्री गौतम खाना खाने के बाद सो गये थे, तभी रात करीब डेढ़ बजे अज्ञात तीन नकाबपोश लुटेरे पहुंचे और दरवाजा खोलकर चोरी करने का प्रयास कर रहे थे। तभी कुछ आवाज आने पर श्री गौतम की नींद खुली और उन्होने अज्ञात लुटेरों को देखकर विरोध किया तो उन्होने उसे जान से मारने की धमकी दी। साथ ही क्रूरता दिखाते हुए उनका गला दबाने की कोशिश भी की है। अगर समय रहते वे शोर नहीं मचाते, तो अज्ञात चोर किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते थे। वहीं अज्ञात नकाबपोश लुटेरों ने पूर्व सरपंच छोटेलाल गौतम के पास रखे नगद 1000 रूपये एवं उनकी पत्नि की मंगलसूत्र लूटकर फरार हो गये। इस तरह से अज्ञात लुटेरों ने रविवार एवं सोमवार की दरमियानी रात्रि में बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग स्थित मिरेगांव में मकान मालिक का गला दबाकर जान से मारने की धमकी देकर लुट की वारदात को अंजाम दिया है। इस घटना के बाद से ग्राम में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है। वहीं क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों ने स्थानीय पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अज्ञात लुटेरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें अब पुलिस का कोई खौफ नहीं रह गया है। आये दिन हो रही इन घटनाओं से जनता में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। इसलिए पुलिस प्रशासन से मांग है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी रात्रि गश्त कर अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें। वहीं पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ मामला पंजीबध्द कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अज्ञात लुटेरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें - छोटे

मिरेगांव के पूर्व सरपंच छोटेलाल गौतम ने बताया कि रविवार की रात करीब 1 बजे के बाद कुछ लोग मकान के अंदर घुसकर रूपये की मांग कर रहे थे। विरोध करने में गला दबाकर जान से मारने की धमकी दे रहे थे। जिसके बाद मेरे द्वारा जेब में रखें 1000 रूपये दिये गये एवं मेरी पत्नि के गले का मंगलसूत्र लूटकर भाग गये। इस तरह से लुटेरों ने लूटपाट की घटना को अंजाम दिये है जिससे हम लोग डरे हुए है। श्री गौतम ने बताया कि खेत में मकान है और पति-पत्नि रहते है, पुलिस प्रशासन से मांग है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी रात्रि गश्त कर अज्ञात लुटेरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें।

बहेगांव में माता सावित्रीबाई फूले की मनाई गई जयंती

सामाजिक बुजुर्ग एवं प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत बहेगांव में मरार माली समाज के द्वारा गत दिवस भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की जयंती, सामाजिक बुजुर्ग एवं

प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम मरार माली समाज ब्लॉक लालबर्रा अध्यक्ष कैलाश मात्ते के मुख्य आतिथ्य, पेडारीलाल पंचेश्वर की अध्यक्षता एवं नेवरगांव ला. सरपंच संतोष पंचेश्वर, संरक्षक चमरलाल बिसेन, लखन बिसेन पुलिस विभाग, केन्द्रीय विद्यालय शिक्षक जितेन्द्र पंचेश्वर, श्रीमती राजेश्वरी बिसेन, विमलेश्वरी पंचेश्वर, अंजनी बिसेन के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने महात्मा 'योतिबाराव फूले एवं माता सावित्रीबाई फूले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया तत्पश्चात उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों के हस्ते सामाजिक वृध्दजनों का शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया तत्पश्चात कक्षा 10 वीं, 12 वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं को 1001 रूपये एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मरार माली समाज ब्लॉक लालबर्रा अध्यक्ष कैलाश मात्ते ने कहा कि पहले महिलाओं को पढ़ने का अधिकार नहीं था, जिसके चलते वे अशिक्षित रहते थे, महिलाओं को पुरूष के बराबर का अधिकार दिलवाने के लिए फूले दंपति ने समाज की कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया और आज हम उन्ही की वजह यहां सभी लोग एकत्रित है। जिन्होने महिलाओं को शिक्षा का अधिकार दिलवाया है और आज महिलाएं भी शिक्षित होकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है इसलिए सभी लोग उनके माता सावित्रीबाई फूले के बताये मार्ग पर चलकर आगे बढ़े। वहीं कार्यक्रम का सफल मंच संचालन संस्कृत पंचेश्वर, प्रतिभा नागेश्वर के द्वारा किया गया। इस अवसर पर दिमागचंद बाहेश्वर, तेजराम पंचेश्वर, राजेन्द्र पंचेश्वर, लक्ष्मण पंचेश्वर, लोकेश बिसेन, मनोहर, रविंद्र मात्ते सहित स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

निलजी में लाखों की लागत से बना सेग्रीकेशन शेड औचित्यहीन हो रहा

प्रशासनिक अनदेखी, गांव से दूर और रखरखाव की कमी ने योजना के उद्देश्य पर फेरा पानी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांवों को कचरा मुक्त बनाने और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सरकार द्वारा लाखों रूपये खर्च किये जा रहे है। लेकिन धरातल पर ये योजनाएं प्रशासनिक उदासीनता की भेंट चढ़ रही हैं। ऐसा ही एक मामला नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत निलजी का सामने आया है। जहां लाखों रूपयों की लागत से बना सेग्रीकेशन शेड (कचरा पृथकरण केन्द्र) अपनी उपयोगिता खो चुका है। देखरेख के अभाव में यह सेग्रीकेशन शेड एवं नाडेप के आसपास कंटीले झाड़ियां उग चुकी है एवं जर्जर होने लगा है। साथ ही गांव से काफी दुर सेग्रीकेशन शेड का निर्माण किया गया है। इस तरह से सेग्रीकेशन शेड व नाडेप निर्माण के दौरान स्थल चयन भी गलत किया गया है। जिसके कारण उसका उपयोग नही हो पा रहा है। जिसके चलते लाखों रूपयों की लागत से बना सेग्रीकेशन शेड औचित्यहीन साबित हो रहा है और देख-रेख के अभाव में जर्जर होने लगा है। इसी तरह अन्य पंचायतों में भी बनाये गये सेग्रीकेशन शेड की इसी तरह की स्थिति बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदार इस ओर कोई ध्यान नही दे रहे है और प्रशासनिक अनदेखी के चलते सरकारी धन की बर्बादी स्पष्ट नजर आ रही है, जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

वर्ष 2021 में हुआ है निर्माण

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत निलजी में वर्ष 2021 में लाखों रूपयों की लागत से सेग्रीकेशन शेड का निर्माण किया गया था। जिसका उद्देश्य था कि गांव के गीले एवं सूखे कचरे को लाकर अलग-अलग किया जायेगा। जिससे स्वच्छता अभियान को गति मिलेगी किन्तु इस सेग्रीकेशन शेड का उपयोग नही होने एवं देख-रेख के अभाव में निर्माण के साल 4 में ही उसके आसपास लंबी-लंबी झाड़ियों उग चुकी है एवं जर्जर होने लगा है। साथ ही गांव से काफी दुर निर्माण होने के कारण उसका उपयोग भी नही हो पा रहा है। अगर गांव के समीप सेग्रीकेशन शेड एवं नाडेप का निर्माण किया जाता तो ग्रामीणजन भी उसका उपयोग करते। लेकिन काफी दुर होने के कारण लाखों रूपयों की लागत से बना सेग्रीकेशन शेड सिर्फ शो-पीस बना हुआ है और देख-रेख के अभाव में खराब होने लगा है। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि सेग्रीकेशन शेड निर्माण के समय स्थल चयन गलत स्थान पर किया गया है जो ग्राम से काफी दूर है एवं ग्रामीण व सफाईकर्मी वहां तक कचरा ले जाने में असमर्थ है। साथ ही शेड असामाजिक तत्वों का अड्डा बनता जा रहा है जिसे वे लोग नुकसान भी पहुंचा रहे है। वहीं देख-रेख न होने के कारण अब इसकी टीन और खराब हो रही हैं। इसलिए प्रशासन से मांग है कि सेग्रीकेशन शेड व नाडेप के आसपास उग चुकी कंटीली झाड़ियों की साफ-सफाई कर मरम्मत कार्य करवाये ताकि लाखों रूपयों की लागत से बना सेग्रीकेशन शेड व्यवस्थित रह सके एवं जिस मंशा से निर्माण किया गया है उस कार्य में उसका उपयोग किया जाना चाहिए।

सेग्रीकेशन शेड का नही हो रहा उपयोग- स्वप्न

स्वप्न मर्सकोले ने बताया कि पंचायत के द्वारा विगत वर्ष पूर्व सेग्रीकेशन शेड का निर्माण किया गया है। जिसमें शुरू में कुछ दिन कचरा डाला गया है उसके बाद से नही डाला जा रहा है। साथ ही देख-रेख के अभाव में उसके आसपास झाड़ियां उग चुकी है और गांव के बाहर निर्माण किया गया है इसलिए लोग भी उस स्थान तक कचरा ले जाने में असमर्थ है।

साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्य जल्द करवा दी जायेगी - फिरोज

सरपंच फिरोज खान ने बताया कि शासन के द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत सेग्रीकेशन शेड का निर्माण किया गया है जो ग्राम के कुछ दुर हुआ है। जहां गीला एवं सूखा कचरा डालकर दोनों को अलग करना है एवं पंचायत के द्वारा देख-रेख की जाती है। श्री खान ने बताया कि सेग्रीकेशन शेड के आसपास झाड़िया उग चुकी है, मरम्मत कार्य की आवश्यकता है तो जल्द की पंचायत के द्वारा सफाई एवं मरम्मत कार्य करवाया जायेगा और इस सेग्रीकेशन शेड का लोगों को लाभ मिले इस ओर हमारे द्वारा सार्थक प्रयास किये जायेगें।

पुरूष वर्ग में कामठी आर्मी और महिला वर्ग में पुणे की टीम रही विजेता

औल्याकन्हार में दो दिवसीय न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीवॉल टूर्नामेंट का समारोहपूर्वक हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार स्थित फिजिकल क्लब के मैदान में आयोजित दो दिवसीय न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीवॉल टूर्नामेंट का रविवार देर रात करीब डेढ़ बजे पुरूष वर्ग के फाइनल मुकाबले के साथ समारोहपूर्वक समापन किया गया। इस भव्य दो दिवसीय न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीवॉल टुर्नामेंट में पुरूष वर्ग की 16 और महिला वर्ग की 8 टीमों ने भाग लेकर मैदान को जंग का अखाड़ा बना दिया। जिसमें पुरूष वर्ग में भीड़ी, झांसी, गुदमा, स्पायर महाराष्ट्र, परसवाड़ा, सिवनी, गुड़गांव, लांजी, बनारस, मलारा, अर्जुनी मोरगांव बांध, अमरावती, काटोल, छिंदवाड़ा, नागपुर आर्मी, कामठी आर्मी एवं कायदी की टीमें शामिल रहीं। वहीं महिला वर्ग में मंडला, गोंदिया, पुणे, कुंडा चौरई, सिवनी, नागपुर, बालाघाट और छिंदवाड़ा की टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया है। रविवार की रात 8 बजे महिला वर्ग में पुणे एवं नागपुर के मध्य फाइनल मैच खेला गया, जिसमें पुणे (महाराष्ट्र) की महिला वर्ग टीम की खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नागपुर की टीम को शिकस्त देकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया है एवं रात करीब डेढ़ बजे पुरूष वर्ग का फाइनल मैंच संपन्न हुआ। जिसमें रोमांच भरे फाइनल में कामठी आर्मी एवं गुड़गांव के मध्य मैंच हुआ। जिसमें कामठी आर्मी के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गुड़गांव की मजबूत टीम को पराजित कर न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीवॉल फाइनल मैच का खिताब जीतकर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। इन दोनों ही फाइनल मुकाबलों में दर्शकों का उत्साह देखते ही बनता था और देर रात तक एपीसी ग्राउंड खेल-प्रेमियों से गुलजार रहा। प्रतियोगिता संपन्न होने के बाद अतिथियों के हस्ते पुरूष वर्ग एवं महिला वर्ग के विजेता एवं उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, समाजसेवी राजेश पाठक और सिवनी टीआई ओमेश्वर ठाकरे सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पुरुष वर्ग के निर्णायक मुकाबलों के दौरान स्थानीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। वहीं समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए घोषणा की है कि एपीसी ग्राउंड के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जायेगी और एक माह के अंदर मैदान से इलेक्ट्रिक पोल हटाकर हाईमास्ट लाइट लगाई जायेगी। विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने बताया कि औल्याकन्हार में मिनी स्टेडियम निर्माण को लेकर उन्होंने खेल मंत्री श्री विश्वास सारंग से चर्चा की है और मंत्री जी ने इसके लिए आश्वस्त किया है। वहीं समाजसेवी राजेश पाठक ने कहा कि छोटे से गांव में इतने भव्य आयोजन से वे अभिभूत हैं और भविष्य में भी हर संभव सहयोग देंगे। सिवनी टीआई ओमेश्वर ठाकरे ने कहा कि छोटे से गांव में इस स्तर का आयोजन सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

मैचों के दौरान बड़ी संख्या में खेलप्रेमी एवं जनप्रतिनिधिगण रहे उपस्थित

दो दिवसीय न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीवॉल टूर्नामेंट के दौरान संपन्न हुए मैचों के दौरान जनप्रतिनिधि एवं खेलप्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जिनमें जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनीता सोनी, अनिल शर्मा, लक्ष्मी वाघाड़े, मनीराम भोयर, भाऊराम गाडेश्वर, धर्मेन्द्र ढांडे, देवेश गौतम, दीपक तोमर, मनीष कुशवाहा, कमल शांडिल्य, मुनेन्द्र ठाकरे, गोविंद पटले, वीरेन्द्र बनवाले, प्रेमसिंह मर्सकोले, संतोष पांडे, कैलाश नखाते, नईमुद्दीन हन्फी (पूर्व कोच), आनंद बिसेन, शैलेष केकती, विजय साखला, सुमित स्वामी, प्रदीप सूर्यवंशी, अतीक खान, रामेश्वर बसेने, रविशंकर उइके, महिपाल सिंह उइके और संतलाल पन्द्रे शामिल रहे। बालाघाट से तपेश असाटी (अध्यक्ष जिला योग आयोग), सुधीर तोमर (व्हॉलीवॉल कोच), नरेश धुवारे, धीरज कुमार, शैलेन्द्र शुक्ला, संदीप तिवारी, भुरू पटेल, उषा मिश्रा, अजय बैस और कृष्णन कुट्टी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री धुवारे ने एपीसी को एक मशाल भेंट कर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

पूर्व व्हॉलीवॉल खिलाड़ियों का अतुलनीय योगदान रहा

टूर्नामेंट की सफलता में स्थानीय पूर्व व्हॉलीवॉल खिलाड़ियों का अतुलनीय योगदान रहा। जिसमें कलीमुद्दीन हन्फी, अय्यूब भारती, मनोहर अग्रवाल, विजय सोलंकी, अमीनुद्दीन हन्फी, नसीमुद्दीन हन्फी, आईआर खान, सलीम रंगरेज, कुद्दुस कुरैशी, अमित अग्रवाल, विजय दुबे, फिरोज शेख, मलिक, कुद्दुस भाई सहित अन्य पूर्व खिलाड़ियों ने आयोजन को हर स्तर पर मजबूती दी। वहीं वर्तमान खिलाड़ियों में विकास झारिया, ओम मात्ते, शुभम बिसेन, अभिषेक यादव, कुणाल सिल्लारे, अंशुल और दुर्गेश गोस्वामी ने मैदान की व्यवस्थाएं संभालकर आयोजन को सुचारू रूप से संचालित किया। वहीं ब्लॉक स्पोर्ट्स को-ऑर्डिनेटर लव पटेल नगपुरे के नेतृत्व में उनकी पूरी टीम-राधिका नायक, संस्कार उइके, तुषार बनोटे, विनय भौरगड़े, स्वाती दमाहे, आकाश, आयुष, साक्षी दांदरे, काजल पंचेश्वर, श्रध्दा बाहेश्वर, प्रज्ञात वासनिक और जय ठाकरे ने पूरे समय मैदान व्यवस्था में सक्रिय रही। कार्यक्रम के संपूर्ण संचालन में शैलेन्द्र यादव (कोच एपीसी), हेमन्त मुदलियार और लव पटेल नगपुरे का सराहनीय योगदान रहा।

धपेरा मो. में क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच के साथ समापन आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर ग्राम पंचायत धपेरा मोह. स्थित पट मैदान में वीएस फोटोग्राफी क्लब के तत्वाधान में गत दिवस से जारी ग्रामीण स्तरीय टेनिसबॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का 6 जनवरी को फाइनल मैच के साथ समापन किया जायेगा। चर्चा में आयोजक संचालक विकास मंदुरकर ने बताया कि गत 21 दिसंबर से शुरू हुई इस ग्रामीण स्तरीय टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता में क्षेत्र की कुल 32 टीमों ने हिस्सा लिया है और सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। आगे बताया कि 6 जनवरी को फाइनल मैच के साथ इस 25 हजार रूपये ईनामी क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य में किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में विजेता टीम को 25 हजार रूपये, उपविजेता टीम को 15 हजार रूपये दिया जायेगा। साथ ही फाइनल में बेस्ट प्लेयर, बैट्समैन, बॉलर और फील्डर को भी पुरस्कृत किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजन समिति के अध्यक्ष अध्यक्ष कृष्णा चोपकर, उपाध्यक्ष रविंद्र वरकड़े, कोषाध्यक्ष संदीप नगपुरे, चित्रसेन गोले, हेमस लिल्हारे, विनोद जामरे, कृष्णा खरे, यशवंत धाने, अमित शुक्ला, पिंटू, दिलीप, दीनदयाल, छोटू गोले, ललित नगपुरे, साहिल, लोकेश, महेंद्र नगपुरे सहित ग्रामीणजनों ने की है।

पुलिस आरक्षक एवं पायलट के साथ अभद्रता करने वाले आरोपी का निकाला जुलूस

खैरी में विवाद सुलझाने गई डायल ११२ के साथ हुआ विवाद

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

खैरलांजी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरी में मारपीट के विवाद की शिकायत पर डायल ११२ ग्राम में पहुंची थी। जहां शिकायतकर्ता के जेठ संतोष तुरकर के द्वारा डायल ११२ पुलिस आरक्षक प्रेम दीक्षित एवं पायलट कोमल उके के साथ ही विवाद कर गाली गलौज और अभद्रता कर दी गई। मामले में आरक्षक प्रेम दीक्षित की शिकायत पर खैरलांजी पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी संतोष तुरकर को गिरफ्तार कर खैरी में जुलूस निकालकर घुमाया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेम पिता दुर्गाप्रसाद दीक्षित थाना खैरलांजी में आरक्षक के पद पर पदस्थ है। उनकी ड्यूटी ४ जनवरी की रात्रि ८ से प्रात: ८ बजे तक डायल ११२ में थी। जो ५ जनवरी की प्रात: ७.५० बजे डायल ११२ में ग्राम खैरी को इवेंट प्राप्त हुआ। इसमें इवेंट के कॉलर दुर्गा पति राजेन्द्र तुरकर से बात कर डायल ११२ वाहन एंव पायलेट कोमल उके के साथ घटना स्थल पर पहुंचा। जहाँ पहले से विवाद चल रहा था कालर दुर्गा

से पूछताछ किया तो उसने बताया कि संतोष तुरकर मेरे ही जेठ है हम एक ही परिवार के लोग है। कालर दुर्गा से आरक्षक बात कर ही रहा था कि इतने में संतोष तुरकर द्वारा कार्य से भयभीत करने लगा। यह जानते हुये की यह पुलिस कर्मचारी पुलिस की वर्दी पहना हैं उसके बावजूद कार्य में बाधा उत्पन्न कर आक्रोशित होकर जोर से तुम कौन हो यहाँ क्यों आये हो किसने बुलाया है कहने लगा। आरक्षक ने समझाईश दी गई परंतु संतोष गालियाँ देने लगा मारपीट जैसी अभद्रता करने लगा। विवाद को देखकर डायल ११२ का पायलेट कोमल उके बीच बचाव करने आया तो संतोष तुरकर आक्रोशित होकर पायलेट कोमल उके के साथ भी मारपीट करने लगा। वहीं संतोष तुरकर आरक्षक पायलेट को धमका रहा था कि मैं तुम्हारे खिलाफ रिपोर्ट करने जाऊँगा। घटना के बाद डायल ११२ थाने में आई जहां पुलिस आरक्षक प्रेम पिता दुर्गा प्रसाद दीक्षित की शिकायत पर खैरलाँजी थाने में संतोष पिता गोरेलाल तुरकर खैरी निवासी के खिलाफभारतीय न्याय संहिता की धारा ११५ (२),१२१ (१), १३२,१९६ (बी) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया। वहीं पुलिस के द्वारा तत्परता के साथ संतोष तुरकर की पतासाजी कर मुखबिर सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार कर ग्राम खैरी में उसका जुलूस निकालकर विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण कराया गया। जिसे मंगलवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

विश्व मांगल्य सभा जिला कार्यकारणी की बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अनुशांगिक संगठन विश्व मांगल्य सभा का गठन किया गया है। जो ३२ प्रांतों सहित १३ देशों में मातृशक्ति की जागरूकता एवं सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रहा है । इसी कडी में जिले में भी इसका गठन महाकौशल प्रांत के डॉ. प्रवीण शरदेंदु तिवारी के द्वारा जिला कार्यकारणी का गठन किया है। जिसमें जिलाध्यक्ष डॉ. जयश्री अरोरा ,श्रीमती ,श्वेता जैन, श्रीमती कांती कर्राहे, श्रीमती अंजु शर्मा ,श्रीमती प्रीति मैसवी को जिम्मेदारी सौंपी गई है । जिलाध्यक्ष श्रीमती जयश्री अरोरा ने बताया कि विश्व मांगल्य सभा जो आरएसएस का अनुशांगिक संगठन है यह संगठन मातृशक्ति के कल्याण के लिए कार्य कर रहा है । जिसमें संस्कार, सामर्थ्य, सदाचार एवं सेवा को केन्द्र बिंदु माना गया है संस्कार और हमारी संस्कृति के साथ कितना आधुनिकता को शामिल किया जाना चाहिए ताकि हमारा परिवार विघटित ना हो इस दिशा में कार्य करना है क्योंकि माता किसी भी परिवार की धुरी होती है । कहा जाता है कि परिवार में महिला सुशिक्षित और संस्कारी होगी तो अपने परिवार को भी वैसा ही बनायेगी । आज संयुक्त परिवार का विघटन हो रहा है और एकल परिवार की ओर तेजी

से बढ रहे है । यह हमारे संस्कार और संस्कृति नही है यही सब हमे अपने संगठन के माध्यम से मातृशक्तियों में जागरूकता लाना है । व्यस्तता के इस दौर में अपने परिवार को नजर अंदाज ना करते हुए ज्यादा से ज्यादा समय दें । आज बैठक में सभी का विस्तार कैसे किया जायें कौन कौन को इसमें शामिल किया जाना है । आगामी दिनों में संगठन के उद्देश्य को लेकर क्या क्या कार्यक्रम आयोजित किये जाने है जैसे अनेक विषयों पर चर्चा की गई है ।

महाविद्यालय में प्रश्नोत्तरी व पोस्टर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारत सरकार के पर्यावरण , वन , जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं पर्यावरण नियोजन तथा समन्वय संगठन एप्को पर्यावरण विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के प्रयोजन में शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय के ईको क्लब व वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालय में प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कक्षा वार ६ टीमो ने भाग लिया जिसमें कुल २४ विद्यार्थी थे। जिसमें वनस्पति शास्त्र विभाग एमएससी प्रथम सेमेस्टर ने प्रथम स्थान पाया। बीएससी तृतीय ने द्वितीय व एमएससी चतुर्थ व बीएससी प्रथम ने संयुक्त तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को जलवायु एवं पर्यावरणीय संकट व जैव विविधता एवं परिस्तिथि की विषय दिया गया जिसमें कुल १२ टीमो ने सहभगिता दर्ज की। जिनमें जागृति पटले एमएससी प्रथम सेम को प्रथम, नमिता बागडे ,जागृति बिसेन द्वितीय तथा विदिशा , मासुम, महक, मुस्कान को तृतीय स्थान मिला। निर्णायक के रूप में हेमन्त गनवीर ,मोहनीश इडपचे , दोमदत्त सिंह ने अपनी भूमिका अदा की। कार्यक्रम को सफ ल बनाने में विजय दान्द्रे, डॉ सज्जाद मीर,राजेश तुमरामे, हिमांशु गुर्दे का सहयोग रहा।

मोटरसाईकिल से गिरकर महिला की मौत

मामले में पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच की प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत नरोड़ी के ग्राम नारवांजपार के भागवत टोले में स्पीड ब्रेकर पर मोटरसाइकिल गुजरने से मोटरसाइकिल सवार ४२ वर्षीय महिला उछलकर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद सुरमन बाई इनवाती को संजीवनी १०८ की मदद से सिविल अस्पताल लाया जा रहा था। जिसमें उसके द्वारा रास्ते में दम तोड़ दिया गया घटना में अस्पताल तहरीर पर पुलिस के द्वारा मर्ग कायम कर आवश्यक कार्यवाही की गई। इसमें बताया जा रहा है कि महिला अपने रिश्तेदारी से वापस आ रही थी। इस दौरान यह हादसा हो गया मामले में पुलिस के द्वारा जांच प्रारंभ कर दी गई है।

सिरपुर से बासी आ रही थी महिला

प्राप्त जानकारी के अनुसार देवनाथ इनवाती बांसी निवासी अपनी पत्नी सुरमन इनवाती उम्र ४२ वर्ष एक बेटा और एक बेटी के साथ निवास करता था। जो अपनी रिश्तेदारी सिरपुर में एक दिन पहले तेरहवी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया हुआ था। जहां पर कार्यक्रम संपन्न होने के बाद ५ जनवरी की

सुबह करीब ९ बजे अपने ग्राम बांसी आने के लिए निकला था। जो मोटरसाइकिल से अपनी पत्नी और बेटी के साथ आ रहा था तभी ग्राम पंचायत नरोड़ी के नारवांजपार स्थित भागवत टोला में मोटरसाइकिल स्पीड ब्रेकर के ऊपर से जाने से मोटरसाइकिल सवार लोगों को हल्का धक्का लगा। जिसमें सुरमन बाई पति देवनाथ इनवाती उम्र ४२ वर्ष बांसी निवासी अपने पति एवं बेटी को छोड़ गाड़ी से उछलकर जमीन पर चेहरे के भरोसे भरभरा कर गिर गई। जिससे वह मौके पर गंभीर रूप से घायल हो गई जहां आसपास के लोग रुके और उनके द्वारा तत्काल संजीवनी १०८ को घटना की सूचना दी गई। जिस पर संजीवनी की मदद से उसे सिविल अस्पताल लाया गया। इस दौरान गंभीर स्थिति देख ईएमटी के द्वारा महिला को बचाने के लिए भरसक प्रयास किया गया। जिसे सिविल अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर के द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। वहीं अस्पताल के द्वारा तहरीर के माध्यम से पुलिस थाना को सूचना दी गई । जिस पर पुलिस अधिकारी के द्वारा अस्पताल पहुंचकर मामले में आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर जानकारी लेने के उपरांत शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपूर्द कर दिया गया। वहीं मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है।

भागवत टोला में हुई दुर्घटना -ईशान इनवाती

ईशान इनवती ने बताया की मृतिका मेरी माता हैं मेरे माता ,पिता ,बहन के साथ सिरपुर तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। जहां से वह सुबह वापस हो रहे थे तभी नारवांजपार भागवत टोला में मोटरसाइकिल ब्रेकर से गुजरने पर माता उछलकर जमीन पर गिरने से गंभीर घायल हो गई। १०८ से अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया मामले में पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

महाविद्यालय में संभाग स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय में संभाग स्तरीय बॉल बैडमिंटन महिला और पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी खेल कैलेंडर अनुसार यह प्रथम अवसर है। जब बॉल बैडमिंटन खेल को वार्षिक कैलेंडर में शामिल किया गया है ,इस खेल के शामिल होने के पश्चात महाविद्यालय के द्वारा संभाग स्तरीय प्रतियोगिता की आयोजन हेतु प्रेषित प्रस्ताव के आधार पर महाविद्यालय को संभागीय स्तरीय प्रतियोगिता का दायित्व सौंपा गया था। इसी तारत्मय में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बॉल बैडमिंटन एक टीम गेम है जिसमें एक टीम में पांच खिलाड़ी होते हैं। इस खेल में बैडमिंटन की तरह एक रैकेट होती है जो की बैडमिंटन की रैकेट से थोड़ी मोटी होती है एवं शटल कॉक की जगह एक उन की ३० ग्राम की बाल होती है। यह बैडमिंटन और वॉलीबॉल का मिश्रित रूप है इस प्रतियोगिता में महिला और पुरुष दोनों वर्गों में शासकीय महाविद्यालय ने विजय प्राप्त की। पुरुष वर्ग में महाविद्यालय से संस्कार सिंह लिल्हारे, शुभम नगपूरे,अतुल नगपुरे, राजकुमार शेंडे , देवेश बिसेन, सत्यम राजूकर, विजय धार्मिक, उमेश धार्मिक, रोहित धुर्वे, शैलेंद्र इडपांचे ने महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इसी तरह महिला वर्ग में सुरभि मिश्रा, रूपाली कुर्वेति, राजनंदिनी पंचेश्वर, प्रीति लांजेवर, पूजा बिसेन, प्रतीक्षा पताहे, मोनाली भगत, फूलवंता उइके,दिलेश्वरी लिल्हारे ने महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। मैच रेफरी का दायित्व प्रभात सेठ ने निभाया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता एवं अखिल भारतीय प्रतियोगिता हेतु टीम का चयन किया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ सरिता कोल्हेकर के द्वारा किया गया। इस दौरान क्रीड़ा अधिकारी डॉ अनिल कुमार झड़बड़े, डॉ के सी बापू ,डॉ ऋ षिकेश पटेल,अधीर घोडेश्वर, डॉ विनोद ठाकुर, डॉ मनोज खरोले, डॉ कविता क्षीरसागर, डॉ लीलाधर चाचाने ,डॉ ललित कामडे,मनीष शिवहरे कृष्णा पराते

एसडीएम ने जाति प्रमाण पत्र बनाने और सुविधा प्रदान करने की मंशा से जाति सेतू पहल की प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्तिकेय जायसवाल के द्वारा महत्वपूर्ण पहल करते हुए केन्द्रीय जाति प्रमाण पत्र के लिए परेशान हो रहे आवेदकों को सुविधा प्रदान करने की मंशा से जाति सेतू पहल प्रारंभ की गई है। जिसके तहत आवेदक अपने समस्त आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रति मंगलवाल स्थानीय अनुविभागिय कार्यालय में उपस्थित होकर मात्र २ घण्टे में अपना केन्द्र जाति प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकता है । इस दौरान एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने चर्चा कर बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में जैसे केन्द्रीय नौकरियों, केन्द्रीय शिक्षण संस्थानों में प्रवेश हेतु एवं केंन्द्र से संचालित योजनाओं सहित अन्य क्षेत्रों में केन्द्र जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता पडती है । जिसके बडी संख्या में आवेदन प्राप्त होते

है जो व्यस्तता सहित अन्य कारणों से आवेदकों को केन्द्र जाति प्रमाण पत्र बनवाने में परेशानी का सामना करना पडता है । जिसे देखते हुए स्थानीय स्तर पर उनके द्वारा जाति सेतु नाम से एक पहल की गई है जिसके तहत प्रत्येक मंगलवार आवेदक अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ एसडीएम कार्यालय में उपस्थित होकर २ घण्टे में केन्द्र जाति प्रमाण पत्र बनवा सकता है । एसडीएम जायसवाल ने बताया किं केन्द्र का जाति प्रमाण पत्र आवेदन के साथ जो दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य है वह इस प्रकार है। आवेदन एवं शपथ पत्र, पटवारी का जाँच प्रतिवेदन एवं पंचनामा, स्वयं, पिता एवं दादा का स्कूल दाखिला प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, मध्यप्रदेश राज्य का डिजीटल जाति प्रमाण पत्र, स्वयं का आधार कार्ड एवं समग्र आई डी की छाया प्रति, १०वीं की अंकसूची की छायाप्रति आवश्यक है। आवेदकों के द्वारा यह दस्तावेजों सहित निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत करते है तो प्रत्येक मंगलवार को उनका केन्द्रीय जाति प्रमाण पत्र मात्र २ घंटे में बनाकर दिया जाएगा। केन्द्र जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदकों को तहसील कार्यालय के कई चक्कर लगाने पडते थे। जिसके कारण आवेदक छात्र छात्राओं सहित अभिभावकों को काफ ी परेशानी का सामना करना पडता था । एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल की यह पहल उन सभी आवेदक छात्र छात्राओं एवं अभिभावकों को काफी राहत प्रदान करेगी ।

सेलवा में मनाई गई सावित्री बाई फुले की जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/कटंगी। ग्राम सेलवा में मरार माली समाज के द्वारा राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी के द्वारा सावित्रीबाई फु ले एवं महात्मा ज्योतिबा फुले की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस दौरान कार्यक्रम में ग्राम के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। जिसमें विधायक गौरव सिंह पारधी के द्वारा वरिष्ठजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गौरव पारधी ने कहा कि भारत में राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फ ुले ने महिला शिक्षा की भूमिका निभाया । जिनके मार्गदर्शन में भारत में महिलाओं ने शिक्षा ग्रहण करना प्रारंभ किया। ऐसे ही हमारी माता सावित्रीबाई फुले की आज जयंती है ,ऐसी माता को मैं पुन: अपनी तरफ से नमन करता हूं उनका आशीर्वाद चाहूंगा । मुझे इस बात की खुशी है कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं बैठी है और स्कूल और कॉलेज में पढ़ने वाले बहुत से बच्चे बैठे है। स्कूल में पढ़ने वालों बच्चों से विधायक ने कहा आप आगे कॉलेज करें उच्च शिक्षा ग्रहण करें और कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों से कहा यह आप लोगों की जिम्मेदारी है कि अपने ग्राम के बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित करें। माता सावित्रीबाई फुले ने अपना पहला स्कूल १८४८ में चालू किया जिससे कि महिला शिक्षा ग्रहण कर सके। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रविकांत महेश बोरकर , उदय सिंह पंचेश्वर,देवेंद्र सिंह देशमुख ,श्रीमती दीप्ति बाहेश्वर, राजेश्वरी नागेश्वर, सावित्री पंचेश्वर,,राजेश्वरी मातरे, योगेंद्र मात्रे,नंदकिशोर ठाकरे, योगेश नागेश्वर, अरविंद खरे, महादेव नागेश्वर, नोकेंद्र सिंगनधुपे, ज्ञानचंद मातरे,महेंद्र बाहेश्वर, रूपेंद्र कावरे एवं समस्त मरार माली समाज के प्रतिनिधि एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः॥

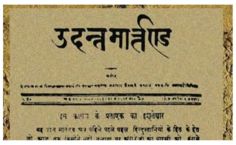

जवाबदेही के बजाय अफ़सोसनाक उदासीनता

इंदौर में पेयजल दूषित होने की वजह से कई लोगों की मौत के बाद राहत के तौर पर सरकार की ओर से मुआवजे की घोषणा की गई, लेकिन सवाल है कि क्या कुछ रस्मी औपचारिकताएं पूरी करना इस समस्या का हल हो सकता है! सबसे जरूरी था कि इस घटना के बाद निचले स्तर के संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के समांतर शीर्ष स्तर पर बरती गई लापरवाही के लिए भी जिम्मेदारी तय की जाती। मगर ऐसा लगता है कि इसे किसी सामान्य हादसे की शक्ल में देखा जा रहा है। वरना क्या कारण है कि इतने गंभीर मामले के बाद भी सरकार के रवैये में एक अफसोसनाक उदासीनता दिख रही है। इसकी जिम्मेदारी लेने के बजाय वहां के एक मंत्री सवालों को जिस तरह बेमानी बता रहे थे, उसमें एक विचित्र उपेक्षाभाव था। अव्वल तो पेयजल जैसी सबसे बुनियादी जरूरत के पूरी तरह सुरक्षित होने को लेकर सरकार अपनी ओर से सजग रहती, लेकिन इसके बजाय मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को यह आदेश देना पड़ा है कि प्रभावित इलाके में पीने के पानी के अतिरिक्त टैंकर भेजे जाएं। इस घटना से फिर यही जाहिर हुआ है कि महज हादसा या चूक मानी जाने वाली कई घटनाएं अक्सर अधिकारियों की अदूरदर्शिता, लंबे समय से बरती जाने वाली लापरवाही और कई बार जानबूझ कर की गई उपेक्षा का नतीजा होती हैं। इंदौर के जिस इलाके में पेयजल दूषित होने की घटना सामने आई, क्या ऐसा अचानक हो गया होगा ? अगर फिलहाल आई खबरों पर ही भरोसा किया जाए कि पानी की आपूर्ति वाले पाइप में गंदे नाले का पानी मिल गया, तो इस पर निगरानी रखना किसकी जिम्मेदारी है? एक बार पेयजल की पाइप बिछा देने के बाद उसमें पानी आ रहा है या नहीं या फिर वह पीने के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित है, इसकी नियमित जांच करने, गड़बड़ियों की निगरानी करने का दायित्व किस पर है? अगर संबंधित महकमे में निचले स्तर पर तैनात कर्मचारी लापरवाही बरत रहे थे, तो इसका ध्यान रखना किसका काम था ? इस गंभीर घटना के बाद सवाल उठने और कठघरे में खड़ा किए जाने के बाद जहां सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेकर सख्त संदेश देने वाली कार्रवाई करनी चाहिए थी, वहां उसके मंत्री संवेदनहीन, अवांछित और गैरजिम्मेदाराना टिप्पणी कर रहे थे।

अफसोस की बात यह भी है कि इस समूचे मामले में केंद्र सरकार ने एक तरह से विचित्र चुप्पी साधे रखी और उसकी ओर से कुछ नहीं किया गया। जबकि पिछले कई वर्षों से स्वच्छता के लिए तमगा जीतने वाले इंदौर में दूषित पेयजल से जिस तरह की त्रासद घटना सामने आई, वैसे में पीड़ित परिवारों से लेकर देश भर के आम लोग यह उम्मीद करते हैं कि इसकी गंभीरता के मद्देनजर केंद्र सरकार दखल देगी। दरअसल, ऐसे नाजुक मौकों पर सबसे ज्यादा जरूरी यह होता है कि सरकार आम लोगों के प्रति संवेदनशील दिखे और इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने देने का भरोसा दे। मगर कम से कम इस मामले में सच यह है कि लोगों का सरकार पर से भरोसा बुरी तरह टूटा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि राष्ट्रीय स्तर पर %हर घर नल जल% योजना के तहत सभी नागरिकों को पीने का स्वच्छ और शुद्ध पानी मुहैया कराने के दावे किए जाते रहे हैं। मगर पेयजल को लोगों तक पहुंचाने के रास्ते में अगर किसी भी वजह से ऐसी लापरवाही होती है कि उससे लोगों की जान पर खतरा आ जाए, तो ऐसे दावों को किस तरह देखा जाएगा।

उमा भारती की गैरहाजिरी !

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के राजनीतिक चखचख की पार्टी का चेहरा दिन ब दिन दरक में चमक रहा है। हाईटेक चुनाव प्रचार के लोकलुभावन नारों 'इंडिया शाइनिंग' 'फील गुड' वगैरह की वर्षों पहले हवा निकल जाने के बावजूद मौजूदा राष्ट्रनायक विश्वगुरू के सिंहासन पर बैठने बेचैन हो रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की कलई तो जनता ने खोल दी है। सत्ता विमुखता के डर से पार्टी को सांप सूघ जाता है। फिर भी सत्ता विमुख राम का मन्दिर अपने लिए बनवाने बीजेपी आमादा रही। नागपुर को राष्ट्र का केन्द्र बनाकर महाराष्ट्र उन्हें बड़ा लगता है। सौराष्ट्र भी मुंदरा पोर्ट के रास्ते मुखातिब है। वर्षों विपक्ष में बैठने के बाद सत्ता सुख से पार्टी के चेहरे पर तेजी से चाशनी चढ़ी है, लेकिन शरीर का नमक ज्यादा घटता गया। सूरते हाल यह कि नेताओं को हटाकर अदाणी, अम्बानी जैसों को पार्टी की बागडोर सौंप दी गई है।

कथित सन्यासिनी उमा भारती ने ठेठ बुन्देलखंडी अन्दाज में कभी व्यंग्य किया था कि भाजपाध्यक्ष उनके खिलाफ अनुशासन की कार्रवाई करें। उमा की मुश्कें कसने के मकसद से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को पार्टी की सर्वोच्च मीटिंग में बुलाकर आडवाणी ने अपनी समझ से ट्रम्प कार्ड खेला था, पर उमा भारती ने अपना बिगड़ैल रूप दिखाकर राजनीतिक शाइस्तगी की ऐसी तैसी कर दी थी।

संघ परिवार के गठन और क्रियान्वयन की बीजगणित है कि दाएं हाथ को पता नहीं होता कि कब उसे ही बायें बाजू को काटना होगा। राष्ट्रीय सेवक संघ ने निलम्बित उमा भारती से किश्तों में घंटों बातचीत की थी। भाजपा से निलंबित नेता आर.एस.एस. मुख्यालय में चर्चा योग्य भी होता है। समझौता कराने की आर.एस.एस. की हैसियत बची नहीं। अन्यथा अशोक सिंघल और आडवाणी को भी एक साथ बिठा पाना उसके लिए सम्भव होता। संघ आज भी हाथी दांत की मीनार पर बैठा है। भाजपा चाहे जैसी हो, राजकाज चलाते चलाते उसे इतना शऊर तो आ ही गया है कि वह विहिप और संघ को दकियानूस जमावड़ा समझे। संघ परिवार की राजनीति ऐसे दौर में है कि उसे अपनी प्रेत छायाओं से मुक्ति के मार्ग पहले तलाशने हैं। देश तो खैर उसकी ही प्रेत छाया से मुक्ति चाहता है। राजनीति विज्ञान का फिसड्डी विद्यार्थी भी शोध प्रबन्ध लिख सकता है। कांग्रेस ने नरसिंहराव और सीताराम केसरी जैसी सत्तोतरी पीढ़ी से सोनिया गांधी की अगुआई में मुक्ति पा ली। तब भाजपा के लिए बुढ़ऊ के ब्याह का हनीमून 'फीलगुड' और 'इंडिया शाइनिंग' में शरमाता रहा। उमा भारती को संघ परिवार एक कद्दावर और जमीन से जुड़ा नेता मानता रहा है। इसीलिए उमा की तर्जे बयां में अरुण जेटली, मुख्तार अब्बास नकवी, सुषमा स्वराज, वेंकैया नायडू जैसे युवा राज्यसभा प्रोडक्ट बनाए गए थे। वे सब भूल गए कि उमा भारती एक मनोवैज्ञानिक प्रकरण हैं। वे नादान दोस्त हैं जिनसे दाना दुश्मन बेहतर है। वे हर दोस्त का चरित्र हनन कर सकती हैं। कहते हैं मरुस्थल का ऊंट कांटा लगे घावों को खुद चाटकर ठीक कर लेता है। उसे डॉक्टरों की जरूरत नहीं होती। उमा भारती मरुस्थल के ऊंटों को मनोविज्ञान के अनुभव से समझती होंगी।

संघ परिवार शून्य से अनन्त की यात्रा का शोध विश्वविद्यालय है। इस जमावड़े ने भारतीय राजनीतिक फिजा में प्रतिगामी शक्तियों का प्रेरक नेतृत्व किया है। इन्टरनेट और कम्प्यूटर युग में यह परिवार पुष्पक विमान में बैठकर अयोध्या की यात्रा करने के दिवास्वप्न देखने में मशगूल रहा है। मुसलमानों के प्रति इसके बैर भाव ने अब अमेरिकी संस्करण तैयार करने शुरू कर दिए हैं। वह मुसलमान के दुश्मन होने के कारण अमेरिका को हिन्दुत्व का अभिभावक मानता है। चुपके चुपके फादर स्टेन्स की हत्या भी करता है। अफगानिस्तान और ईराक के कत्ले आम को हिन्दुत्व के संदर्भ में सांस्कृतिक उन्नयन समझता है। गुजरात में गरीब, लाचार और बेसहारा मुसलमानों को उग्र हिन्दूवादी नारों के प्रलाप के चलते मारा जाता है। अदालतों तक में सच नहीं बोला जा सकता। सर्वोच्च संविधान सम्मत संस्थाओं सुप्रीम कोर्ट, मानव अधिकार आयोग, अल्पसंख्यक आयोग और सी.बी.आई. अब गोदपुत्र हैं।

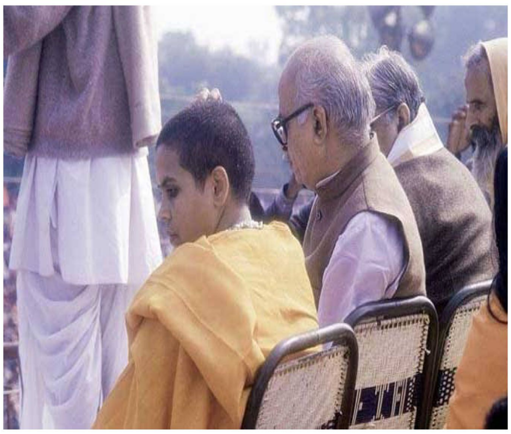

ऐसी मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि में उमा भारती जैसी राजनीतिक शख्सियत की याद अब कोई प्रासंगिक घटना नहीं है। भारतीय राजनीति में संकीर्ण हिन्दुत्व ताजातरीन पैतरा है। वे समझ चुके हैं कि संविधान, कानून, न्यायपालिका, आयोग, प्रेस जैसी लोकतंत्रीय संस्थाएं शरीफ, कानून सम्मत और सिविल मूल्यों में विश्वास रखने वाले नागरिकों के लिए ही हैं। तमाम किस्म के अपराधी इन संस्थाओं को धता बताकर समाज में फलते फूलते और पनपते हैं, बल्कि प्रतिष्ठित भी हैं। तीस चालीस प्रतिशत पुष्ट आरोपी संसदीय जीवन के हिस्सेदार हैं। अपराध राजनीतिक उत्कर्ष की सांप सीढ़ी के खेल में सीढ़ी है और नैतिकता है सांप। लेकिन यही सांप नैतिक लोगों को ही तेजी से निगलता है कि राजनीतिक जीवन में धीरे धीरे प्रदूषण ही प्राणवायु के रूप में बचेगा।

संघ परिवार अपराध मनोविज्ञान का भी संस्कृतिकीकरण करना चाहता है। उसके लेखे धर्म प्रेरित आह्वान के तहत संविधान का उल्लंघन करना और बाबरी मस्जिद गिराना अपराध नहीं धर्म युद्ध है। ईदगाह पर भगवा ध्वज जबरिया फहराना राष्ट्र प्रेम है। अपराधों का सामाजिकीकरण संघ परिवार का नया तेवर है। उसे हस्ताक्षर भी चाहिए। उमा भारती भी ऐसा ही हस्ताक्षर रही हैं। वे पर्याप्त वाचाल, फूहड़, उद्दंड, गैरजिम्मेदार लेकिन प्रकट तौर पर धार्मिक, सन्यासिन, पिछड़े वर्ग की नेता, प्रखरवक्ता और धर्मोपदेशक भी रही हैं। देश का धार्मिक रोजगार जिस किस्म की फूहड़ संत मंडली के खाते है उनके बीच तो उमाभारती नायिका की तरह फबती रही हैं। बेचारी अब गुमनामी के अधबीच हैं।

-कनक तिवारी (विधि वेत्ता और लेखक)

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

सफलता का सार यही है कि बड़े सपने देखें, ईमानदार प्रयास करें, अनुशासन को जीवन का हिस्सा बनाएं, सीखने की भूख कभी मरने न दें और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

सफलता की शुरुआत सपनों से होती है

सफलता कोई अचानक घटने वाली घटना नहीं होती। यह एक लंबी, धैर्यपूर्ण और अनुशासित यात्रा है, जो सपनों से शुरू होकर संकल्प और कर्म के रास्ते आगे बढ़ती है। सफलता की शुरुआत उस कल्पना से होती है, जो व्यक्ति को आराम से बैठने नहीं देती, जो मन में एक बेचैनी पैदा करती है-कुछ कर दिखाने की, कुछ बदल देने की। ऐसे सपने ही इन्सान को हर सुबह नए उत्साह के साथ उठने की शक्ति देते हैं तथा हर दिन और बेहतर बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

जब लक्ष्य स्पष्ट होता है, तब रास्ते की कठिनाइयां बोझ नहीं लगतीं, बल्कि वे सीख का माध्यम बन जाती हैं। सफलता का पहला और सबसे मजबूत स्तंभ है बड़ा सपना देखना-ऐसा सपना, जो केवल इच्छा बनकर न रह जाए, बल्कि कर्म में बदल जाए। सपना तभी सार्थक होता है, जब वह व्यक्ति को सोने न दे, जब वह मन और मस्तिष्क, दोनों को लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे। बड़े सपने साधारण सोच की सीमाओं को तोड़ देते हैं और असाधारण प्रयास की अपेक्षा करते हैं। सफलता का दूसरा स्तंभ है मेहनत और अनुशासन। प्रतिभा एक बीज की तरह होती है, लेकिन बिना परिश्रम व अनुशासन के वह कभी फल नहीं देती। नियमित अभ्यास, समय का सम्मान और स्वयं के प्रति ईमानदारी-यही वह आधार है, जिस पर महान उपलब्धियां खड़ी होती हैं। रास्ते में असफलताएं आएंगी, यह तय है। लेकिन वे अंत नहीं होती; बल्कि वे तो सफलता की प्रयोगशाला होती हैं। कामयाबी का तीसरा स्तंभ है लगातार सीखने की आदत। ज्ञान, तकनीक और सोच-सब कुछ हर दिन नया रूप ले रहा है। इसलिए, सफल व्यक्ति वही होता है, जो जिज्ञासु बना रहता है-जो सवाल पूछता है, प्रयोग करने से नहीं डरता और अपने ज्ञान को समय के साथ लगातार अपडेट करता है। सफलता का चौथा स्तंभ है चरित्र और मूल्य। बिना नैतिकता के प्राप्त सफलता टिकाऊ नहीं होती। सच्ची उपलब्धि वही होती है, जो आत्मा को शांति दे और समाज के लिए उपयोगी हो। जब ईमानदारी, करुणा और जिम्मेदारी के साथ प्रयास किया जाता है, तब सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं रह जाती, बल्कि वह समाज के लिए प्रेरणा बन जाती है।

पांचवां और अंतिम स्तंभ है टीमवर्क और नेतृत्व। कोई भी महान उपलब्धि अकेले संभव नहीं हुई है। नेतृत्व का अर्थ आदेश देना नहीं, बल्कि उदाहरण बनना है। एक सच्चा लीडर वही है, जो अपनी टीम में विश्वास जगाए, असफलता की जिम्मेदारी खुद ले और सफलता का श्रेय सबके साथ साझा करे। कठिन समय में साथ खड़े रहना, टीम की ताकत को पहचानना और विविध क्षमताओं को एक लक्ष्य के लिए जोड़ना ही नेतृत्व की असली पहचान है। सफलता का सार यही है कि बड़े सपने देखें, ईमानदार प्रयास करें, अनुशासन को जीवन का हिस्सा बनाएं, सीखने की भूख कभी मरने न दें और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

सूत्र - असफलताएं मार्गदर्शक होती हैं

जीवन में सफलता कोई संयोग नहीं, बल्कि सपनों, संकल्प और सतत परिश्रम का परिणाम है। बड़ा सपना वही है, जो आपको चैन से बैठने न दे और हर दिन बेहतर बनने की बेचैनी पैदा करे। लक्ष्य स्पष्ट हों, तो कठिनाइयां भी शिक्षक बन जाती हैं। मेहनत और अनुशासन प्रतिभा को शक्ति देते हैं, जबकि असफलताएं हमें सही दिशा दिखाती हैं।

देश काल

समानुभूति की संवेदना

समकालीन समाज तेजी से बदल रहा है। हर दिन अखबारों और डिजिटल माध्यमों में पीड़ा, असमानता और संघर्ष की खबरें आम हो गई हैं। आदिवासी अंचलों में विस्थापन, शहरों की ओर बढ़ता पलायन, शिक्षा से बाहर होते बच्चे और महिलाओं के साथ होती हिंसा ये अब केवल घटनाएं नहीं, बल्कि आंकड़ों में दर्ज सच्चाइयां हैं। इन पर हम दुख व्यक्त करते हैं, सहानुभूति जताते हैं, लेकिन हमारा सामाजिक आचरण अक्सर वहीं ठहर जाता है।

किसी के दुख को देखकर करुणा का भाव जागना समाज को असंवेदनशील होने से बचाता है, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह भावना केवल शब्दों, बयानों और औपचारिक प्रतिक्रियाओं तक सीमित रह जाती है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित सामाजिक और आर्थिक रपटें बताती हैं कि असमानता और वंचना आज भी व्यापक है, फिर भी अधिकांश मामलों में हमारी भूमिका केवल चिंता व्यक्त करने तक सिमट जाती है। असल में सहानुभूति हमें भावनात्मक संतोष देती है, पर व्यावहारिक जिम्मेदारी का बोध नहीं कराती। आदिवासी समाज इसका सबसे बेहतर

है, पर सहभागिता उदाहरण है। भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 8.6 फीसद हिस्सा अनुसूचित जनजातियों का है, लेकिन विकास परियोजनाओं के कारण विस्थापित होने वाले लोगों में उनकी हिस्सेदारी अनुपात से कहीं अधिक रही है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार बड़े बांधों, खनन और औद्योगिक परियोजनाओं से प्रभावित लोगों में लगभग चालीस फीसद तक आदिवासी समुदायों से आते हैं। यह

तथ्य केवल विस्थापन का नहीं, बल्कि संस्कृति, आजीविका और सामाजिक पहचान के टूटने का भी संकेत देता है। सहानुभूति के रूप में मुआवजे और पुनर्वास की योजनाएं बनाई जाती हैं, लेकिन समानुभूति तभी होगी, जब नीति निर्माण की प्रक्रिया में प्रभावित समुदायों की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित की जाए और विकास को उनके जीवन-संदर्भ से जोड़कर देखा जाए। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में भी यही अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। यूनिसेफ और राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण जैसी संस्थाओं की रपटें बताती हैं कि आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों में स्कूल छोड़ने की दर अब भी चिंता का विषय है, विशेषकर आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में। सहानुभूति के तौर पर छात्रवृत्तियां, मध्याह्न भोजन और योजनाएं मौजूद हैं, पर समानुभूति तब सामने आती है जब शिक्षा व्यवस्था यह स्वीकार करती है कि भाषा, गरीबी और पारिवारिक जिम्मेदारियां सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं। जब शिक्षक और व्यवस्था बच्चे की पृष्ठभूमि को समझकर अपनी पद्धति में बदलाव करते हैं, तभी शिक्षा वास्तव में समावेशी बनती है।

डिजिटल युग ने संवेदनाओं को भी एक नए रूप में ढाल दिया है। सोशल मीडिया पर किसी मुद्दे से जुड़े आंकड़े, तस्वीरें और वीडियो लाखों लोगों तक पहुंचते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में उनका प्रभाव सीमित रह जाता है। यह तथाकथित डिजिटल सहानुभूति हमें प्रतिक्रिया तो देती नहीं सिखाती।

ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर बढ़ता पलायन भी हमारे सामाजिक आचरण की परीक्षा लेता है। करोड़ों लोग रोजगार की तलाश में अपने गांव छोड़कर शहरों में अस्थायी या असुरक्षित परिस्थितियों में काम कर रहे हैं। शहरी अर्थव्यवस्था इन श्रमिकों पर निर्भर है, फिर भी सामाजिक व्यवहार में वे अक्सर अदृश्य रहते हैं। हम उनके श्रम का लाभउठाते हैं, पर उनके आवास, स्वास्थ्य और बच्चों की शिक्षा को लेकर उदासीन बने रहते हैं। यह उदासीनता सहानुभूति की सीमा को दर्शाती है, जहां समस्या को देखा तो जाता है, पर उसे अपना नहीं माना जाता।

डिजिटल युग ने संवेदनाओं को भी एक नए रूप में ढाल दिया है। सोशल मीडिया पर किसी मुद्दे से जुड़े आंकड़े, तस्वीरें और वीडियो लाखों लोगों तक पहुंचते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में उनका प्रभाव सीमित रह जाता है। यह तथाकथित डिजिटल सहानुभूति हमें प्रतिक्रिया तो देती है, पर सहभागिता नहीं सिखाती। असल में केवल आर्थिक या तकनीकी प्रगति पर्याप्त नहीं, जब तक सामाजिक और मानवीय दृष्टि उसके साथ न चले। सामाजिक आचरण तब बदलता है, जब संवेदना औपचारिकता से निकलकर व्यवहार में उतरती है। जब नीति निर्माण में आंकड़ों के साथ मानवीय अनुभवों को महत्त्व दिया जाता है, जब योजनाएं बनाते समय जमीनी सच्चाइयों को समझा जाता है, तब सहानुभूति समानुभूति में बदलती है।

-संध्या राजपुरोहित

संघर्ष की राजनीति का चेहरा हैं ममता बनर्जी

कम्युनिस्टों का किला ढहाया और भाजपा के विस्तार को बंगाल में रोका कोलकाता साधारण परिवार में जन्मी ममता बनर्जी आज भारतीय राजनीति में विपक्ष की सबसे मुखर और जुझारू आवाज हैं। केंद्र सरकार के खिलाफ खड़े विपक्ष में अगर किसी एक चेहरे की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर सबसे मजबूत है, तो वह हैं-बंगाल की दीदी। वह सिर्फ एक मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि संघर्ष की राजनीति का चेहरा हैं। उन्होंने साबित किया कि सत्ता आंदोलन से पैदा हो सकती है और अकेली आवाज भी इतिहास बदल सकती है। सादी सूती साड़ी और हवाई चप्पल पहने सादगी की यह प्रतिमूर्ति उस जिद, साहस और राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है, जिसने कम्युनिस्टों का किला ढहाया और भाजपा के विस्तार को बंगाल में रोका।

इस्लामिक हिस्ट्री में एमए ममता रही हैं स्टूडेंट लीडर

5 जनवरी 1955 को कोलकाता में जन्मी ममता अपने बलबूते यहां तक पहुंची हैं। उनका सफर सड़क, आंदोलन और संघर्ष से शुरू हुआ। स्कूल में थीं तभी राजनीति से जुड़ गईं। कॉलेज में कांग्रेस की छात्र परिषद सदस्य रहीं। राजनीति में पूर्ण समर्पित होने से पहले ममता ने स्टेनोग्राफर, प्राइमरी स्कूल टीचर, प्राइवेट

ट्यूटर और सेल्सगर्ल के रूप में भी काम किया। वह कविताएं लिखती हैं और उनकी लगभग 300 पेंटिंग बिक चुकी हैं। वह अविवाहित हैं।

वाम दिग्गज को हराकर पहुंची लोकसभा

1977 में कांग्रेस से जुड़कर संगठन में काम किया और 1984 में महज 29 साल की उम्र में वाम दिग्गज सोमनाथ चटर्जी को हराकर लोकसभा पहुंचीं। इस जीत ने उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिलाई। केंद्र में वे रेल मंत्री, कोयला मंत्री और मानव संसाधन राज्य मंत्री रहीं।

ममता के चर्चित नारे और बयान

मां, माटी, मानुष- बंगाल की आत्मा को छूने वाला नारा खेला होबे - 2021 चुनाव का सबसे चर्चित नारा 'बंगाल अपनी बेटी को नहीं छोड़ेगा' भाजपा पर हमला करते हुए कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस बनाई वाम मोर्चे के खिलाफ ममता बनर्जी ने अकेले मोर्चा खोला। 1998 में कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस बनाई। तब फैसला जोखिम भरा माना गया, जो उनके राजनीतिक जीवन का निर्णायक मोड़ बना। ममता ने 2011 में पश्चिम बंगाल में कम्युनिस्टों के 34 साल पुराने अभेद्य किले को ध्वस्त किया। इसके पीछे 'सिंगूर और नंदीग्राम आंदोलन' टर्निंग प्वाइंट साबित हुए।

सिंगूर (2006)- टाटा नैनो प्लांट के लिए जबरन भूमि अधिग्रहण के खिलाफ ममता ने 26 दिनों की भूख हड़ताल कर किसानों की मसीहा बन गईं।

नंदीग्राम (2007)- केमिकल हब के लिए जमीन लेने के विरोध में हुए पुलिस फायरिंग में 14 किसानों की मौत ने वामपंथी सरकार के खिलाफ जन आक्रोश पैदा कर दिया।

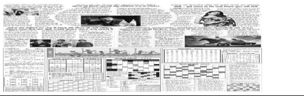

इंदौर बाजार भाव

इंदौर (एजेंसी)। दाल मिलों की पूछपरख से सोमवार को दलहनों में तुअर बाजार बड़त पर रहे। मूंग में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में बाजार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन में सुर्खी कायम रही। किराना जिंसों में नारियल बाजार बने रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में दाल मिलों की पूछपरख से भावों में सुधार बना रहा। मूंग में मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन 4700-4800 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहे। उधर, किराना जिंसों में नारियल बाजार बढ़त पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4070, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 1000-1300, क्लीन 1400-1650, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2950, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1600, राजकोट तेलिया 2505, सोया साल्वेंट 1205-1210, सोया रिफाइंड 1260-1265, कपास्या 1205-1210, धूलिया 1210, कड़ी 1210,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1575, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1285,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4700-4800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5850-5900, एवरेज 4900-5300, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5650-5700, एवरेज 5500-5550, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7250, एवरेज 6900-7000, हल्की 6700-6800, तुअर महाराष्ट्र 7200-7400, उड़द बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7100-7200, शंकर 6800-6900, हल्की 6500-6600,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर (एजेंसी)। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में ग्राहकी वाली बात नहीं रही। किन्तु विदेशी बाजारों की अगुवाई में स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार चढ़ गये। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 241500, चाँदी (99) 241000, टंच 238500, सिक्का 2500, सोना 10 ग्राम 139000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई (एजेंसी)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.30 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया चार पैसे टूटकर 90.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से रुपये में गिरावट आने के आसार हैं हालांकि कच्चे तेल की कम कीमतें कुछ हद तक राहत प्रदान कर सकती हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.21 पर खुला। शुरुआती कारोबार में और टूटकर 90.24 प्रति डॉलर पर आ गया। रुपया शुक्रवार को 22 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.20 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.50 पर रहा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 322, निफ्टी 78 अंक गिरा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान गैस उर्जा और आईटी शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी जिससे भी बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 322.39 अंक नीचे आकर 85,439.62 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 78.25 अंक फिसलकर 26,250.30 पर बंद हुआ। आज निफ्टी रियल्टी,, निफ्टी इंडिया डिफेंस 2.04 , निफ्टी कंज्यूमर, निफ्टी एफएमसीजी में तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी , निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी हेल्थकेयर 0.32 शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एसबीआई के शेयर उछले जबकि एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एचसीएलटेक, बजाज फाइनेंस, टीसीएस और महिंद्रा के

शेयर गिरे। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 100.20 अंक टूटकर 61,265.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 94.35 अंक फिसलकर 17,926.40 पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार कमजोर शुरुआत के साथ गिरावट पर खुले। सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 85,640 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वहीं एनएसई का निफ्टी लगभग सपाट रुख के साथ 26,333 अंक पर खुला और 32.50 अंक की गिरावट के साथ 26,296 अंक पर ट्रेड करता दिखा। वहीं एशियाई शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिली। जापान को छोड़कर एशिया-प्रशांत क्षेत्र का एमएससीआई इंडेक्स 1.2 फीसदी चढ़ा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 2.8 फीसदी उछलकर करीब दो महीने पहले बने रिकॉर्ड स्तर के पास पहुंच गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी और ताइवान का शेयर बाजार भी 2 फीसदी से अधिक की तेजी के साथ नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। चीन के बाजारों में सुस्ती बनी रही। हैंग सेंग इंडेक्स में केवल 0.1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

27 जनवरी को बैंक हड़ताल, चार दिन ठप रह सकता है कामकाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2026 की शुरुआत में ही बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने के आसार हैं। देशभर के बैंक कर्मचारी संगठनों ने 27 जनवरी को एकदिवसीय राष्ट्व्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। यह हड़ताल सप्ताह में पांच कार्यदिवस लागू करने की मांग को लेकर की जा रही है। हालांकि हड़ताल सिर्फ एक दिन की होगी, लेकिन इससे पहले लगातार छुट्टियां होने के कारण बैंक ग्राहकों को लंबी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हड़ताल से पहले ही बैंकों में लगातार तीन दिन अवकाश रहेगा। 24 जनवरी को चौथा शनिवार होने के कारण बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 25 जनवरी को रविवार और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय छुट्टी है। ऐसे में 27 जनवरी को प्रस्तावित हड़ताल होने पर लगातार चार दिन तक बैंकों का सामान्य कामकाज पूरी तरह ठप रह सकता है। इसका सबसे ज्यादा असर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों पर पड़ने की संभावना है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के नेतृत्व में बैंक कर्मचारी लंबे समय से सप्ताह में पांच दिन काम और दो दिन अवकाश की मांग कर रहे हैं। फिलहाल बैंकों में रविवार के अलावा महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को ही छुट्टी मिलती है। कर्मचारियों का कहना है कि आरबीआई, एलआईसी और वित्तीय बाजार पहले से ही पांच दिन के कार्य सप्ताह पर काम कर रहे हैं, ऐसे में बैंकों को इससे अलग रखने का कोई औचित्य नहीं है। मार्च 2024 में हुए वेतन संशोधन समझौते के दौरान इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और यूएफबीयू के बीच पांच दिन का कार्य सप्ताह लागू करने पर सहमति बनी थी। बैंक यूनियनों का आरोप है कि अब तक इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिसके चलते उन्हें हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा।

वेनेज़ुएला के तेल संकट पर अमेरिका की नजर, भारत के लिए अवसर भी

देश के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार, लगभग 303 अरब बैरल, लेकिन उत्पादन में गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की 3 जनवरी को गिरफ्तारी के बाद देश के तेल सेक्टर पर चर्चा तेज हो गई है। देश के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, लगभग 303 अरब बैरल, लेकिन उत्पादन लगातार गिरता रहा है। 2010 में रोजाना लगभग 20 लाख बैरल तेल निकाला जाता था, जबकि नवंबर 2025 में यह घटकर केवल 9 लाख बैरल प्रति दिन रह गया। विशेषज्ञों के अनुसार वेनेजुएला में तेल उत्पादन तेजी से बढ़ाना आसान नहीं है। सरकारी तेल कंपनी पीडीवीएसए में लंबे समय से निवेश की कमी और खराब इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण 2026 में केवल 1.5 लाख बैरल प्रति दिन की बढ़ोतरी संभव है। बंदरगाहों पर जहाजों को तेल भरने में पांच दिन लगते हैं, पाइपलाइन लीकेज हो रही हैं और कई रिफाइनरी बंद हैं। उत्पादन बढ़ाने के लिए अगले 10 साल में करीब 100 अरब डॉलर निवेश की जरूरत होगी। अमेरिका की तेल कंपनियां भारी कच्चा तेल निकालने में दिलचस्पी दिखा सकती हैं। हालांकि, स्थिरता और सुरक्षा न होने के कारण बड़े निवेश में हिचकिचाहट है। भारत की कुछ सरकारी तेल कंपनियां पहले से पीडीवीएसए के साथ काम कर रही हैं। अगर निवेश और मशीनरी आसानी से मिलें, तो उत्पादन बढ़ सकता है। भारत पहले वेनेजुएला से रोजाना लगभग 4 लाख बैरल तेल मंगाता था, जो सस्ता और भारी कच्चा तेल होने के कारण रिफाइनरियों के लिए लाभकारी है। 2026 में वेनेजुएला से ज्यादा तेल आने की उम्मीद नहीं है, इसलिए ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत लगभग 61.5 डॉलर प्रति बैरल रह सकती है। हालांकि, 2027 से उत्पादन बढ़ा तो वैश्विक तेल कीमतों पर असर पड़ सकता है।

मेष- आज आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी समस्याएं बढ़ेंगी और बाहर आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। आप आज कामों को लेकर परेशान रहेंगे, लेकिन फिर भी आपको किसी से बातचीत करते समय वाणी की सौम्यता को नहीं खोना है। आप अच्छे खानपान का आनंद लेंगे, लेकिन सेहत को लेकर भी आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है। माताजी आपसे किसी बात को लेकर नाराज हो सकती हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए कुछ विशेषकर दिखाने के लिए रहेगा। आपको कुछ विशेष व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा और आप अपनी कार्य कुशलता से आज कार्यक्षेत्र में लोगों का दिल जीतेंगे। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपनी शारीरिक समस्याओं को नजरअंदाज करने से बचना होगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती भरा रहने वाला है। आपको अपने कामो को लेकर उचित मार्गदर्शन मिलेगा और यदि आप राजनीति में हाथ आजमाने की सोच रहे हैं, तो उसके लिए आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और कोई छुपा हुआ राज परिवार के सदस्यों के सामने आ सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। कारोबार में आपकी कोई बड़ी डील फाइनल होने में कुछ समस्या आ सकती है। मामा पक्ष आज आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। परिवार के सदस्यों को लेकर आप कहीं घूमने फिरने जा सकते हैं। आपकी अपने आप पड़ोस में सहयोगी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। आप अपने सरकारी कामों को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना करें।

सिंह- आज आपको अपने घर के साथ-साथ बाकी कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। विदेशों से आयात निर्यात कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी के साथ समय बिताएंगे। पारिवारिक जीवन में आपको आपसी तालमेल बनाकर चलने की आवश्यकता है। आपको किसी लिए गए निर्णय के लिए पछतावा हो सकता है, इसलिए आप जल्दबाजी बिल्कुल ना करें। यदि आप कोई प्रॉपर्टी की खरीदारी करने की सोच रहे हैं, तो उसके लिए आप कोई लोन अप्लाई कर सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके मान सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी रचनात्मक क्षमता बढ़ेगी। आपको अपनी आय और व्यय में तालमेल बनाकर चलने की आवश्यकता है। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको अपनी संतान की सेहत के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। आपके बॉस आपको यदि कोई जिम्मेदारी दें, तो आप उसे पूरा ध्यान से निभाने की कोशिश करें। वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी और आपकी रचनात्मक क्षमता बढ़ेगी।

तुला- आज का दिन नौकरी में बदलाव के लिए अच्छा रहने वाला है। आप कुछ नये कपड़े, मोबाइल, लैपटॉप आदि की खरीदारी कर सकते हैं। जीवनसाथी के लिए आप कोई सरप्राइज पार्टी प्लान करेंगे। आपको आसपास रह रहे लोगों को पहचान कर चलने की आवश्यकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। आपके अटके हुए काम पूरे होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। माताजी की सेहत में यदि कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। नौकरी में आपको अपने सहयोगियों से कोई बात नहीं करनी है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए तकनीकी क्षेत्रों में बढ़िया रहने वाला है। आप अपने ज्ञान को बढ़ाने में कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे और विद्यार्थियों को अध्यापकों का भी पूरा साथ मिलेगा, लेकिन आपको किसी सरकारी काम को लेकर चक्कर काटने पड़ेंगे, क्योंकि आपके उन कामों में मंदी होगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। यदि आप किसी काम को करेंगे, तो वह आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको काम को लेकर व्यस्तता अधिक रहेगी, लेकिन फिर भी आप अपने कामों को समय से निपटाने की कोशिश में लगे रहेंगे और अपने जीवनसाथी की ओर से आपको सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति को लेकर आप कोई महत्वपूर्ण कदम उठाएंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। परिवार के सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपके ऊपर यदि कुछ कर्जा था, तो उसे भी आप काफी हद तक उतारने की कोशिश करेंगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए व्यवसाय के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपका योजनाओं पर अच्छा खासा खर्चा होगा और आपकी किसी बात को लेकर यदि कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप कुछ मनचाहे खर्च करेंगे, जो आपको समस्या देंगे। आपको अपने कीमती सामानों पर पूरा ध्यान देना होगा। जीवनसाथी के साथ आपको तालमेल बनाकर चलना होगा और आपके कुछ नई योजनाओं से आपको कुछ मुश्किलें आ सकती हैं।

शब्दजाल - 8132

शब्दजाल में दस पर्यटन स्थलों के नाम ढूंढिए. दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

कु	क	ल	ह	वा	म	ह	ल	सी	गे	ज
र	तु	ल	दे	र	ण	थ	म्भौ	र	ट	वा
त	स	ब	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	वे	द
वि	ज	ज	मी	पु	र	रा	प	र	ऑ	ब
वे	गा	इं	ग	ना	लं	ज	जं	गी	फ	निं
का	क	व	डि	ह	र	पू	त	ता	इं	ग
नें	अ	स	त	या	प	त	र	ज	डि	ट्रे
द	ता	दा	ई	ह	गे	सा	मं	ड	या	ला
स्मा	बा	चे	न	ब्रा	जी	ट	त	ल	प	ल
र	पा	ला	ल	शो	ले	दु	र	झी	स्त्री	कि
क	रा	जी	व	ता	ज	म	ह	ल	म	ला

ताजमहल,लालकिला,कुतुबमीनार,जंतर मंतर,इंडिया गेट, हवा महल, गेटवे ऑफ इंडिया,डलझील,विवेकानंद स्मारक, रणथम्भौर

शब्दजाल - 8131 का हल

उ	जा	ला	ह	दा	प	उ	ड़ी	सा	झ	आ
ज	अ	ल	म	आ	मो	ल	ब्ब	तें	शा	अ
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ज	ढा	र	ला	ब
ज	कु	उ	ल	बे	ला	लू	उ	त	रा	ना
स	ति	श	द	व	दा	ल	उ	ग	वी	ट
री	रं	ल	चु	बि	लि	र्त	क्ष	दा	प	च
जो	उ	ल	के	गा	ला	म	उ	कौ	र	ले
श	ता	जीं	स	त	क	व	क	ग	श	ता
म	व	मि	न	व	न	ज	सा	शा	जू	द
द	ला	ल	म	ह	उ	ठ	ना	स	प	ना
थो	औ	र	प्या	र	उ	ल	झ	न	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

6 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.20 बजे से
चंद्र	कर्क में	कुंभ	09.07 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	10.40 बजे से
बुध	धनु में	मेष	12.10 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	13.50 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	15.48 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	18.02 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	20.18 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	22.30 बजे से
		तुला	00.40 बजे से
		वृश्चिक	02.55 ब.से
		धनु	05.11 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

मंगलवार 2026 वर्ष का छठा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण
तिथि तृतीया 08.02 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 12.18 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 20.22 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 08.02 बजे तदनन्तर बव 19.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 31'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872581
जूलियन दिन 2461046.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब **तारीख** 16
विशेष सकट चौथ, लम्बोदर संकष्टी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7076

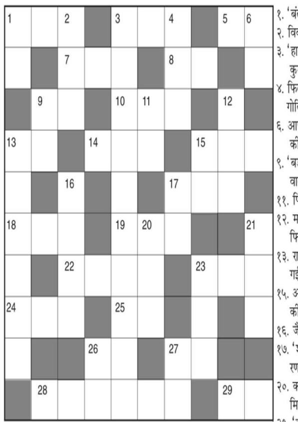

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7075

सं	न्या	सी		ह	मे	शा		खौ	फ
ध्या		मा	सू	म		र	क्षा		र्ज
	रो		र		सौ	दा		त्रि	
ना	जा	य	ज		त		श्री	दे	वी
ग		की		जा	न	म		व	
म	हा	न		गृ		द	म		मा
णि			प्र	ति	का	र		ज	या
	फ	र	हा		लि			मा	
गॅ	की		र	जि	या	सु	ल्ता	न	
	रा	खी		स्म		र		त	ब्बू

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः आशा और निराशा

एक दूधवाले ने दो मेंढक पाल रखे थे। दोनों में घनी मित्रता थी। परंतु दोनों विपरीत स्वभाव के थे। एक बेहद आशावादी था तो दूसरा निराशा से भरपूर। आशावादी मेंढक अपने मित्र को जीवन में आशा का महत्व समझाता, परंतु उसका मित्र उसकी बात को हंसकर टाल देता था। उसका मानना था कि जो होना है वह होकर रहेगा। इसलिए अपनी ओर से किसी तरह का कोई प्रयत्न अनुचित है। एक रात दोनों खेल रहे थे। वे खूब-उछल कूद मचा रहे थे। इसी क्रम में वे अचानक छाछ के बर्तन में जा गिरे। रात होने के कारण किसी की भी नजर उन पर नहीं पड़ी। बाहर निकलने के लिए वे जितना हाथ-पैर मार रहे थे, उतना ही गाढ़ी-गाढ़ी छाछ में फंसते जा रहे थे। निराशावादी मेंढक बोला, 'हम कितना भी प्रयत्न कर लें, परंतु इसमें से बाहर नहीं निकल पाएंगे, इसलिए शरीर को ढीला छोड़ देते हैं और मृत्यु को शांति से गले लगा लेते हैं। अंत समय में व्यर्थ ही शरीर को थका-थका कर अपनी मृत्यु को कष्टदायक न बनाएं।' इस पर आशावादी मेंढक बोला, 'हमें आखिरी सांस तक प्रयत्न करना चाहिए। शायद सचमुच बाहर निकलने में हम कामयाब हो जाएं।' इतना कहकर वह लगातार हाथ-पैर मारता रहा। इस दौरान वह थककर बेहोश हो गया। उसके होश में आने पर सवेरा हो चुका था। उसने अपने आपको छाछ के ऊपर मक्खन की सतह पर पाया। उस मेंढक के लगातार हाथ-पैर मारने से छाछ में मक्खन बन आया था, उसी से मेंढक की जान बच गई। उसने हर तरफगौर से देखा कि उसका मित्र कहां है। परंतु उसका मित्र तो छाछ में नीचे मरा पड़ा था। उसने बिना कोई प्रयत्न किए शरीर को ढीला छोड़कर बच पाने की आशा भी छोड़ दी थी और मृत्यु का ग्रास बन गया। आशावादी मेंढक को अपने मित्र की मृत्यु पर काफी दुख हुआ। अब उसके जीवन में आशावादी दृष्टि का महत्व और भी बढ़ गया।

सूडोकु नवताल- 7385

★★★☆☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7384 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 8600

बाएँ से दाएँ

1. सुगंध, खुशबू-3
3. व्यवस्था-2,2
5. आम लोग-2
6. चिंतन, सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश, विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वसय, घेरा-3
15. आंचल, पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर, पिता का घर-3
24. नवीन, नया, नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक, न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे

1. जी, चित्त, इच्छा-2
2. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर, विदुषक-4
5. दुनिया, जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव, हरदम-2
11. जन्म, पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी, नलका-2
18. वश, अधीन-2
19. परिणाम, हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8599 का हल

वृ	क्ष		अ	रा	ध	ना		जु
	मा	न	क		ड़		च	र्म
अ		स	ड़	न		सु	र	
चा	ल			त		ब	खा	न
न		आ	रा	म	दे	ह		न
क	म	रा		स्त			भा	दो
	री	म		क	च	रा		ई
माँ	ज		रा		र	स	म	
त		को	ह	रा	म		स्त	र

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मकर संक्रांति पर वारी के पांढरी पाट मंदिर में लगेगा भव्य मेला

आयोजन को लेकर समिति व पंचायत प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक, मार्ग पूर्ण नहीं होने पर जनता में आक्रोश

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल माँ पांढरी पाट देवी धाम वारी जहां रोजाना सैकड़ो की संख्या में दर्शनार्थी एवं पर्यटको का आवागमन रहता है। वहीं मकर संक्राति के पावन पर्व पर माँ पांढरी पाट देवी धाम में प्रसिद्ध मेले का भी आयोजन किया जाता है जो कि कई वर्षो से प्रचलित है। यहां मकर संक्राति के पावन अवसर पर हजारो की तादाद में दर्शनार्थी एवं पर्यटक दर्शन लाभ के लिये वारी देवी धाम पंहुचते है। माँ पाढंरी पाट देवी धाम जनकल्याण समिति एवं पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में प्रसिद्ध वारी मेले का आयोजन 14 जनवरी को किया जा रहा है। इसी मेले को लेकर 5 जनवरी को ग्राम पंचायत वारी के सभा गृह में विशेष बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक में प्रमुख रूप से ग्राम सरपंच ऋषि पटेल, धनीराम इनवाती पूर्व जनपद सदस्य, झनकलाल कावरे, मन्नुलाल आचरे उपसरपंच, श्रवण बिसेन पूर्व उपसरपंच, रामदास खरे, ग्राम के गणमान्य नागरिक, पंच गण, ग्राम वासी उपस्थित रहे। जिनके द्वारा पूर्वानुसार ही व्यवस्थाओं को लेकर निर्णय लिया गया है। अन्यत्र क्या क्या सुविधायें दर्शनार्थी एवं पर्यटकों को दी जा सकती है इस विषय पर भी चर्चा की गई। व्यापारियों को दुकानें आवंटन को लेकर तथा पार्किंग की व्यवस्था को लेकर भी विचार विमर्श किया गया। वहीं पुलिस प्रशासन को भी इस संदर्भ अवगत कराये जाने की बात कही गई क्योंकि वारी मेले में हजारो की तादाद में महिला, बुजूर्ग, बच्चे पंहुचते है।

मार्ग निर्माण नही होने जनता में आक्रोश

बतादे कि प्रसिद्ध देवीधाम जाने के लिये मार्ग का निर्माण कार्य किया जा रहा है जो कि बेहद ही कछुआ गति से चल रहा है। जिसको लेकर अब ग्राम सहित क्षेत्र की जनता में आक्रोश व्याप्त है। मुख्य मार्ग से वारी देवीधाम तक महज 2 से 3 किमी की का यह मार्ग है जिसका निर्माण कार्य प्रारंभ हुये 1 से देढ वर्ष पूर्ण होने लगे है लेकिन ठेकेदार के द्वारा यह निर्माण कार्य पूर्ण नही किया गया है। वहीं विभाग भी इस निर्माण कार्य को लेकर चिंतित नही दिखाई दे रहा क्योंकि निर्माण कार्य पूर्ण करने के लिये विभाग की कोई क्रिया प्रतिक्रिया नजर नही आ रही है। वर्तमान में भी क्षेत्र की जनता ने आक्रोश व्याप्त करते हुये कहा कि शासन प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिये। प्रशासन को पता है कि क्षेत्र में सबसे बडा वारी मेला आयोजित होता है जहां हजारो की तादाद में दर्शनार्थी पर्यटक आते है हजारो की संख्या में वाहनो का आवागमन होता है ऐसे में यदि वारी देवी धाम पंहुच मार्ग की सुचारू नही होगा तो कैसे दर्शनार्थी सुगम आवागमन कर पायेंगे। शासन प्रशासन इस ओर ध्यान देवे और अतिशिघ्र मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण करवाया जाये।

मानव चेतना महादेव ट्रस्ट मोहझरी बनी विजेता

पद्मेश न्यूज। लांजी। एकल सच अभियान, लांजी के तत्वावधान में 4 जनवरी को मोहझरी के सामुदायिक भवन में ओपन भजन प्रतियोगिता संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में मानव चेतना महादेव ट्रस्ट मोहझरी द्वारा संचालित मानव चेतना बाल गोपाल की भजन मंडली ने प्रथम स्थान प्राप्त कर न केवल प्रतियोगिता के विजेता बने बल्कि भक्ति संस्कार और अनुशासन की मिसाल भी प्रस्तुत की। यह सफलता केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि बच्चों की मेहनत, आस्था और आत्मविश्वास की शानदार जीत है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के साथ ही मंडल की टीम ने अगले चरण की प्रतियोगिता में भी पूरे आत्म बल और मजबूती के साथ अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है। भजन मंडल के सदस्य मंडल की संयोजिका कुमारी पलक पारधी विशेष सहयोगी श्रीमती सुनीता भगत संगीत शिक्षक युगल किशोर नाकतोड़े एवं इन सबके प्रेरणा स्रोत राजू अवसरे बधाई के पात्र हैं। उल्लेखनीय है कि इस प्रेरणादायक प्रतियोगिता में नौ गाँवों की आमंत्रित किए गए थे जिसमें चिखलमाली ,बोरी , ढूढवा, मोहझरी, सावरी, उमरी, कांद्रीखुर्द आदि गांवों की टीमों ने भाग लिया।

वारी में आज से पंचायती टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी जनपद पंचायत क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत वारी में आज 6 जनवरी से पंचायती टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उक्त आयोजन वारी वारियर्स क्रिकेट क्लब वारी के तत्वाधान में स्व. शिव भाई बिसेन एवं दिनेश भाई मातरे की स्मृति में रानी स्टेडियम में वारी में आयोजित किया जा रहा है। 6 से जनवरी से 15 जनवरी तक यह प्रतियोगिता आयोजित होगी जिसमें पंचायत स्तरीय टीमें सहभागिता कर सकती है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 25 हजार एवं शील्ड, द्वितीय पुरस्कार 12 हजार 500 रूपयें एवं शील्ड प्रदान किया जायेगा। शुभारंभ अवसर पर प्रमुख रूप मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मीना सुधीर दशरिया, सरपंच ऋषि पटेल दशरिया, उपसरपंच मन्नुलाल आचरे, झनकलाल कावरे, रेखलाल कावरे संरक्षक माँ पांढरी पाट देवी धाम, डॉ सुधीर दशरिया, दिलीप जामरे, महारूदास मातरे, दयालाल उइके, शिवराम खरे, अमरनाथ पटले, धनीराम इनवाती, रामदास खरे, मनीराम मातरे, धनराज मरठे, सरवन बिसेन, बारेलाल चौधरी, टीसी पांचे, सुनऊ खरे सहित आमंत्रित अतिथि गणो की उपस्थिती कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात- 11 बजे से किया जायेगा। उक्त प्रतियोगिता का समापन 15 जनवरी को दोपहर 1 बजे मुख्य अतिथि लांजी किरनापुर विधायक राजकुमार करांहे, जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल, देवेन्द्र खोंगल, उपाध्यक्ष जनपद अजय अवसरे, ऋषि पटेल दशरिया ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बहेला, श्रीमती नर्मदा रामकिशन मर्सकोले, श्रीमती शीतल धर्मभूषण बनौठे जनपद सदस्य, डॉ मुकेश दशरिया स्थाई पटेल की उपस्थित में संपन्न होगा। उक्त प्रतियोगिता का आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ अमर जामरे, डॉ चैतेश खरे, चेतन इनवाती, हरिलाल भक्ते, कोमल, छबेलाल, देव, लक्ष्मीचंद, तुलसी, अजय चौधरी, शिव, कुणाल, मुकेश, विशाल, अमृत, राजेन्द्र, राजेश, दुर्गेश, अर्जुन, संकेत, अरविन्द मातरे, नितेश, सतीश, चिंतेश, हेमन्त, योगेश, आकाश, प्रतिक, सुमित, अजय, आशीष, बंटी, निर्भय, अरविन्द, अविनाश, रवि, प्रकाश, रामप्रसाद, पंकज प्रतिक, राजू मस्करे एवं समस्त खिलाड़ी तथा संरक्षण मण्डल डॉ धर्मभूषण बनौठे, विश्वनाथ किरमे, नारायण पन्द्रे के द्वारा उक्त संपूर्ण प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। समिति एवं संरक्षण मण्डल ने समस्त खेल प्रेमियों एवं पंचायती स्तरीय टीमों से उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की गई है।

सांदीपनि स्कूल कटंगी में छात्रों ने वाल पेंटिंग से बिखेरा रंगों का जादू

पद्मेश न्यूज। कटंगी। सांदीपनि स्कूल कटंगी में कक्षा 12वीं गणित संकाय के अध्ययनरत छात्रों द्वारा विद्यालय परिसर की दीवारों पर आकर्षक वाल पेंटिंग कर रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने रंगों के माध्यम से प्रकृति, संस्कृति और सामाजिक संदेशों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की विशेष आकर्षण डॉ. गौरी शंकर पटले एवं डॉ. भुनेश्वरी पटले की पुत्री कु. मानसी पटले की वाल पेंटिंग रही, जिसमें उन्होंने सिवनी जिले के प्रसिद्ध पेंच नेशनल पार्क से जुड़ी 'मोगली' के जीवनकाल पर आधारित चित्रकला का मनमोहक चित्रण किया। उनकी इस कलाकृति ने उपस्थित सभी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इस कार्य में उनके सहयोगी अभिजित ने भी पूर्ण सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में सांदीपनि स्कूल के प्राचार्य शैलेंद्र गुप्ता, कक्षा शिक्षक श्री निर्मल बिसेन, भाजपा कटंगी मंडल अध्यक्ष मुकेश चौकसे सहित विद्यालय का समस्त शिक्षक स्टाफ उपस्थित रहा। अतिथियों ने छात्रों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ छात्रों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ रचनात्मक सोच को भी प्रोत्साहित करती हैं। विद्यालय प्रबंधन द्वारा छात्रों के इस प्रयास की प्रशंसा की गई और भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही गई।

मोटर सायकल अनियंत्रित होकर फिसली, एक घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सावरीखुर्द में एक सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक घायल हो गया जिसे उपचार हेतु सिविल अस्पताल लांजी लाया गया। घटना के संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम आलीटोला थाना किरनापुर निवासी रामप्रसाद पिता सुभाष कुम्हरे उम्र 22 वर्ष 5 जनवरी 2026 को शाम करीब 4 बजे अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 50 एमव्ही 9318 से अपनी बहन के गांव खेडेपार सींघूटोला महाराष्ट्र जा रहा था तभी जैसे ग्राम सावरी खुर्द बोधीटोला मोड़ पंहुचा था तो अज्ञात कारण से वाहन अनियंत्रित हो गया जिससे वाहन चालक वाहन सहित झाडियों में जा गिरा जिसके चलते युवक को गंभीर चोटे आई है। स्थानीय लोगो के द्वारा घटना को देखते हुये तुरंत दुर्घटना में घायल वाहन चालक की मदद करते हुये 108 एंबुलेंस की सहायता से युवक को सिविल अस्पताल लांजी लाया गया जहां उपस्थित डाक्टर अंकित तुरकर एवं स्टाफ के द्वारा युवक का प्राथमिक उपचार कर उसे गोंदिया रिफर किया गया।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता बोधसिंग के नेतृत्व में विधायक पारधी के निवास पर घंटा बजाते हुए पहुँचे कांग्रेसी

मंत्री विजयवर्गीय के बयान को कांग्रेस ने बताया अमानवीय

पद्मेश न्यूज। कटंगी। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से 16 लोगों की मौत हो चुकी है। 200 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती है। 26 लोगों का आईसीयू में उपचार चल रहा है। इस घटना को लेकर गत दिनों मीडियाकर्मी द्वारा पूछे गए सवाल पर संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के अशोभनीय बयान को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के आव्हान पर कटंगी में स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता बोधसिंग भगत के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सत्तारूढ़ भाजपा विधायक गौरव सिंह पारधी के निवास पर जाकर घंटा बजाकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि इस दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं हुई। इस विरोध प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कटंगी अध्यक्ष नीरज हीरावत, तिरोड़ी अध्यक्ष ज्ञानीराम राहंगडाले, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सुनील जैन, प्रशांत हुमनेकर, महेन्द्र भगत, शारदेश्वर शिव, डालीराम भगत, विक्की श्रीवास्तव, बब्लू अगासे, मिनेश ठाकरे, अभिषेक पारधी, उमेश पटले, लिखन नेवारे, पार्षद मिनेश सहित अन्य मौजूद रहे।

सत्ता के अहंकार में डूबे मंत्री विजयवर्गीय- भगत

पूर्व सांसद बोधसिंग भगत ने कहा कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सत्ता के अहंकार में डूबे हुए हैं। आम जनता की मौत पर मीडिया के सवाल पर उनका जवाब अशोभनीय एवं अमानवीय है। खुद को अनुशासनिक संगठन का राग अलापने वाली भाजपा के बदजुबान मंत्री पर सरकार ने अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया है। मंत्री विजयवर्गीय का यह बयान इंदौर में दूषित पानी पीकर जान गवाने वाले लोगों के परिजनों की भावनाओं पर कुठाराघात है। सरकार के जिम्मेदार मंत्री का यह रवैया इतनी बड़ी घटना को लेकर सरकार की गंभीरता एवं कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़ा करता है। कांग्रेस पार्टी इसका पुरजोर विरोध कर मंत्री विजयवर्गीय के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की मांग करती है।

अशोभनीय कृत्य के लिए माफी मांगे मंत्री- हीरावत

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नीरज हीरावत ने कहा कि इंदौर की घटना पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का मीडियाकर्मी को दिया गया बयान अशोभनीय एवं दूषित पानी से मृत हुए लोगों के परिजनों के दर्द पर नमक छिड़कने जैसा है। विडम्बना यह है कि इस शर्मनाक करतूत के बाद भी मंत्री ने जनता से माफी नहीं मांगी है। यह सरकार के नुमाइंदों की तानाशाही को इंगित करता है।

वारासिवनी एसडीएम ने कंजई हायर सेकेण्डरी स्कूल एवं चेक पोस्ट का निरीक्षण किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने 05 जनवरी को लालबर्रा तहसील के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कंजई, जिले में बाहर से आने वाली धान की निगरानी के लिए कंजई में बनाये गए चेक पोस्ट एवं कंजई के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। हायर सेकेण्डरी स्कूल कंजई के निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री जायसवाल ने छात्र छात्राओं से संवाद किया और उन्हें अपने पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्र छात्राओं से कहा कि वे भविष्य में क्या बनना चाहते है इसका लक्ष्य अभी से तय कर ले और उसी के अनुसार अपनी पढ़ाई करें। उन्होंने छात्र छात्राओं से बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंको के साथ सफल होने के लिए कड़ी मेहनत करने कहा। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं से कहा कि वे बोर्ड परीक्षा में शाला का परीक्षा परिणाम 90 प्रतिशत से अधिक लाने के लिए कारगर प्रयास करें। बच्चें जिन विषयों में कमजोर है और जिन विषयों का कोर्स पूरा नही हुआ है उसके लिए अवकाश के दिनों में रेमेडियल क्लॉस लगाए। एसडीएम जायसवाल ने विद्यालय के निरीक्षण के दौरान टायलेट एवं शौचालयों को भी देखा। टायलेट में गंदगी पायी गई और गटर खुला पाया गया। इस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए प्राचार्य को निर्देशित किया कि टायलेट की साफ सफाई पर विशेष ध्यान दे और खुले गटर को शीघ्र बंद करवाए। कंजई चेक पोस्ट के निरीक्षण के दौरान उन्होंने चेक पोस्ट से जिले में प्रवेश करने वाले एवं निकलने वाले वाहनों की जानकारी ली और निर्देशित किया कि समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की अवधि तक धान लेकर जिले में आने वाले वाहनों पर कड़ी निगरानी रखे। एसडीएम श्री जायसवाल ने कंजई के उप स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं को देखा। निरीक्षण के दौरान कंजई चेक पोस्ट एवं स्वास्थ्य केंद्र में कुछ कर्मचारी अनुपस्थित पाये गए, जिन्हें कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र-राजस्थान जल विवाद पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा...

5 नहीं, 7 प्रतिशत पानी दे देंगे, राजस्थान पाकिस्तान थोड़ी है

भोपाल/जयपुर। राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट में मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजस्थान-मध्यप्रदेश जल विवाद पर कहा कि पिछले 25 साल से राजस्थान के साथ झगड़ा चल रहा है कि इनको 5 प्रतिशत पानी क्यों दें? पानी नहीं देना चाहिए। कोई बोल रहा है देना चाहिए। मोहन यादव ने कहा कि हम सरकार में आए। मैंने भजनलाल जी से बात की। भजनलाल शर्मा ने कहा कि पानी को लेकर और उद्योग आदि के लिए दिक्कत है। पानी मिल जाएगा तो राजस्थान का भविष्य भी अच्छा हो जाएगा। हमने कहा 5 प्रतिशत नहीं, हम तो 7 प्रतिशत भी दे देंगे। राजस्थान पाकिस्तान थोड़ी है। राजस्थान भी हमारा ही प्रदेश है। सीएम मोहन यादव राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट में बोल रहे थे।

सीएम मोहन यादव ने कहा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश परमात्मा की दया से साझा विरासतें हैं। नदियों के मामले में मध्य प्रदेश थोड़ा भाग्यशाली है। मध्य प्रदेश नदियों का लगभग मायका है। मध्य प्रदेश में 250 से ज्यादा नदियां हैं। लेकिन इस मामले में राजस्थान को थोड़ी कठिनाई है। ये परमात्मा की लीला है। उन्होंने कहा कि बहते पानी को कोई नहीं रोक सकता।

राजस्थान और मध्य प्रदेश का रिश्ता भाई जैसा

मोहन यादव ने कहा कि राजस्थान तो वैसे भी हमारा सहोदर भाई है। राजस्थान और मध्य प्रदेश हमेशा से एक दूसरे की साझा संस्कृति के लिए जाने जाते हैं। इसलिए उत्तर भारत के राज्यों में आईटी सेक्टर से जुड़े स्टार्टअप्स भी आएंगे। मध्य प्रदेश और राजस्थान की सरकार साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है।

दोनों राज्यों के 28 जिले लाभान्वित हो रहे

मोहन यादव ने कहा कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना, जिसका प्रधानमंत्री ने भूमि पूजन किया। कांग्रेस के जमाने से मामला लटकता आया था। राजस्थान में पानी की समस्या थी। मध्य प्रदेश के साथ भी बहते पानी को रोककर किसी व्यापारिक योजना में दिया जा रहा था। इस पर प्रधानमंत्री का आशीर्वाद मिला। इसलिए हम पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना के माध्यम से राजस्थान के 15 और मध्य प्रदेश के 13 जिले लाभान्वित हो रहे हैं। दोनों क्षेत्र में इस बड़ी योजना पर काम हो रहा है। मध्य प्रदेश एक नहीं बल्कि हमारे सभी राज्यों के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि केन बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के माध्यम से हम उत्तर प्रदेश के साथ काम कर रहे हैं। ताप्ती नदी के माध्यम से हम महाराष्ट्र के साथ काम कर रहे हैं। ऐसे कई सेक्टर में हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा- मैं उम्मीद करता हूं कि राजस्थान के साथ हमारे संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

इंदौर में दूषित पानी से अब तक 17 नहीं 30 मौतें हुई, सरकार आंकड़ों में कर रही हेराफेरी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर में दूषित पानी से हुई मौत के आंकड़ों को लेकर कहा कि अब तक 17 नहीं बल्कि 30 मौतें हो चुकी हैं। सरकार के भ्रष्टाचार के कारण लोगों की मौत हो रही है। सरकार मौत के आंकड़ों में हेराफेरी कर रही है। हमारे नेताओं को अंदर नहीं जाने दिया जा रहा क्योंकि पोल खुल जाएगी। सरकार का आंकड़ा है कि इंदौर में एक व्यक्ति पर पानी का खर्च 10 हजार रुपए है, फिर भी जनता को सही पानी नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वह जनता से अपील करते हैं कि 11 जनवरी को कांग्रेस के साथ निकाले जा रहे मार्च में शामिल हों। उस दिन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी इंदौर आ सकते हैं।

देवास में एसडीएम आनंद मालवीय को सस्पेंड करने पर पटवारी ने कहा कि जो सच बोल रहा है, उसपर कार्रवाई की जा रही हैं। यह तानाशाही है। एसडीएम ने सही लिखा तो उसको सस्पेंड कर दिया गया। सरकार तानाशाही पर उतर आई है। मनरेगा का नाम बदलने और किसान न्याय यात्रा पर उन्होंने कहा कि हम केंद्रीय कृषि मंत्री के क्षेत्र से किसान न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। वह किसान के बेटे हैं। अगर वह किसानों के लिए आवाज नहीं उठाएंगे, तो कौन उठाएगा। शिवराज सिंह चौहान अगर किसानों को उनकी फसल का उचित दाम नहीं मिलेगा, तो हम सड़क पर ही मिलेंगे। उन्होंने कहा कि हमें जी राम जी योजना के नाम से दिक्कत नहीं है। इन्होंने राज्य को 40 फीसदी पैसे का हिस्सा देने का फैसला लेकर योजना का कत्ल किया। राज्य के पास बजट में इतना पैसा नहीं है। यह सरकार जनता को गुमराह कर रही है।

बता दें पटवारी ने देवास के जिन एसडीएम आनंद मालवीय का जिक्र किया, उन्हें आंकड़ों की गलत जानकारी देने पर निलंबित किया गया है। उज्जैन संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने देवास के एसडीएम आनंद मालवीय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही, उदासीनता और अनियमितता बरतने के आरोपों के आधार पर की गई है, उनकी जगह पर अभिषेक शर्मा को एसडीएम बनाया गया है।

इसी कड़ी में देवास के कलेक्टर ने सहायक ग्रेड-तीन अमित चौहान को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अमित पर भी पदीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही, उदासीनता और अनियमितता बरतने के आरोप लगाए गए हैं।

मप्र बोर्ड की नई पहल, दिव्यांग छात्रों के लिए बड़ा ऐलान

लेखक से लेकर वाहन तक हर जरूरत होगी पूरी

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा फरवरी माह में शुरू होगी। परीक्षा में दिव्यांग छात्रों को परेशानी नहीं होगी। शारीरिक रूप से निश्शक्त छात्रों को परीक्षा केंद्र लाने ले जाने के लिए वाहन, दृष्टिबाधित छात्रों को लेखक देने जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। जिस दिव्यांग को जैसी जरूरत होगी, वैसी सुविधा परीक्षा में दी जाएगी। बोर्ड ने सभी प्राचार्यों को पत्र लिखकर स्कूलों के दिव्यांग छात्रों की श्रेणी अनुसार जानकारी मांगी है। यह जानकारी 15 जनवरी तक आनलाइन भेजनी होगी, इससे बोर्ड इन छात्रों की श्रेणी के हिसाब से मदद करेगा। जिन छात्रों को विशेष लाभ मिलेगा उनमें दृष्टिहीन जिन्हें देखने में समस्या है। वहीं बौद्धिक रूप से दिव्यांग और ऐसे छात्र जिनके हाथ की हड्डी टूट जाने या हाथ की खराबी के कारण वे लिखने में पूरी तरह असमर्थ हैं।

सत्र 2021-22 से लागू नियमों के तहत कक्षा नौवीं से 12वीं तक के उन छात्रों को भी ये सुविधाएं मिलेंगी जो शारीरिक रूप से विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इनमें सेरेब्रल पाल्सी, बौनापन, मस्कुलर डिस्ट्राफी, एसिड अटैक पीड़ित, श्रवण बाधित, वाक एवं भाषा दिव्यांगता के साथ-साथ ब्लड डिसआर्डर से ग्रसित छात्र शामिल हैं। साथ ही आटिज्म और पार्किंसंस जैसी न्यूरोलाजिकल स्थितियों वाले छात्रों को भी इसमें कवर किया गया है।

ये मिलेंगी सुविधाएं

दिव्यांग छात्रों के मूल्यांकन को सरल बनाने के लिए मंडल ने बड़ा निर्णय लिया है। सभी दिव्यांग छात्रों को प्रायोगिक परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्नों के आधार पर अंक दिए जाएंगे। ये प्रश्न नियुक्त किए गए बाह्य मूल्यांकनकर्ता द्वारा तैयार किए जाएंगे, जिससे छात्र अपनी क्षमता के अनुसार बेहतर प्रदर्शन कर सकें।- दृष्टिबाधित छात्रों व जिनके हाथ में खराबी है, उन्हें लेखक मिलेगा।

खरमास बाद हो सकता है मंत्रिमंडल विस्तार

18 जनवरी को दावोस जाने से पहले मुख्यमंत्री ले सकते हैं बड़ा निर्णय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की कैबिनेट का खरमास बाद यानी जनवरी के दूसरे पखवाड़े में विस्तार होने की संभावना है। मंत्रिमंडल से तीन से चार मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है। बताया जा रहा है कि दो साल के कार्यकाल की परफॉर्मेंस रिपोर्ट, आधार बनेगी। खराब परफॉर्मेंस वाले मंत्रियों को हटाकर नए चेहरों को मौका दिया जाएगा। वरिष्ठ विधायकों की भी मंत्रिमंडल में एंट्री हो सकती हैं। माना जा रहा है कि मंत्रिमंडल में 8 विधायक मंत्री पर की शपथ ले सकते हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मकर संक्रांति पर्व के बाद 18 जनवरी को स्विटरलैंड के दावोस जाएंगे। वे वहां 23 जनवरी तक आयोजित वैश्विक आर्थिक कार्यक्रम में हिस्सेदारी लेंगे। भाजपा सूत्रों का कहना है कि यदि राजनीतिक समीकरण ठीक रहे तो मुख्यमंत्री के विदेश रवाना होने से पहले ही मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। यदि नए मंत्रियों के नाम और मौजूदा मंत्रियों को हटाने पर विरोध की स्थिति बनती है तो फिर मामला आगे खिसक सकता है।

गौरतलब है कि प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार कार्यकाल के दो साल पूरा कर चुकी है। नया साल शुरू होने के साथ ही मंत्रिमंडल के विस्तार एवं फेरबदल की अटकलें शुरू हो गई हैं। खबर है कि पिछले महीने सत्ता और संगठन के बीच निगम-मंडलों में नियुक्तियों को लेकर मंथन का दौर खत्म हो चुका है। इस महीने नियुक्तियां होने की प्रबल संभावना है। इसके साथ ही मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर केंद्रीय नेतृत्व ने संकेत दे दिए हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री के विदेश दौरे पर रवाना होने से पहले शपथ होने के आसार हैं। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की समीक्षा बैठक में मंत्रियों और उनके विभागों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट सामने आई है। कुछ को अच्छे नंबर मिले है तो कुछ कमजोर निकले है। कमजोर परफॉर्मेंस वाले मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है। गौरतलब है कि मौजूदा समय में मुख्यमंत्री सहित 31 सदस्य डॉ. मोहन यादव मंत्रिमण्डल का हिस्सा है, विधानसभा में सदस्यों की संख्या के अनुपात में राज्य में सीएम सहित 35 मंत्री हो सकते है। ऐसे में 4 पद पहले से ही खाली है, जबकि 4 मौजूदा मंत्रियों से इस्तीफे लिए जा सकते है। इनमें से दो राज्यमंत्री तो इतने ही कैबिनेट या स्वतंत्र प्रभार के मंत्री हो सकते है। सूत्रों का यह भी कहना है कि मुख्यमंत्री अपने पास से कुछ विभागों को दूसरे मंत्रियों को देने के साथ ही विभागों में भी परिवर्तन कर सकते है। दरअसल सीएम अगले तीन साल तक पूरी तरह से मप्र को विकसित बनाने के मिशन पर और तेजी से काम करेंगे। इसके लिए वे मंत्रियों से भी उम्मीद करेंगे कि जिस मेहनत के साथ सीएम अपने संकल्पों को पूरा करने और मध्यप्रदेश के विकास को गति देने का काम कर रहे है, उसी तरह मंत्रियों को भी काम करना होगा।

डॉ. मोहन को मिल चुका है फ्री हैंड

पिछले महीने ग्वालियर प्रवास के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मोहन सरकार की पीठथपथपाई थी। शाह के दौरे के बाद से ही मप्र में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों को बल मिला है। खबर है कि कुछ मंत्रियों को पार्टी नेतृत्व की ओर से संकेत भी मिले हैं। इनमें वे मंत्री शामिल हैं, जिन्हें मंत्रिमंडल से बाहर किया जाना है और जिनके विभागों में तब्दीली होना है। हाल ही में सत्ता और संगठन के नेताओं की दिल्ली, भोपाल में हुई मुलाकातों को भी निगम मंडलों में नियुक्तियां और मंत्रिमंडल विस्तार से जोडक़र देखा जा रहा है। पिछले महीने सरकार की 2 साल की उपब्धियां गिनाते समय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंत्रिमंडल विस्तार के सवाल पर जल्द ही निर्णय के संकेत दिए थे। साथ ही उन्होंने मंत्रियों की परफार्मेंस की भी बात कही थी। इधर मंत्रिमंडल विस्तार की संभावना के चलते गृह विभाग की वाहन शाखा ने मंत्रियों के लिए वाहनों को इंतजाम करना शुरू कर दिया है। सीएम डॉ. मोहन यादव के पास भाजपा विधायकों की परफार्मेंस से जुड़ी सूची भी है, जिसके आधार पर ही डॉ. यादव अपने मंत्रिपरिषद के नए सदस्यों के बारे में फैसला ले सकते है। चर्चा है कि जब भी फेरबदल होगा, तब 6 से 8 विधायकों को सीएम मंत्री पद की शपथ दिलवा सकते हैं। इनमें कुछ वरिष्ठ विधायक भी हो सकते है। साथ ही निर्णय लेते वक्त जातीय और क्षेत्रीय संतुलन पर भी गौर किया जाएगा। इधर मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषद के संभावित फेरबदल के बाद नए सिरे से मंत्रियों को जिलों के प्रभार सौंपेगे। इसमें इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कुछ वरिष्ठ मंत्रियों को छोडक़र किसी भी मंत्री को दो जिलों का प्रभार नहीं दिया जाए।

नए उद्योगों के लिए लैंड बैंक तैयार

- एमपीआईडीसी ने 4 हजार एकड़ से अधिक जमीनें 125 उद्योगों को आवंटित की

भोपाल। प्रदेशभर में बढ़ रहे औद्योगिक निवेश को देखते हुए एमपीआईडीसी ने 17 हजार एकड़ का नया लैंड बैंक तैयार किया है। मालवा-निमाड़ के 8 जिलों में लगभग 17 हजार एकड़ का लैंड तैयार किया गया है। इसके साथ ही एमपीआईडीसी से मिली जानकारी के अनुसार साल 2025 में 4 हजार एकड़ से अधिक जमीनों का आवंटन 125 नए उद्योगों को किया है, जिसमें लगभग 22 हजार करोड़ रुपए के निवेश के साथ 66 हजार से अधिक को रोजगार मिलने का दावा किया गया है। इंदौर-पीथमपुर इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर, सेक्टर 7 और पीएम मित्र पार्क में भी बड़ी कंपनियों ने जमीनों का आवंटन करवाया है। एमपीआईडीसी के मुताबिक लगभग 17 हजार एकड़ का लैंड बैंक इंदौर-पीथमपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में तैयार कर लिया है और लगातार नए उद्योगों को जमीनों का आवंटन किया जा रहा है। बीते वर्ष यानी 2025 की बात की जाए तो 4 हजार एकड़ से अधिक जमीनें सवा सौ नई औद्योगिक इकाइयों को आवंटित की गई, जिनमें 22 हजार करोड़ रुपए का निवेश हो रहा है। आईटी, टेक्सटाइल, गारमेंट, पेंट्स, डाटा सेंटर, लॉजिस्टिक, वेयर हाउस सहित अन्य तमाम प्रोजेक्ट आ रहे हैं। इतना ही नहीं, जो पीएम मित्र पार्क मध्यप्रदेश को मिला है, उसमें भी अरविन्द, बेस्ट लाइफ, जैन कोर्ड इंडस्ट्रीज से लेकर ट्राइडेंट जैसी बड़ी कंपनियों को जमीनें आवंटित की गई हैं।

मांग पूरी नहीं तो अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे

बैंकों में 5 डे वीक वर्किंग की मांग...भोपाल में धरना, बोले

भोपाल। पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह यानी, 5 डे वीक वर्किंग की मांग को लेकर सोमवार को भोपाल में बैंककर्मियों ने धरना दिया। वे एमपी नगर में इकट्ठा हुए। यहीं पर सभा भी हुई। इससे पहले दो बार वे नारेबाजी कर चुके हैं। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि केंद्र सरकार जल्द मांग को नहीं मानती है तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल भी जा सकते हैं।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस मध्यप्रदेश के को-ऑर्डिनेटर वीके शर्मा ने बताया कि यूनियंस के आह्वान पर देशभर के बैंक अधिकारी-कर्मचारी आंदोलनरत हैं। इसके चलते सोमवार सुबह 11 से दोपहर 2.30 बजे तक पंजाब नेशनल बैंक इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स शाखा एमपी नगर के सामने धरना प्रदर्शन किया गया। इसमें सभी सरकारी बैंक के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

देशभर में 10 लाख बैंककर्मी

यूनियंस के पदाधिकारी शर्मा ने बताया, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने बैंक की शाखा और कार्यालयों में कार्यरत बैंकिंग उद्योग के 10 लाख बैंक कर्मचारी और अधिकारियों पर बढ़ते तनाव और दबाव के कारण पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह शुरू करने की मांग की थी। वर्ष 2015 में बैंक कर्मचारी और अधिकारियों के साथ हुए द्विपक्षीय समझौते में यह तय हुआ था कि हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को छुट्टी होगी और इसके बदले बाकी शनिवार, जिनमें की आधा दिन बैंकों का कामकाज होता था, में पूरे दिन का कामकाज होगा। इसके बाद हुए द्विपक्षीय समझौता के दौरान हमने बाकी शनिवार को भी छुट्टी घोषित करने की अपनी मांग को आगे बढ़ाया, लेकिन कोविड महामारी के दौरान हुए समझौता के कारण हमारी मांग को उतनी गंभीरता से नहीं लिया गया। इसके बाद गत समझौता के दौरान पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह के मुद्दे को फिर से उठाया गया। इस दौरान हुई द्विपक्षीय वार्ताओं के दौरान दिसंबर 2023 को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस और बैंक प्रबंधन के बीच इस मुद्दे पर सहमति हो गई। इस सहमति को अपनी सिफारिश के साथ बैंक प्रबंधन ने वित्त मंत्रालय केंद्र सरकार को पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने बाबत सिफारिश प्रेषित कर दी। कार्य के घंटे में जरूरी बदलाव, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक से जरूरी मंजूरी के बाद यह लागू की जा सकेगी। इस मुद्दे को मंजूरी के लिए सरकार को सिफारिश किए हुए दो वर्ष हो गए, लेकिन सरकार ने अभी तक सहमति प्रदान नहीं की है।

पहले आश्वासन के बाद स्थगित हो गई थी हड़ताल

पदाधिकारियों ने बताया, इस मुद्दे पर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने 24 और 25 मार्च 2025 को हड़ताल का आह्वान भी किया था, लेकिन हड़ताल के तीन दिन पूर्व वित्त मंत्रालय और बैंक प्रबंधन के आश्वासन के कारण हड़ताल स्थगित कर दी गई थी। इस मुद्दे में जानबूझकर की जा रही देरी के खिलाफ यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने फिर से आंदोलन करने का निर्णय लिया है।

भोपाल एम्स की प्रोफेसर रश्मि वर्मा की मौत

आत्महत्या के प्रयास के बाद 23 दिन से वेंटिलेटर पर थीं

भोपाल। भोपाल एम्स के इमरजेंसी एवं ट्रॉमा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रश्मि वर्मा की 23 दिन चले इलाज के बाद सोमवार को मौत हो गई है। 11 दिसंबर को आत्महत्या का प्रयास करने के बाद से वे एम्स के आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर थीं। तमाम कोशिशों, विशेषज्ञों की निगरानी और इलाज के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी।

एम्स के अनुसार, सोमवार की सुबह करीब 11 बजे डॉ. रश्मि वर्मा ने अंतिम सांस ली। उनका शव परिजनों को सौंप दिया गया। डॉ. रश्मि वर्मा ने बेहोशी की दवा (एनेस्थीसिया) का हाई डोज लिया था। उनके पति ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन शाक्य उन्हें बेहोशी की हालत में एम्स लेकर पहुंचे थे।

7 मिनट तक रुकी थी दिल की धडक़न

एम्स पहुंचने से पहले करीब 25 मिनट का वक्त निकल चुका था। डॉक्टरों के मुताबिक, इस दौरान डॉ. रश्मि का दिल लगभग 7 मिनट तक धडक़ना बंद कर चुका था। इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टरों ने तुरंत सीपीआर शुरू किया और तीन बार रेससिटेशन के बाद उनकी हार्टबीट वापस लाई जा सकी थी। हालांकि, इतने लंबे समय तक ब्रेन को ऑक्सीजन नहीं मिलने से मस्तिष्क को गंभीर क्षति पहुंच चुकी थी।

5500 करोड़ की लागत से मप्र में बनेगा देश का पहला स्टेट लेवल टाइगर कॉरिडोर

परियोजना में चार प्रमुख टाइगर रिजर्व पेंच, कान्हा, बांधवगढ़ और पन्ना को आपस में जोड़ा जाएगा

भोपाल। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं राज्य लोक निर्माण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से मध्य प्रदेश में देश का पहला राज्य स्तरीय टाइगर कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसके जरिये प्रदेश के चार प्रमुख टाइगर रिजर्व पेंच, कान्हा, बांधवगढ़ और पन्ना को आपस में जोड़ा जाएगा। इस परियोजना पर पांच हजार पांच सौ करोड़ से अधिक की राशि खर्च की जाएगी।

सडक़ों, रेल लाइनों और शहरी विस्तार से जब वन क्षेत्र कट जाते हैं तो वन्य जीवों की प्राकृतिक आवाजाही बाधित होती है। इससे उनके प्रजनन और भोजन चक्र पर असर पड़ता है और मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इस परियोजना के तहत कान्हा, पेंच, बांधवगढ़ और पन्ना जैसे प्रमुख टाइगर रिजर्व सहित संरक्षित वन क्षेत्रों के बीच एक सुरक्षित और वैज्ञानिक रूप से डिजाइन किया गया संपर्क मार्ग तैयार किया जाएगा। इससे वन्य प्राणियों का संरक्षण भी होगा और सडक़ों के उन्नयन से विकास की रफ्तार भी तेज होगी। टाइगर रिजर्वों के बीच आवागमन सुगम होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। पूरी परियोजना में वन विभाग का भी सहयोग लिया जा रहा है।

बाघ अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों को जोड़ा जाएगा

इस टाइगर कॉरिडोर परियोजना से विभिन्न बाघ अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों को आपस में जोड़ा जाएगा ताकि बाघ और अन्य वन्य जीव सुरक्षित रूप से एक वन क्षेत्र से दूसरे वन क्षेत्र में आवागमन कर सकें। यह टाइगर कॉरिडोर करीब ढाई सौ किलोमीटर लंबा होगा। इसमें टाइगर रिजर्वों के प्रवेश द्वारों तक जाने वाली कनेक्टिंग सडक़ों और आसपास के क्षेत्रों का उन्नयन भी किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण परियोजना के अंतर्गत पेंच से सिवनी के बीच एनएच 44 पर मौजूद फोर लेन और पेवर्ड शोल्डर का उन्नयन किया जाएगा।

सडक़ हादसों में हर साल सैकड़ों जानवरों की होती है मौत

जानकारों का कहना है कि हर साल सैकड़ों की संख्या में सडक़ हादसों में वन्य जीवों की मौत होती है। रेल हादसे हों या सडक़ हादसे, इनमें टाइगर और तेंदुआ जैसे शेड्यूल वन के वाइल्डलाइफ एनिमल भी शिकार होते हैं। इसी वजह से लंबे समय से मध्यप्रदेश में टाइगर कॉरिडोर बनाने की मांग की जा रही थी। अब सरकार इसकी शुरुआत जल्द ही करने वाली है, जिससे वन्य प्राणियों की सुरक्षा हो सके और लोग भी आसानी से सडक़ मार्ग से सफर कर सकें। हालांकि इसके लिए राज्य सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार की मदद भी आवश्यक होगी। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी समेत कई अन्य सरकारी एजेंसियों को निगरानी समिति में शामिल किया गया है।

जनता को गुमराह कर रही सरकार

ग्राम पंचायत कमेटी गठन के लिए कांग्रेस का अभियान-जीतू बोले

भोपाल । रायसेन जिले में किसान कांग्रेस की तरफ से निकाली गई। किसान कांग्रेस की पदयात्रा में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी शामिल हुए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि राम के नाम पर भाजपा सरकार ने मनरेगा योजना का नाम बदलकर 'जी राम जी' कर दिया है। उन्होंने कहा, मैं मानता हूं कि धरती के कण-कण में भगवान राम हैं और हमारे देश के करीब 50 प्रतिशत लोगों के नाम राम से जुड़े हैं, लेकिन केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को यह समझना चाहिए कि जनता को भ्रमित न करें।

उन्होंने कहा कि सरकार ने जो नई योजना शुरू की है, उसमें 40 प्रतिशत खर्च का भार राज्य सरकार पर डाल दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या मध्यप्रदेश की आर्थिक स्थिति ऐसी है कि राज्य सरकार यह 40 प्रतिशत राशि वहन कर सके। जो सरकार रोजाना करीब 200 करोड़ रुपए का कर्ज ले रही है, वह इस योजना को कैसे चला पाएगी।

1 साल में 1 लाख करोड़ का कर्ज लिया

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मोहन यादव सरकार एक साल में एक लाख करोड़ रुपए का कर्ज ले चुकी है और साल के अंतिम दिन भी 3,500 करोड़ रुपए का कर्ज लिया गया। पटवारी ने कहा कि वे शिवराज सिंह चौहान को चुनौती देते हैं और मनरेगा को लेकर उनसे खुली बातचीत करना चाहते हैं। पटवारी ने आगे कहा कि राम का नाम दो बार और योजना में जोड़ दीजिए, लेकिन योजना का कत्ल मत कीजिए। भाजपा और उसकी सरकार मनरेगा योजना को खत्म करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में 75 प्रतिशत किसान परिवार हैं और जब तक कृषि समृद्ध नहीं होगी, तब तक देश भी समृद्ध नहीं होगा। पटवारी ने चेतावनी दी कि किसानों के लिए भाजपा ने जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा करना होगा, अन्यथा कांग्रेस सडक़ों पर उतरेगी।

एशेज टेस्ट : रुट के शतक के बाद हेड की आक्रामक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया का पलटवार

इंग्लैंड पहली पारी 384, ऑस्ट्रेलिया 166/2

सिडनी। एशेज के पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड ने अनुभवी बल्लेबाज जो रुट के शतक 160 रनों की सहायता से दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 384 रन बनाये। वहीं मेजबान टीम की तरफ से माइकल नेसेर ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट लिए।

इसके बाद ट्रेविस हेड की आक्रामक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिाई टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में 2 विकेट पर 166 रन बना लिए थे। स्टंप के समय ट्रेविस हेड 91 और माइकल नेसर 1 रन पर खेल रहे थे। इंग्लैंड की तरफ से एकमात्र सफल गेंदबाज बेन स्टोक्स रहे, जिन्होंने 8.1 ओवरों में 30 रन देकर 2 विकेट लिए।

आज के दिन का आकर्षण रुट की बल्लेबाजी रही। रुट ने अपने शतक के साथ ही 41वां टेस्ट शतक लगाकर इंग्लैंड को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया पर उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों के विफल रहने से टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। मेजबान टीम की और से ट्रेविस हेड ने अच्छी शुरुअत करते हुए तेजी से रन बनाकर इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया। आज सुब इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 211 से शुरुआत की पर हैरी ब्रूक जल्दी आउट हो गए। ब्रूक ने 97 गेंदों में 84 रन बनाए और रूट के साथ चौथे विकेट के लिए 171 रन की साझेदारी बनायी थी। वहीं कप्तान बेन स्टोक्स रन बनाने में विफल रहे और शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। यह 14वीं बार था जब स्टार्क ने स्टोक्स को आउट किया। वहीं जेमी स्मिथ ने 46 रन बनाए, जबकि विल जैक्स और ब्रायडन कार्स रन नहीं बना पाये। रूट ने 242 गेंदों में 160 रन बनाये।

इसे बाद ऑस्ट्रेलिया की ओर से जेक वेदराल्ड का विकेट शुरुआत में ही गिरने के बाद भी ट्रैविस हेड दूसरे छोर पर टिके रहे। उन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाजों को उभरने नहीं दिया । हेड ने केवल 55 गेंदों में ही पचास रन बना दिया। वहीं मार्नस लाबुशेन ने 48 रन बनाए। इन दोनो के बीच दूसरे विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी हुई। लाबुशेन के आउट होने के बाद भी हेड की बल्लेबाजी तेजी से चलती रही। खराब रोशनी और बारिश के कारण दूसरे दिन खेल समय से पहले ही समाप्त हो गया।

आईसीसी से किसी अन्य देश में मैच रखने को कहा

बांग्लादेश बोर्ड ने कहा सुरक्षा कारणों से टी20 विश्वकप के लिए भारत नहीं भेज सकते टीम

ढ़ाका । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप के लिए भारत दौरे से इंकार कर दिया है। बीसीबी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीस) को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि सुरक्षा कारणों से उसके मुकाबले भारत में न रखे जायें। बोर्ड ने फैसला मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर करने के बाद लिया है। बीसीबी निदेशक फारूक अहमद ने कहा कि कि 3 जनवरी को भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम से मुस्ताफिजुर रहमान को रिलीज करने को कहा था। अहमद ने कहा, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने शायद सुरक्षा कारणों से केकेआर से मुस्ताफिजुर को रिलीज करने को कहा होगा। इसका कारण है कि दोनों देशों के बीच जारी तनाव को देखते हुए उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती थी। बीसीसीआई ने ये फैसला इसलिए लिया क्योंकि कुछ संगठनों ने आईपीएल में बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल किए जाने का विरोध किया था। इन समूहों का कहना था कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को देखते हुए किसी बांग्लादेशी को यहां आने नहीं देंगे। अहमद ने कहा कि बीसीबी अपने स्तर पर ऐसा कोई फैसला नहीं ले सकता। उन्होंने कहा, बोर्ड सरकार के तहत ही काम करता है और सरकारी फैसले बेहद अहम होते हैं। हम अपने बल पर कोई फैसला नहीं ले सकते। सरकार ने क्रिकेट बोर्ड को उसी के अनुसार काम करने को कहा है। उन्होंने साथ ही कहा , अगर मुस्ताफिजुर के लिए सुरक्षा चिंता का विषय है, तो टीम को कोलकाता और मुंबई भी जाना होगा। यह सरकार के लिए बड़ा मसला है।बीसीबी निदेशक ने कहा कि मुस्ताफिजुर की सुरक्षा को लेकर मामला राजनीतिक स्तर तक पहुंच गया। उन्होंने कहा, जब एक खिलाड़ी को सुरक्षा नहीं दी जा सकती, तो पूरी बांग्लादेश टीम और सहायोग स्टाफ की सुरक्षा किसे प्रकार संभव हैं। टी20 विश्वकप अगले माह होने वाला है। इससे ठीक पहले बीसीबी की भारत से बार मुकाबले कराने की मांग पूरी करना आईसीसी के लिए काफी कठिन होगा।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन चोट से जूझ रहे, टी20 वर्ल्ड कप को लेकर बढ़ा टेंशन

नई दिल्ली। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड को चिंता सता रहा है क्योंकि टीम के सबसे तेज़ और अनुभवी गेंदबाज़ लॉकी फर्ग्यूसन पिंडली चोट से जूझ रहे हैं और इससे उबरने वह संघर्ष कर रहे हैं। आईएलटी20 के दौरान लगी इस चोट ने न सिर्फ उनकी फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट योजनाओं को पटरी से उतार दिया, बल्कि भारत और श्रीलंका में होने वाले वर्ल्ड कप की तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। चयनकर्ता अब उनके विकल्पों पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं।

बता दें दिसंबर में दुबई में खेले गए आईएलटी20 मुकाबले के दौरान लॉकी फर्ग्यूसन को बड़ा झटका लगा। एमआई एमिरेट्स के खिलाफ डेजर्ट वाइपर्स की ओर से गेंदबाज़ी करते हुए उन्होंने अपने दूसरे ओवर में सिर्फ तीन गेंदें ही फेंकी थीं कि पिंडली में तेज दर्द के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। शुरुआती जांच में चोट गंभीर पाई गई, जिसके चलते उन्हें पूरे आईएलटी20 सीजन से बाहर होना पड़ा। यही नहीं, इसके बाद उनकी बिग बैश लीग में वापसी की उम्मीद भी खत्म हो गई।

-फर्ग्यूसन ने नवंबर 2024 के बाद से टीम के लिए कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला

फर्ग्यूसन के बाहर होते ही डेजर्ट वाइपर्स ने तुरंत पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक को टीम में शामिल किया और सैम कुरेन ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली।

वहीं बिग बैश लीग में सिडनी थंडर को भी बड़ा फैसला लेना पड़ा।

फर्ग्यूसन की अनुपलब्धता की पुष्टि होते ही थंडर ने इंग्लैंड के ऑलराउंडर डेविड विली को उनके रिप्लेसमेंट के रूप में साइन कर लिया। सिडनी थंडर के जनरल मैनेजर ट्रेंट कोपलैंड ने फर्ग्यूसन के बाहर होने पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि लॉकी सिर्फ 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाज़ी करने वाले तेज गेंदबाज़ नहीं हैं, बल्कि टीम के माहौल में भी उनका योगदान अहम रहा है। उनके अनुभव और व्यक्तित्व की कमी टीम को खलेगी।

34 साल के फर्ग्यूसन नवंबर 2024 के बाद से न्यूजीलैंड के लिए कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेले हैं। वह पहले भी हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो चुके हैं। ऐसे में टी20 वर्ल्ड कप से पहले उनकी चोट चयनकर्ताओं के लिए बड़ी चुनौती बन गई है, खासकर तब जब विल ओ'रूर्के भी पीठ की चोट के कारण टीम में नहीं हैं। काइल जैमीसन ने हाल ही में सुपर स्मैश में कैंटरबरी के लिए खेलते हुए अपनी फिटनेस दिखाई, जबकि मैट फिशर चोट से उबरकर नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के लिए वापसी कर चुके हैं। इन खिलाड़ियों के वर्कलोड और रिकवरी पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

आईएल टी20 अंतरराष्ट्रीय के फाइनल में नसीम शाह और पोलार्ड में हुई झड़प

दुबई । यह दुबई में खेले जा रऐ आईएलटी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के फाइनल में कप्तान सैम करण की डेजर्ट वायपर्स ने एमआई एमिरेट्स को 46 रन से हरा दिया। ये मैच हालांकि परिणाम से ज्यादा इसमें हुए विवाद के लिए चर्चाओं में आया है। इस मैच में उस समय हालात तनावपूर्ण हो गये जब डेजर्ट वाइपर्स की ओर से खेल रहे पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह और एमआई एमिरेट्स के कप्तान कीरोन पोलार्ड के बीच झड़प हो गयी। ऐसे में हालात को बिगड़ने से रोकने के लिए अंपायर को बीच-बचाव करना पड़ा। सोशल मीडिया पर इसका एक विडियो भी वायरल हुआ है।

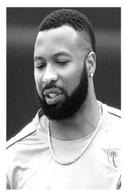

इस मैच में बवाल तब हुआ जब एमिरेट्स की बल्लेबाजी के दौरान 11वें ओवर में पोलार्ड ने नसीम से कुछ कहा। नसीम ने भी इसपर तत्काल ही करारा जवाब दिया। जिससे इस मामले में मार-पीट की नौबत आयी। ऐसे में अंपायरों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत किया।

वहीं जब नसीम अपना अगला स्पेल डालने आए, तब भी पोलार्ड ने उन्हें उन्हें कुछ कहा। पोलार्ड इस मैच में 28 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए। उनका विकेट लेने के बाद नसीम के चेहरे पर जीत का भाव दिखा।

इस मैच में पोलार्ड ने टॉस जीतकर विरोधी टीम को पहले पहले बल्लेबाज के लिए बुलाया। उनका ये का फैसला सही नहीं रहा। डेजर्ट वायपर्स की टीम ने अच्छी बल्लेबाजी कर 182 रन बनाये। कप्तान सैम करन ने सबसे अधिक नाबाद 74 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए एमिरेट्स की टीम दबाव 18.3 ओवर में 136 रन बनाकर रनों पर ही आउट हो गयी और उसे 46 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

गिल के टीम से बाहर होने पर हैरान रिकी पोंटिंग... लेकिन भारतीय क्रिकेट की इस बात से खुश

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्डकप 2026 के लिए भारत की टीम में शुभमन गिल को जगह नहीं मिली, जो सितंबर 2025 में एशिया कप से पहले टी20 टीम के आधिकारिक तौर पर उपकप्तान थे। खराब फॉर्म की वजह से चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम से बाहर रखा है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग चयनकर्ताओं के फैसले से हैरान हैं। हालांकि, उन्होंने भारतीय क्रिकेट की तारीफ की। उनका कहना है कि जब आप गिल जैसे खिलाड़ी को बाहर करते हैं, तब पता चलता है कि आपके पास टैलेंट की कमी नहीं है।

आईसीसी रिव्यू में पोंटिंग ने गिल को ड्रॉप करने को लेकर कहा, 卐मुझे यकीन नहीं हुआ। मेरा मतलब है, मुझे पता है कि व्हाइट-बॉल क्रिकेट में उनका हालिया फॉर्म बहुत अच्छा नहीं रहा है। लेकिन पिछली बार जब मैंने उन्हें सच में अच्छा खेलते देखा था, तब वह यूके में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज थी, जहां उन्होंने इतनी अच्छी बैटिंग की जितनी मैंने कभी किसी को करते नहीं देखा। मुझे लगता है, पहली बात यह कि मैं हैरान हूं, लेकिन दूसरी बात यह कि, यह इंडियन क्रिकेट की डेप्थ को दिखाता है। उन्होंने कहा, अगर आप सोच सकते हैं कि गिल जैसे अच्छे खिलाड़ी को वर्ल्ड कप टीम में नहीं चुना गया, तब इससे पता चलता है कि भारत के पास कितने अच्छे खिलाड़ी हैं।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम का ऐलान कर गिल को लेकर कहा था, 卐हम जानते हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है, लेकिन शायद इस समय वह थोड़े रन नहीं बना पाया है। पिछले वर्ल्ड कप में भी बाहर रहना दुर्भाग्यपूर्ण था, क्योंकि हम अलग-अलग कॉम्बिनेशन के साथ गए थे, लेकिन यह किसी भी चीज से ज्यादा कॉम्बिनेशन की बात हैज्जब आप 15 खिलाड़ी चुनते हैं तब किसी को बाहर रहना ही पड़ता है और दुर्भाग्य से, इस समय गिल हैं। हम कॉम्बिनेशन देख रहे हैं। अगर कीपर टॉप पर बैटिंग करने वाला है, तब अभी जितेश है और उसने ज्यादा गलत नहीं किया है, लेकिन हमें कॉम्बिनेशन और टॉप पर कीपर को देखने की जरूरत है।

वैभव सूर्यवंशी की 19 बॉल पर फिफ्टी:10 छक्कों के सहारे 68 रन बनाए

साउथ अफ्रीका अंडर-19 ने 246 का टारगेट दिया

बेनोनी (साउथ अफ्रीका)। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने सोमवार को साउथ अफ्रीका की अंडर-19 टीम के खिलाफ 19 बॉल पर फिफ्टी बनाई। उन्होंने 24 बॉल में 68 रन की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 10 छक्के और एक चौका भी जमाया। इस तरह उन्होंने 68 में से 64 रन बाउंड्री से बनाए। बेनोनी के विलोमूर पार्क स्टेडियम में वैभव ने छक्के से अपना खाता खोला। फिर फिफ्टी पूरी होते-होते 8 छक्के लगा दिए। फिलहाल, खराब रोशनी के कारण मैच को रोका गया है। मैच रुकने तक 246 का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम ने 12.5 ओवर में 2 विकेट पर 115 रन बना लिए हैं। वेदांत त्रिवेदी और अभिज्ञान कुंडू नाबाद लौटे हैं। वैभव की फिफ्टी से भारत की तेज शुरुआत 245 रन का टारगेट चेज करने उतरी भारतीय टीम ने वैभव की फिफ्टी के सहारे तेज शुरुआत की। टीम ने 10 ओवर के पावरप्ले-1 में 2 विकेट पर 103 रन बना डाले थे। वैभव ने पहले ओवर में दो छक्के लगाए थे।

वैभव की 68 रन की पारी का हिसाब

साउथ अफ्रीका 245 रन पर ऑलआउट टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ 246 रन का टारगेट चेज कर रही है। टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरी अफ्रीकी टीम 49.3 ओवर में 245 रन पर ऑलआउट हो गई। उसकी ओर से जानसन रोवल्स ने 113 बॉल पर 114 रनों की पारी खेली। इस पारी में 7 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। इंडियन टीम की ओर से किशन सिंह ने 3 विकेट झटके। आरएस अम्ब्रिश को 2 विकेट मिले। कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

अफ्रीकी ओपनर्स पावरप्ले में पवेलियन लौटे टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने पावरप्ले के अंदर ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे। किशन सिंह ने अदनान लागदीन (25 रन), जोरिच वान शाल्कवाइक (10 रन) और कप्तान मोहम्मद बुलबुलिया (14 रन) को पवेलियन की राह दिखाई।

शमी टीम से बाहर, इरफान हुए नाराज...लेकिन कमबैक करने का रास्ता बताया

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले मोहम्मद शमी टीम इंडिया में वापसी नहीं कर सके हैं। पहले वह चोट के चलते टीम से बाहर थे, मगर अब उन्होंने अपनी फिटनेस पूरी तरह से हासिल कर ली है और वे घरेलू क्रिकेट में तहलका मचा रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद चयनकर्ता उन्हें मौका नहीं दे रहे हैं। इस लेकर पूर्व खिलाड़ी इरफान पठान मोहम्मद शमी के चयन ना होने से काफी निराश है, उन्होंने इसके लिए चयनकर्ताओं को लताड़ा भी है, साथ ही उन्होंने शमी को टीम इंडिया में कमबैक करने का आखिरी रास्ता भी दिखाया है। इरफान पठान ने कहा, सबसे बड़ी बात शमी हैं। उनका भविष्य क्या है? वह कोई इसतरह के खिलाड़ी नहीं हैं जो कल आए, कुछ मैच खेलकर चले गए। उन्होंने 450-500 इंटरनेशनल विकेट लिए हैं, जो बहुत बड़ी संख्या है। अगर आपने 400 से ज्यादा विकेट लिए हैं और फिर आपको टीम से बाहर कर दिया जाता है और आपकी फिटनेस पर सवाल उठाए जाते हैं, तब ऐसा सबके साथ होता है। जब तक आप क्रिकेट खेलते हैं, आपको खुद को साबित करते रहना होता है। उन्होंने कहा, लेकिन शमी पहले ही 200 ओवर फेंक चुके हैं। 200 ओवर फेंकने के बाद, अगर फिटनेस की बात है, तब फिटनेस पहले ही दिख चुकी है। और क्या सुधार चाहिए, यह तो सिर्फ सिलेक्शन कमेटी ही जानती है कि वे क्या सोच रहे हैं। अगर मैं उनकी जगह होता, तब मैं आईपीएल खेलने जाता और धमाल मचा देता। मैं नई गेंद लेता और उस लेवल पर परफॉर्म करता। घरेलू क्रिकेट परफॉर्मेंस की बात होती है, लेकिन जब आईपीएल आता है और आप अपनी पुरानी लय और फिटनेस दिखाते हैं, तब कोई भी आपको नजरअंदाज नहीं कर सकता। पूरी दुनिया आईपीएल देखती है।

सात साल बाद प्रो कुश्ती लीग की हो रही वापसी

नई दिल्ली । सात साल के बाद एक बार फिर देश में प्रो रेसलिंग लीग का आयोजन होने जा रहा है। इसके लिए शनिवार को नीलामी हुई थी जिसमें छह टीमों ने 20 देशों के 300 से अधिक पहलवानों पर बोली लगायी थी। प्रो रेसलिंग लीग 2026 का आयोजन 15 जनवरी से 1 फरवरी तक नोएडा स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया जाएगा। इसके लिए हुई नीलामी के बाद छह टीमें सामने आयी हैं। प्रो रेसलिंग लीग का आयोजन इस महीने के अंत में होगा। यह लीग इससे पहले अंतिम बार साल 2019 में हुई थी। अब करीब सात साल के अंतराल के बाद लीग की वापसी हुई है।

डब्ल्यूपीएल के लिए सभी पांच टीमों ने कप्तानों के नाम घोषित किये

जैमिका संभालेंगी दिल्ली कैपिटल्स की कमान

नई दिल्ली। इसी माह 9 जनवरी से शुरु हो रहे महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के चौथे सत्र के लिए सभी पांच कप्तानों की घोषणा हो गयी है। इस बार कई टीमों के कप्तान भी बदले गये हैं। दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वॉरियर्ज ने नए सत्र से पहले नए कप्तानों के नाम घोषित कर दिये हैं। साल 2024 में पहली बार डब्ल्यूपीएल खिताब विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तान एक बार फिर स्मृति मंधाना करेंगी। वहीं मुंबई इंडियंस की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। गुजरात जायंट्स ने कप्तान के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एश्ली गार्डनर को बनाये रखा है। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ही मेग लैनिंग इस बार यूपी वॉरियर्ज की कप्तानी करेंगी जबकि दिल्ली कैपिटल्स की ने युवा जैमिमा रोड्रिग्स को कप्तान बनाया है। 9 जनवरी से 5 फरवरी तक खेले जाने वाले डब्ल्यूपीएल मुकाबले नवी मुंबई और वडोदरा में रखे गये है।

डब्ल्यूपीएल 2026 की टीमें और उनके कप्तान

मुंबई इंडियंस - हरमनप्रीत कौर
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - स्मृति मंधाना
गुजरात जायंट्स - एश्ली गार्डनर
दिल्ली कैपिटल्स - जेमिमा रोड्रिग्स
यूपी वॉरियर्ज - मेग लैनिंग

ढाका में आलीशान घर, लग्जरी गाड़ियां- जानें बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास कितने करोड़ के हैं मालिक

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अगले माह होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। 20 टीमों वाले मेगा इवेंट में बांग्लादेश को ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, नेपाल और इटली के साथ रखा गया है। इस बार टीम की कमान लिटन दास को सौंपी गई है, जिनके नेतृत्व में बांग्लादेश पहली बार आईसीसी खिताब जीतने की कोशिश करेगा।

कौन हैं लिटन दास?

लिटन दास बांग्लादेश के प्रमुख क्रिकेटर में शुमार हैं। उनका जन्म 13 अक्टूबर 1994 को पारंपरिक बंगाली हिंदू कायस्थ परिवार में हुआ था। वे सार्वजनिक तौर पर हिंदू त्योहार मनाते दिखाते हैं और सोशल मीडिया पर भी अपनी निजी जिंदगी की झलक साझा करते रहते हैं। वे विकेटकीपर-बल्लेबाज़ हैं और उन्हें अनुभवी मुशफिकुर रहीम का काबिल उत्तराधिकारी माना जाता है। वनडे क्रिकेट में बांग्लादेश के लिए सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम दर्ज है। लिटन दास तीनों फॉर्मेट—टेस्ट, वनडे और टी20—में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। लिटन दास बांग्लादेश के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले क्रिकेटरों में शामिल हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से उन्हें सालाना करीब 50,000 डॉलर (लगभग 45 लाख रुपये) मिलते हैं। इसके अलावा उन्हें हर टेस्ट मैच के लिए 2500 डॉलर, हर वनडे के लिए 1500 डॉलर और हर टी20ढ्ढ मैच के लिए 1000 डॉलर की मैच फीस दी जाती है।

बांग्लादेश ने आईपीएल के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाया

ढाका। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर किये जाने से नाराज बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईपीएल के प्रसारण पर प्रतिबंध लगा दिया है। बांग्लादेश के प्रशंसकों को बोर्ड के इस फैसले से निराशा हुई है क्योंकि अब उन्हें आईपीएल देखने को नहीं मिलेगा। बांग्लादेश के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा है कि अगले आदेश तक देश में सभी आईपीएल मैचों और उनसे जुड़े कार्यक्रमों का प्रसारण नहीं होगा। साथ ही कहा कि ये फैसला वर्तमान हालातों और जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

एशेज टेस्ट के दूसरे दिन स्टोक्स-लाबुशेन के बीच हुआ विवाद

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच यहां खेले जा रहे पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच खेल के साथ ही विवाद भी हावी रहे। मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन के बीच जमकर बहस हुई। इसका कारण ये था कि इंग्लैंड के कप्तान की एक टिप्पणी पर लाबुशेन भड़क गये। स्टोक्स के एक ओवर में ट्रेविस हेड ने लगातार शॉट लगाये। इसके बाद जब वह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के पास से गुजरे, तो उन्होंने लाबुशेन पर कमेंट कर दिय जिससे वह भड़के गये और दोनो के बीच बहस शुरु हो गयी।

मंदिर-मस्जिदों में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का किया गया आह्वान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत संचालित 100 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम के दूसरे माह में समाज के प्रभावशाली माध्यमों को जोड़ते हुए धार्मिक स्थलों पर विशेष गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इस क्रम में मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारे के साथ-साथ विवाह से जुड़े सेवा प्रदाताओं जैसे वेडिंग हॉल, बैंड पार्टी, डीजे, कैटरर एवं टेंट हाउस को अभियान में शामिल किया गया है। शासन द्वारा निर्देशित किया गया है कि धार्मिक स्थलों पर प्रवचनों एवं चर्चाओं के माध्यम से बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता को बढ़ावा दिया जाए।

इसी तारतम्य में दिनांक 05 जनवरी 2026 को कलेक्टर श्री मृणाल मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के निर्देशन, रचना चौधरी (प्रशासक) के मार्गदर्शन तथा पुलिस विभाग के सहयोग से विकासखंड बैहर की जामा मस्जिद, विकासखंड बालाघाट के शंकरघाट मंदिर, त्रिपुर सुंदरी मंदिर बालाघाट एवं डॉ. एस. राधाकृष्णन हायर सेकेंडरी स्कूल, बालाघाट में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रमों के दौरान धर्मगुरुओं द्वारा बाल विवाह रोकथाम हेतु सशक्त आह्वान किया गया। त्रिपुर सुंदरी मंदिर के पुजारी पं. विजय कुमार अवस्थी, शंकरघाट मंदिर के पुजारी श्री कृष्णा द्विवेदी एवं अंजुमन कमेटी बैहर के अध्यक्ष श्री शिराज अख्तर (जामा मस्जिद) ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिका अथवा 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है, जो कानूनन दंडनीय अपराध है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह में सहयोग करने या इसे प्रोत्साहित करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध जुर्माना एवं कारावास का प्रावधान है। धर्मगुरुओं ने आमजन से अपील की कि यदि कहीं बाल विवाह की जानकारी या शंका हो तो तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस 112 अथवा महिला एवं बाल विकास विभाग को सूचित करें तथा बालाघाट जिले को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने में सहयोग करें।

इस अभियान में वन स्टॉप सेंटर, बालाघाट की श्रीमती गायत्री स्वामी (केस वर्कर), श्रीमती प्रीति हरिनखेड़े (केस वर्कर), पुलिस विभाग से रेहाना खान (विशेष किशोर इकाई) एवं श्रीमती मेघा पाण्डे (साइबर सेल) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अभियान के माध्यम से समाज में सकारात्मक सोच विकसित कर बाल विवाह जैसी कुप्रथा के समूल उन्मूलन का संदेश दिया गया।

पतंजलि योगपीठ स्थापना दिवस पर एक कुंडी यज्ञ का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। टिहली बाई शासकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर में स्थित साधना कक्ष जिला योग प्रशिक्षण केंद्र में सोमवार को पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के स्थापना दिवस पर एक कुंडीय यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला पतंजलि योग समिति वारासिवनी ने स्थापना दिवस पर एक कुंडीय यज्ञ योगाचार्य भेजेंद्र चौधरी के द्वारा संपन्न कराया गया। जहाँ उपस्थित सभी साधकों के द्वारा हवन किया गया हवन के पश्चात प्रसादी वितरण किया गया। इस अवसर पर योग आयुर्वेद स्वदेशी स्वस्थ एवं समृद्ध भारत भारत माता की सेवा करते हुए परम वैभवशाली एवं विकसित भारत के निर्माण के लिए जागरूक किया गया। वहीं योग और आयुर्वेद के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर योग शिक्षक भेजेंद्र चौधरी ,श्रीमती हेमलता दुबे ,माया पारधी ,सीमा राठौर ,आस्था हनवत ,सरिता गुप्ता ,सुरेश चिमनानी ,राजकुमार टेंभरे,दुलीचंद कावड़े ,डोलीराम भगत, नेतलाल परते ,आशीष राठौर ,पंचम हनवत, किशोर कुमार कठौते ,प्रदीप खंडेलवाल, अर्जुन आंबेकर ,नंदकिशोर एडे ,हरिप्रसाद तुरकर ,हर्षा तुरकर ,तारिका बिसेन ,राधेश्याम चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राजद प्रमुख लालू यादव को झटका, निचली अदालत के आदेश पर रोक नहीं...सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को आईआरसीटीसी होटल घोटाले मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव की याचिका पर नोटिस जारी कर दिया। लालू यादव ने सीबीआई मामले में निचली अदालत द्वारा आरोप तय किए जाने को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीबीआई) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हालांकि, निचली अदालत के आदेश के खिलाफ तत्काल कोई राहत नहीं दी गई है। अदालत ने आदेश पर रोक नहीं लगाई है।

अदालत ने स्थगन याचिका पर सुनवाई के लिए 14 जनवरी की तारीख मुकरर की है। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, उन्हें जवाब दाखिल करने दें। मैं स्थगन के मुद्दे पर आपकी बात सुनूंगी। हाईकोर्ट ने सीबीआई को जवाब दाखिल करने को कह दिया है। मामले की अगली सुनवाई की तारीख 14 जनवरी को होगी । लालू प्रसाद यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल, वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह (एकता वत्स की सहायता से), अधिवक्ता वरुण जैन और नवीन कुमार पेश हुए। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट से स्थगन की मांग की। सीबीआई की ओर से सहायक अधिवक्ता डी पी सिंह और अधिवक्ता मनु मिश्रा पेश हुए।

बात दें कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख लालू यादव ने कथित आईआरसीटीसी घोटाले में भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश के आरोप तय करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती देकर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। अक्टूबर 2025 में, निचली अदालत ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम द्वारा निविदा आवंटन में कथित अनियमितताओं के संबंध में लालू यादव के खिलाफ आरोप तय किए थे। उनकी पत्नी, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, और उनके बेटे तेजस्वी यादव, जो वर्तमान में बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं, पर भी आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी सहित कई अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। आरोप तय करते समय, राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) विशाल गोगने ने पाया कि लालू ने केंद्रीय रेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, भूमि निविदा प्रक्रिया में पात्रता शर्तों में हेरफेर करने के लिए कथित तौर पर अपने पद का दुरुपयोग किया था। अदालत ने माना कि वे कथित साजिश से पूरी तरह अवगत थे और इतना ही नहीं उन्होंने निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से हस्तक्षेप किया था, इसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ। उधर राजद नेता लालू यादव का कहना है कि ट्रायल कोर्ट का आदेश गलत है और उनके खिलाफ बिना पुख्ता आधार के आरोप लगे हैं। इस लेकर उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई कर सभी पक्षों को नोटिस दे दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि वह इस मामले में अपना जवाब दाखिल करे। इसके बाद अदालत मामले की अगली सुनवाई करेगी। आईआरसीटीसी घोटाले का मामला रेलवे से जुड़े एक टेंडर और होटलों के संचालन से संबंधित है। यह मामला तब का है, जब लालू केंद्र की मनमोहन सरकार में रेल मंत्री थे। सीबीआई ने मामले में जांच के बाद आरोप पत्र दाखिल किया था। मामले की अगली सुनवाई 14 जनवरी को होगी। उस दिन हाईकोर्ट सीबीआई के जवाब और लालू यादव की दलीलों को सुनकर आगे का फैसला करेगा। इस मामले पर राजनीतिक और कानूनी हलकों की नजर बनी हुई है।

अजमेर शरीफ दरगाह में प्रधानमंत्री की चादर चढ़ाने का विरोध, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली । सर्वोच्च न्यायालय ने अजमेर शरीफ दरगाह में प्रधानमंत्री की ओर से चादर चढ़ाने की परंपरा के विरोध में दायर याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका विश्व वैदिक सनातन संघ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह और हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा दायर की गई थी। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर राज्य-प्रायोजित औपचारिक सम्मान, जैसे चादर चढ़ाना, भारतीय संविधान के मूल्यों, राष्ट्रीय संप्रभुता और जनता की इच्छा के विरुद्ध है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि चूंकि संबंधित मौके पर चादर पहले ही चढ़ाई जा चुकी है, इसलिए यह मामला अब निरर्थक हो गया है। साथ ही, न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यह ऐसा विषय नहीं है जिस पर न्यायिक निर्णय दिया जा सके। अदालत के अनुसार, यह परंपरा कार्यपालिका के क्षेत्र से जुड़ी है और इसमें हस्तक्षेप करना न्यायालय का कार्य नहीं है।

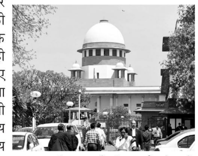

याचिका में दावा किया गया था कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती 12वीं शताब्दी में शहाबुद्दीन गोरी के आक्रमणों के दौरान भारत आए थे और उनका संबंध विदेशी आक्रमणों, दमन तथा धर्मांतरण से था। याचिकाकर्ताओं ने इसे भारत की सभ्यतागत परंपराओं और संविधान की प्रस्तावना में निहित मूल्यों—न्याय, स्वतंत्रता, समानता और राष्ट्रीय अखंडता—के विपरीत बताया।

गौरतलब है कि अजमेर शरीफ दरगाह पर औपचारिक चादर चढ़ाने की परंपरा वर्ष 1947 में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने शुरू की थी, जिसे बाद के प्रधानमंत्रियों ने भी निभाया। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय के साथ यह स्पष्ट हो गया है कि ऐसी परंपराओं को लेकर उठने वाले राजनीतिक या वैचारिक विवादों में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमाएं हैं।

कॉलेज चलो अभियान के तहत लालबर्रा महाविद्यालय द्वारा पंचायतों में संपर्क कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा द्वारा कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में संपर्क कार्यक्रम आयोजित क र

पंचायत प्रतिनिधियों, अभिभावकों, ग्रामीणजनों एवं विभिन्न समुदायों से संवाद स्थापित किया गया। इसी क्रम में 05 जनवरी 2026 को महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक एवं संयोजक डॉ. संगीता मेश्राम, श्री नितेश कुमार, डॉ. आशा कारे एवं श्रीमती आरती विश्वकर्मा द्वारा ग्राम पंचायत लेंडेझरी एवं ग्राम पंचायत ददिया में बैठकें आयोजित की गईं। वहीं संयोजक डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशीष बागड़े एवं श्री दीपक अहिरवार द्वारा ग्राम पंचायत मानपुर एवं ग्राम पंचायत पांढरवानी में संपर्क बैठकें संपन्न कराई गईं।

बैठकों में सहायक प्राध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, फार्म भरते समय आवश्यक सावधानियाँ, विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाएँ, करियर मार्गदर्शन, तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत नवीन प्रावधानों जैसे बहुविषयक शिक्षा, क्रेडिट बैंक, कौशल आधारित पाठ्यक्रम, विषय चयन आदि की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं जैसे भवन, खेल मैदान, जिम, पुस्तकालय, ई-लाइब्रेरी, प्रोत्साहन एवं नि:शुल्क सहायता योजनाएँ, तथा मध्यप्रदेश शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। इस अवसर पर कॉलेज चलो अभियान के पम्पलेट्स का वितरण किया गया एवं सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए।

यह अभियान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. श्री सुमन बरवा एवं नोडल अधिकारी डॉ. देवराज चैरे के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। कॉलेज चलो अभियान का मुख्य उद्देश्य लालबर्रा क्षेत्र के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को महाविद्यालय से संबंधित समस्त आवश्यक जानकारी प्रदान करना, ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया से उन्हें परिचित कराना तथा यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बारहवीं उत्तीर्ण विद्यार्थी उच्च शिक्षा में प्रवेश से वंचित न रहे।

भारत ने देश में ही बना जहाज़ समुद्र में उतारा है, काम समुद्र को साफ-सुथरा प्रदूषण मुक्त रखना

नई दिल्ली। भारत ने देश में ही बना एक ऐसा जहाज़ समुद्र में उतारा है, जिसका काम समुद्र को साफ-सुथरा प्रदूषण मुक्त रखना है। ये पहला स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत आईसीजीएस समुद्र प्रताप है। इस पोत को भारतीय तटरक्षक में शामिल कर लिया गया है। इस जहाज को कमीशन देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। यह पोत समुद्री प्रदूषण नियंत्रण, खोज और बचाव अभियान में अहम भूमिका निभाएगा। इसे गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने तैयार किया है। यह गोवा शिपयार्ड द्वारा बनाए गए दो प्रदूषण नियंत्रक जहाजों में से पहला है। देखा जाए तो यह कदम जहाज निर्माण और समुद्री क्षमता में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

समुद्र प्रताप का अर्थ है- समुद्रों की शक्ति। यह जहाज समुद्र को सुरक्षित, संरक्षित और स्वच्छ रखने के साथ-साथ देश के समुद्री हितों की रक्षा करने के भारतीय तटरक्षक बल के संकल्प को दर्शाता है। यह पूरी तरह भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया है। इसमें 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग हुआ है। जहाज की लंबाई 114 ।5 मीटर और चौड़ाई 16 ।5 मीटर है। यह 40 किलोमीटर से अधिक की गति से चल सकता है। इसमें आधुनिक ऑटोमेशन व कंप्यूटर नियंत्रित सिस्टम लगे हैं। करीब 4,200 टन वजन वाला यह जहाज दो 7,500 किलोवाट डीजल इंजन से चलता है। इसमें स्वदेशी तकनीक से बने कंट्रोल पिच प्रोपेलर और गियर बॉक्स लगे हैं, जिससे जहाज को बेहतर नियंत्रण और लंबी दूरी तय करने की क्षमता मिलती है। यह जहाज 6,000 समुद्री मील तक बिना रुके चल सकता है। इसका मुख्य काम समुद्र में तेल रिसाव और प्रदूषण से निपटना है। इसके लिए इसमें आधुनिक उपकरण जैसे साइड स्वीपिंग आर्म्स, फ्लोटिंग बूम, हाई कैपेसिटी स्किमर, पोर्टेबल बार्ज और प्रदूषण जांच प्रयोगशाला मौजूद हैं।

दिल्ली में इंसानी रेबीज नोटिफायबल डिजीज घोषित -केस की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को देनी होगी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने ह्यूमन रेबीज (इंसानों को रेबीज) को अब नोटिफायबल डिजीज घोषित कर दिया है। यानी रेबीज का कोई भी संदिग्ध और कंफर्म केस सामने आते ही उसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को देना अनिवार्य होगा। दिल्ली की रेखा गुप्ता वाली सरकार का कहना है कि इससे फैसले से रेबीज के मामलों पर समय रहते नजर रखी जा सकेगी। मरीज के इलाज में देरी नहीं होगी। अब दिल्ली के सभी सरकारी-निजी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और निजी डॉक्टरों को ऐसे मामलों की तुरंत रिपोर्ट करनी होगी।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि रेबीज से होने वाली एक भी मौत स्वीकार नहीं है। यह फैसला समय पर इलाज और निगरानी में मदद करेगा। यह आदेश तुरंत लागू हो गया है। रेबीज एक जानलेवा बीमारी है, लेकिन समय पर इलाज से इसे पूरी तरह रोका जा सकता है। दिल्ली सरकार कुत्तों के काटने से होने वाली रेबीज मौतों को रोकने के लिए स्टेट एक्शन प्लान फॉर रेबीज एलिमिनेशन भी तैयार कर रही है।

रेबीज से जुड़े कुछ आधिकारिक आंकड़ें

दिल्ली नगर निगम के मुताबिक साल 2025 में कुल 49 रेबीज के मामले दर्ज किए गए हैं। डॉग बाइट के 35,198 मामले दर्ज किए गए। केंद्रीय सरकार ने संसद में बताया था कि 2022 से 2024 के बीच दिल्ली में रेबीज से कोई मौत नहीं हुई, लेकिन आरटीआई के जवाब में यह सामने आया कि इस अवधि में दिल्ली में रेबीज से लगभग 18 लोगों की मौतें हुई हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, हर साल दुनिया में रेबीज के कारण करीब 59,000 लोगों की मौत होती है। वहीं भारत में इससे हर साल 20,000 लोगों की जान जाती है। भारत में रिपोर्ट किए गए 60 प्रतिशत रेबीज के मामले और मौतें 15 साल से कम उम्र के बच्चों की होती हैं क्योंकि बच्चों के काटने के मामले अक्सर रिपोर्ट नहीं किए जाते हैं।

शरद पवार के राजनीतिक भविष्य पर ओवैसी ने किए बड़े खुलासे कहा- उनके पास नहीं संख्या

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में आगामी नगर निकाय चुनावों की सुगबुगाहट के बीच, एआईएमआईएम प्रमुख और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने दिग्गज नेता शरद पवार के संसदीय भविष्य को लेकर एक चौंकाने वाला दावा किया है। ओवैसी ने शरद पवार की राज्यसभा सदस्यता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके पास दोबारा सदन में पहुँचने के लिए आवश्यक विधायकों का संख्या बल नहीं है। ओवैसी का मानना है कि मार्च 2026 में जब पवार का कार्यकाल समाप्त होगा, तब उनकी उम्मीदवारी को लेकर राज्य की राजनीति में एक बड़ा तमाशा देखने को मिल सकता है। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि बिना पर्याप्त संख्या के पवार दोबारा राज्यसभा कैसे जाएंगे, यह एक ऐसा सवाल है जिसका उत्तर आने वाला समय ही देगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब 2026 में देश के विभिन्न राज्यों की कुल 72 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं। इन चुनावों का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि इसमें देश के कई दिग्गज राजनेताओं का कार्यकाल पूरा हो रहा है। शरद पवार के अलावा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा, दिग्विजय सिंह और अभिषेक मनु सिंघवी जैसे कद्दावर नेताओं की सीटें खाली होने वाली हैं। इसके साथ ही, केंद्र सरकार के कई महत्वपूर्ण मंत्रियों जैसे हरदीप सिंह पुरी, बी.एल. वर्मा और जॉर्ज कुरियन का कार्यकाल भी समाप्त हो रहा है। यदि ये मंत्री दोबारा चुनकर नहीं आते, तो तकनीकी रूप से उनका सरकार में बने रहना चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। अन्य प्रमुख नामों में उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, प्रियंका चतुर्वेदी, रामदास अठावले, रामगोपाल यादव और मनोनीत सदस्य व पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई भी शामिल हैं।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार, 2026 में रिक्त होने वाली 72 सीटों पर अलग-अलग चरणों में मतदान होगा। अप्रैल में सर्वाधिक 37 सीटों के लिए चुनाव होंगे, जिनमें महाराष्ट्र, बिहार, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्य शामिल हैं। जून में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और मध्य प्रदेश की 23 सीटों पर चुनाव होंगे, जबकि नवंबर में उत्तर प्रदेश की 10 महत्वपूर्ण सीटों समेत कुल 11 सीटों पर मतदान होगा। उत्तर प्रदेश की ये सीटें चुनावी गणित के लिहाज से सबसे निर्णायक मानी जा रही हैं।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव का बड़ा ऐलान- इलेक्ट्रॉनिक्स की दुनिया में भारत बनेगा ग्लोबल पावरहाउस

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को भारत के भविष्य को लेकर एक बड़ा विजन साझा किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब इलेक्ट्रॉनिक्स के पूरे इकोसिस्टम डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, ऑपरेटिंग सिस्टम, एप्लिकेशन, सामग्री और उपकरणों में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने की ओर अग्रसर है।

मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी दी कि मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत अब एक उत्पादक अर्थव्यवस्था बन चुका है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि साल 2025 में एप्पल ने भारत से 50 अरब डॉलर मूल्य के मोबाइल फोन शिप किए हैं।

निर्यात में 8 गुना की भारी बढ़ोतरी

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में 6 गुना की वृद्धि हुई है, जबकि निर्यात में 8 गुना का भारी उछाल आया है। आज इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद भारत के शीर्ष तीन निर्यातित उत्पादों में शामिल हो चुके हैं।

रोजगार और सेमीकंडक्टर मिशन

मंत्री ने कहा कि यह तो बस शुरुआत है। इस क्षेत्र में अब तक 25 लाख लोगों को रोजगार मिल चुका है। कुछ फैक्ट्रियां तो ऐसी हैं जहां एक ही स्थान पर 40,000 कर्मचारी काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि इस साल चार सेमीकंडक्टर प्लांट अपना व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर देंगे। सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम के तीसरे चरण के तहत 22 नए प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इसके साथ ही स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या 46 हो गई है, जिसमें 54,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश शामिल है। इन परियोजनाओं से 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का उत्पादन होने और हजारों नए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

न्यूज गैलरी

बालाघाट जिले में इको-पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश इको-पर्यटन विकास बोर्ड, भोपाल द्वारा स्वीकृत अनुभूति कार्यक्रम वर्ष 2025-26 के अंतर्गत बालाघाट जिले के विभिन्न वन परिक्षेत्रों में इको-पर्यटन गतिविधियों का आयोजन जनवरी 2026 माह में किया जाएगा। यह कार्यक्रम 31 जनवरी 2026 तक निर्धारित कार्यक्रमानुसार संपन्न होंगे। उप वनमंडल अधिकारी सामान्य उपवनमंडल बालाघाट श्रीमती विनीता फुलबेल ने बताया कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य वन्य जीवन, प्राकृतिक स्थलों, जैव विविधता तथा स्थानीय पर्यटन स्थलों के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा। 10 परिक्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रम अनुसार बालाघाट परिक्षेत्र के बजरंगघाट में 09 जनवरी 2026 तथा इको-पर्यटन क्षेत्र गांगूलपारा (पंडार झरना, केरा बीट) में 10 जनवरी 2026 को इको पर्यटन कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। इसी तरह लौगुर परिक्षेत्र अंतर्गत बीट जैतपुरी भाग-1 में 30 जनवरी एवं बीट घोंदी (आमानाला) में 23 जनवरी, हट्टा परिक्षेत्र अंतर्गत महादेव पहाड़ी, डोंगरगांव बीट में 20 जनवरी एवं वैनगंगा नदी घाट पीपरझरी बीट में 17 जनवरी तथा किरनापुर परिक्षेत्र अंतर्गत मंडवाझरी तालाब बीट मंडवाझरी में 16 जनवरी एवं घोघराघाट बीट नंदोरा में 19 जनवरी 2026 को इको पर्यटन कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। पूर्व लांजी परिक्षेत्र अंतर्गत गांजीराजा चिलौरा बीट में 08 जनवरी एवं बीट माताघाट में 10 जनवरी, पश्चिम लांजी परिक्षेत्र कांद्रीघाट बीट में 20 जनवरी एवं कोचवाही बीट में 21 जनवरी, लालबर्रा परिक्षेत्र अंतर्गत चिखलाबड्डी बीट में 07 जनवरी एवं नवेगांव में 21 जनवरी, वारासिवनी परिक्षेत्र अंतर्गत बॉटनिकल गार्डन में 06 जनवरी एवं महादेव पहाड़ी (रमरमा) बीट में 15 जनवरी, खैरलांजी परिक्षेत्र अंतर्गत मामा भांजा पहाड़ी में 13 जनवरी एवं बीट हथौड़ा में 15 जनवरी तथा कटंगी परिक्षेत्र अंतर्गत हुडकेश्वर पहाड़ी में 12 जनवरी एवं कारोपाट डेम, वनखंड में 18 जनवरी 2026 इको पर्यटन कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

कंपनी में नौकरी: धोखाधड़ी और मौत की दर्दनाक कहानी

अनिल वरकड़े के इलाज के नाम पर वसूली होती रही परिजनों से 69 हजार वसूलने के बाद 65 हजार और मांगे!!

चालीसबोड़ी निवासी अनिल वरकडे मृत्यु प्रकरण में गंभीर खुलासा, विधायक संजय उईके ने दी अहम जानकारी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के रूपसर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चालीसबोड़ी निवासी आईटीआई पास युवक अनिल वरकडे की बाहर रोजगार के लिए जाने के दौरान हुई मृत्यु के मामले में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिस व्यक्ति के माध्यम से अनिल को रोजगार के लिए बेंगलुरु ले जाया गया था, उसने न केवल युवक बल्कि उसके परिजनों को भी अंतिम समय तक वास्तविक स्थिति से अनभिज्ञ रखा। बताया गया कि अनिल को बेंगलुरु स्थित लक्ष्मी मेटल कंपनी में नौकरी दिलाने की बात कही गई थी, लेकिन बाद में यह स्पष्ट हुआ कि अनिल न तो उस कंपनी में कार्यरत था और न ही कभी वहां गया था। सूत्रों का कहना है कि रोजगार के नाम पर युवक को ले जाने वाले मध्यस्थ व्यक्ति द्वारा उसके साथ गंभीर धोखाधड़ी की गई।

सूत्रों के अनुसार, अनिल का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ने पर उसे बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान परिजनों को सही जानकारी नहीं दी गई और उनसे इलाज के नाम पर लगातार हजारों रुपये वसूले जाते रहे। युवक की मृत्यु के बाद भी कथित रूप से परिजनों से यह कहकर और राशि मांगी गई कि अस्पताल से शव प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त पैसे जमा करना आवश्यक है, तभी डेड बॉडी सौंपी जाएगी। आरोप है कि पहले परिजनों से 29 हजार रुपये मांग लिये गये , फिर 40 हजार रुपये और इसके बाद 65 हजार रुपये की अतिरिक्त मांग की गई। जबकि बाद में जांच में सामने आया कि अस्पताल से संबंधित भुगतान पहले ही सेटल हो चुका था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जब जनप्रतिनिधियों और पुलिस विभाग ने हस्तक्षेप किया, तब जाकर अनिल वरकडे का शव बालाघाट लाया जा सका। बालाघाट पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया और फिर परिजनों को सौंपा गया।

मध्यस्थ व्यक्ति ही कर रहे हैं गुमराह

इस पूरे मामले पर बैहर विधायक संजय उईके ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मृतक युवक उनके विधानसभा क्षेत्र का निवासी था। जैसे ही उन्हें जानकारी मिली कि युवक की मृत्यु के बाद शव लाने के नाम पर निजी अस्पताल द्वारा अधिक पैसों की मांग की जा रही है, उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप किया। विधायक संजय उईके ने बताया कि उन्होंने स्वयं सामान्य व्यक्ति बनकर उस मध्यस्थ से बातचीत की, जिसने युवक को रोजगार के लिए बाहर भेजा था। बातचीत के दौरान धीरे-धीरे पूरे मामले की सच्चाई सामने आई। पहले मध्यस्थ ने विधायक को भी यह झूठ बताया कि अनिल लक्ष्मी मेटल कंपनी में काम कर रहा था, लेकिन जब विधायक ने सीधे कंपनी प्रबंधन से संपर्क किया, तो सच्चाई उजागर हो गई।

स्थानीय स्तर पर ही काम दिया जाना चाहिए

विधायक श्री उइके ने कहा कि शासन द्वारा बेरोजगार युवकों के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं को उनके ही जिले में रोजगार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि जिले के युवकों को बाहर रोजगार के लिए भेजने के बजाय शासन की योजनाओं के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर ही काम दिया जाना चाहिए, ताकि इस प्रकार की गंभीर समस्याओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने यह भी कहा कि जो युवक रोजगार के लिए बाहर भेजे जा रहे हैं, उनके मामलों में किसी मध्यस्थ व्यक्ति की भूमिका नहीं होनी चाहिए। इसके स्थान पर संबंधित शासकीय विभाग और जिम्मेदार अधिकारी स्वयं यह जिम्मेदारी सुनिश्चित करें कि युवकों को सुरक्षित, पारदर्शी और विश्वसनीय तरीके से रोजगार मिले।

इंदौर घटना के बाद बालाघाट में दूषित पानी को लेकर युवाओं ने किया प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों की घटना के बाद बालाघाट शहर में भी पेयजल व्यवस्था को लेकर आक्रोश देखने को मिला। सोमवार 5 जनवरी को शहर के कुछ युवकों ने स्थानीय बूढी पानी टंकी के निचे प्रदर्शन करते हुए नगर पालिका एवं भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर शहर में दिए जा रहे गंदे और मटमैले पानी पर सवाल उठाए और प्रशासन से मांग की कि बालाघाट में भी दूषित पानी की समस्या को गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया, तो बालाघाट में भी इंदौर जैसी गंभीर घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

इस मौके पर नीटू कौशल ने कहा कि आज सरकार आम जनता को शुद्ध पेयजल तक उपलब्ध नहीं करा पा रही है। इंदौर की घटना ने सरकार की कथनी और करनी के बीच का अंतर उजागर कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बालाघाट नगर पालिका द्वारा कई वार्डों में दूषित पानी सप्लाई किया जा रहा है, जिसकी स्थिति पानी टंकी के नीचे ही साफ देखी जा सकती है, जहां गंदा पानी भरा हुआ है। नीटू कौशल ने यह भी कहा कि नगर पालिका को इस पूरे मामले में गंभीरता दिखानी चाहिए और तत्काल प्रभाव से पानी की गुणवत्ता की जांच कर शुद्ध जल आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने भाजपा के एक वरिष्ठ मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा मीडिया में इस्तेमाल की गई भाषा पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद पर रहते हुए इस तरह के शब्दों का प्रयोग करना निंदनीय है और जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है।

दो मोटरसाइकिलें आपस में टकराई, एक की मौत, एक घायल

ग्रामीण थाने के ग्राम कोसमी बगदरा रोड पर हुई दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक घायल हो गया। 5 जनवरी को 2:00 बजे करीब यह सड़क दुर्घटना ग्रामीण थाना अंतर्गत बगदरा रोड ग्राम कोसमी नहर के पास हुई।मृतक नान्हू पिता ईशन लाल नागोसे 48 वर्ष ग्राम जागपुर थाना वारासिवनी है।घायल व्यक्ति राहुल पिता झनक लाल बम्बरे 35 वर्ष ग्राम कोसमी थाना ग्रामीण नवेगांव निवासी है।जिसका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नान्हू नागोसे खेती मजदूरी करते थे। जिसके परिवार में पत्नी और एक बेटा,एक बेटी है। बेटी प्रीति की शादी ग्राम खुटिया में हुई है। और बेटा खिलेश ने इंजीनियरिंग में पॉलिटेक्निक किया है जो इन दोनों कोलकाता में है। 5 दिन की स्कूल की अवकाश होने के कारण नान्हो नागोसे की नातन संध्या 7 वर्ष नाना नान्हू नागोसे के घर जागपुर आई थी। 5 जनवरी को नान्हू नागोसे अपनी नातन सन्ध्या को छोड़ने मोटरसाइकिल में अपनी बेटी प्रीति देवारे के गांव खुटिया जा रहा था। 2:00 बजे करीब कोसमी से बगदरा की ओर जाते समय कोसमी के आगे नहर पुलिया के पास बगदरा की ओर से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल नान्हू नागोसे की मोटरसाइकिल से टकराई। इस मोटरसाइकिल में राहुल बम्बूरे ग्राम कोसमी निवासी अपने एक साथी के साथ बगदरा की ओर से कोसमी आ रहे थे। दोनों मोटरसाइकिल की आपस में हुई जबरदस्त भिड़ंत में नान्हू नागोसे और राहुल बम्बूरे गम्भीर रूप से घायल हो गये। बताया कि इस दुर्घटना के दौरान मौके पर आने जाने वालों की की भीड़ लग गई थी। जहां पर ग्राम खुटिया के भी लोग थे। जिन्होंने नान्हू नागोसे की नातन को अपने साथ ले गए।जिसे चोट नहीआई थी और ग्राम कोसमी के ग्रामीणों ने दुर्घटना में घायल नान्हू नागोसे और राहुल बम्बूरे को दो मोटरसाइकिल में जिला अस्पताल बालाघाट लाये । जहा डॉक्टर ने नान्हू नागोसे को मृत घोषित कर दिए। नान्हू नागोसे की कोसमी से जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी वहीं इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल राहुल बम्बूरे को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के दौरान राहुल बम्बूरे के साथ मोटरसाइकिल में आ रहे एक युवक को भी चोटें आई है। जो घटना स्थल से ही चला गया। इस दुर्घटना की सूचना मिलते ही मृतक नान्हू नागोसे और घायल राहुल बम्बूरे के परिवार के लोग जिला अस्पताल पहुंच चुके थे। जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक नान्हू नागोसे का शव अपने कब्जे में लेकर उसे जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए हैं। जिसका पोस्टमार्टम 6 जनवरी को किया जाएगा।

मकान की छत पर कपड़े सुखाते समय विद्युत करंट लगने से महिला की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम दमोह के गोंडी मोहल्ला में एक महिला की विद्युत करंट से मौत हो गई।यह घटना उस समय हुई जब यह महिला घर के छत के ऊपर कपड़े सुखा रही थी। तभी वह मकान की छत के पास से गुजरी 11 केवी विद्युत लाइन के संपर्क में आ गई और विद्युत करंट लगने से वह छत से नीचे गिर गई और उसकी मौके पर मौत हो गई। बिरसा पुलिस ने मृतिका हिरमत चौधरी पति प्रेम चौधरी 55 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हिरमत बाई चौधरी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करती थी। जिसके परिवार में दो बेटे हैं। एक बेटे की शादी हो चुकी है। हिरमत बाई के पति की पूर्व में ही मृत्यु हो चुकी है। 4 जनवरी को 2:30 बजे हिरमत बाई अपने घर में कपड़े धोने के बाद अपने पड़ोसी यशवंत निषाद के घर की छत के ऊपर कपड़े सुखाने गई थी। छत के किनारे से ही 11 केवी की विद्युत लाइन गई हुई है। हिरमत बाई जब कपड़े सुखा रहती थी। संभवत वह 11 केवीकी विद्युत लाइन के संपर्क में आने से करंट लगने के साथ ही छत से नीचे गिर गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।। जिसे उसकी बहू सविता चौधरी ने देखी और अपने पति दुर्गेश चौधरी को खबर दी। दुर्गेश चौधरी उस समय मजदूरी करने के लिए गया था। खबर मिलते ही दुर्गेश चौधरी घर आया और बिरसा पुलिस थाना में रिपोर्ट की थी। जहां से प्रधान आरक्षक चंद्र कुमार अहिरवार अपने स्टाफ के साथ गोंडी मोहल्ला दमोह पहुंचे और मृतिका हिरमत बाई का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम हेतु बिरसा अस्पताल भिजवाए। प्रधान आरक्षक श्री अहिरवार ने मृतिका हिरमत बाई का शव पोस्टमार्टम करवाकर उसके परिजनों को सौंप दिये है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

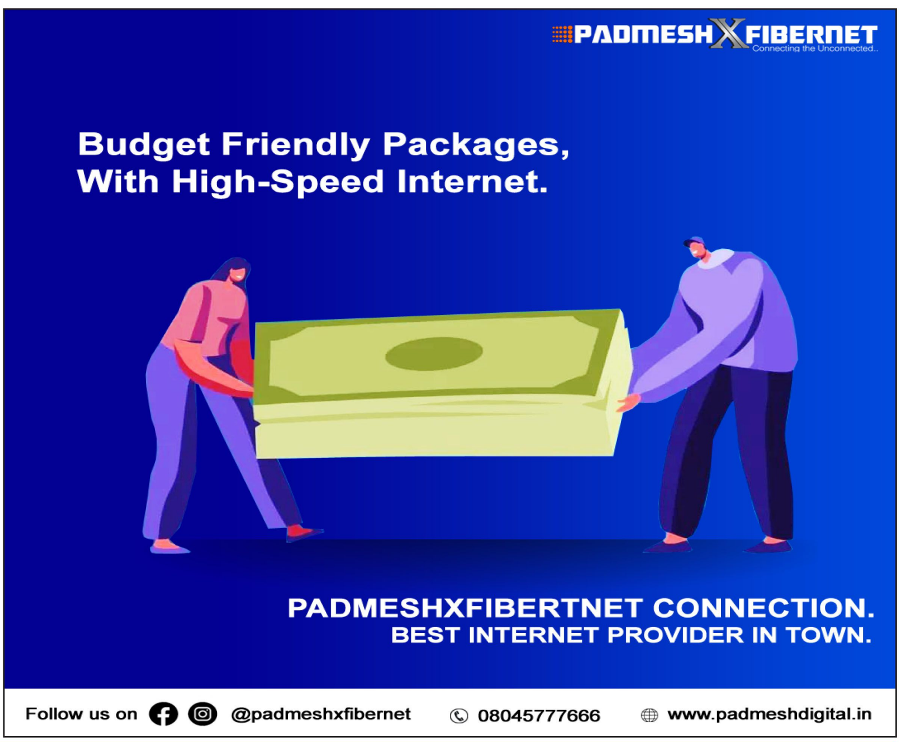

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट